आज का मौसम
42.8⁰ अधिकतम तापमान
26.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.37
सूर्यास्त 06.44

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष दशमी 06:07 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2083

रविवार, 26 अप्रैल 2026, वर्ष 36, अंक 78, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ बंगाल में गरीबों की नहीं, अमीरों की मदद कर रहीं ममता : राहुल गांधी - 11

■ केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बोलीं- देश के शेयर बाजार का सफर लम्बा और उपलब्धियां विश्वस्तरीय - 12

■ जिस भी देश में आप रहते हैं उसके प्रति पूरा वफादार बनें : होसबाले - 13

■ कैच पकड़ने के प्रयास में लुंगी एनगिडी हुए चोटिल - 14

पंजाब किंग्स ने रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा कर दिल्ली कैपिटल्स को हराया

नई दिल्ली। लोकेश राहुल की नाबाद 152 रन की पारी के बावजूद दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल के बड़े स्कोर वाले टी20 मैच में शनिवार को यहां पंजाब किंग्स के खिलाफ सात गेंद शेष रहते छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा। कैपिटल्स ने दो विकेट पर 264 रन बनाए, लेकिन टीम के लचर क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए पंजाब किंग्स ने सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह की 26 गेंदों में 76 और कप्तान श्रेयस अय्यर की 36 गेंदों में नाबाद 71 रन की पारी से 18 .5 ओवर में चार विकेट पर 265 रन बनाकर सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करने का नया रिकॉर्ड कायम कर अपना अजेय अभियान जारी रखा। मौजूदा सत्र में यह टीम की सात मैचों में छठी जीत है। (संबंधित खेल पेज पर)

● लोकेश राहुल का विस्फोटक शतक काम न आया

बंगाल में मां काली व दुर्गा की पूजा करने से कोई नहीं रोक सकता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/नादिया

प. बंगाल दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टीएमसी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दो-टूक कहा कि ममता दीदी ने इसीलिए सीएए का विरोध किया था, क्योंकि उन्हें चिंता है कि हिंदू ज्यादा हो गए तो सड़कों पर इफ्तारी कैसे होगी। उन्होंने राज्य में अराजकता, माफियाराज और भ्रष्टाचार के लिए टीएमसी को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि प्रदेश की जनता अब बदलाव चाहती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले चरण के मतदान में हुई घटनाओं से स्पष्ट है कि टीएमसी लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास नहीं करती। आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं और प्रत्याशियों पर हमले हुए, लेकिन आगामी चार मई को परिणाम आने के बाद टीएमसी के गुंडों को छिपने की जगह नहीं मिलेगी। नदिया जिले के नबद्वीप विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को भाजपा उम्मीदवार श्रुति शेखर गोस्वामी के समर्थन में आयोजित जनसभा को मुख्यमंत्री संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 'डबल इंजन सरकार' की वकालत करते हुए कहा कि इससे विकास कार्यों को गति मिलेगी और बंगाल को टेरर, माफियाराज और करप्शन से मुक्ति मिलेगी। कहा कि बंगाल में ममता दीदी दुर्गा पूजा, मूर्ति विसर्जन और हिंदुओं का विरोध करती हैं। जयश्रीराम बोलने पर प्रतिबंध लगाती हैं। कहा कि मां काली और मां दुर्गा की पूजा को कोई नहीं रोक सकता और इसके खिलाफ जनआंदोलन खड़ा होगा।

पश्चिम बंगाल में नादिया जिले के नबद्वीप विधान सभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा में उम्मीदवारों के साथ मुख्यमंत्री योगी।

● बंगाल में गरजे सीएम योगी, कहा- 4 मई को टीएमसी के गुंडों को नहीं मिलेगी छिपने की जगह

● ममता दीदी की चिंता, हिंदू अधिक हुए तो सड़कों पर कैसे होगी इफ्तारी

मुख्यमंत्री योगी बोले- टीएमसी ने बंगाल के सामने पहचान का संकट खड़ा किया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बंगाल ने भारत को सब कुछ दिया, फिर भी उसके साथ खूब छल हुआ। बंगाल की धरा पर जन्मे संतों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, समाज सुधारकों, वैज्ञानिकों व अन्य विभूतियों का नाम लेकर उनके प्रति श्रद्धा निवेदित की। उन्होंने कहा कि एक समय नबद्वीप और बंगाल ने भारत को पहचान दी, लेकिन आज उस बंगाल के सामने स्वयं पहचान का संकट खड़ा हुआ है। बंगाल में लैंड, सैंड, कैटल माफिया हावी हैं। टीएमसी के गुंडे दिल्ली से भेजे गए पैसे हड़प जाते हैं, लेकिन अब बंगाल जाग गया है। यहां कटमनी, अराजकता का खेल समाप्त होगा।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, सीएआरआई एशिया के पोल्ट्री हब की गौरवगाथा व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

अमेरिकी अधिकारियों से बिना मिले लौटे ईरानी विदेश मंत्री, अधर में वार्ता

अराघची ने पाकिस्तान को शर्तें सौंपी, ट्रंप ने अमेरिकी डेलिगेशन की यात्रा की रद्द

● ईरान के विदेश मंत्री ने पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा की

इस्लामाबाद, एजेंसी

अमरिका-ईरान के बीच दूसरे दौर की संघर्षविराम वार्ता अधर में पड़ती नजर आ रही है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची शनिवार को पाकिस्तान के शीर्ष नेताओं के साथ चर्चा करने और युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए तेहरान की मांगों की सूची साझा करने के बाद इस्लामाबाद से रवाना हो गए, जिससे अमेरिका के साथ शांति वार्ता के दूसरे दौर के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है।

अराघची के पाकिस्तान से रवाना होते ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिकी वार्ताकार स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर अब ईरान के साथ वार्ता के लिए इस्लामाबाद नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा, हमारे पास सभी विकल्प मौजूद हैं। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट किया, मैंने ईरानियों से मिलने के लिए इस्लामाबाद जाने वाले अपने प्रतिनिधियों की यात्रा रद्द कर दी है। उन्होंने कहा, यात्रा में बहुत समय बर्बाद हो रहा है, काम का बोझ भी बहुत ज्यादा है! इसके अलावा, उनके नेतृत्व में भ्रम की स्थिति है। किसी को नहीं पता कि सत्ता किसके हाथ में है, यहां तक कि उन्हें भी नहीं। साथ ही, हमारे पास सारे विकल्प हैं, उनके पास एक भी नहीं! अगर वे बात करना चाहते हैं, तो उन्हें बस फोन करना है! शुक्रवार को इस्लामाबाद पहुंचे अराघची ने शनिवार को फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। एक बयान में प्रधानमंत्री शहबाज ने कहा कि उन्होंने क्षेत्रीय स्थिति पर विचारों का बेहद सौहार्दपूर्ण आदान-प्रदान किया। हमने पाकिस्तान-ईरान द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने सहित पारस्परिक हित के मुद्दों पर भी चर्चा की।

ईरान के विदेश मंत्री का स्वागत करते पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार।

नाकेबंदी जारी रही तो कड़ा जवाब देंगे : ईरान

तेहरान। ईरान की सेना ने अमेरिका को चेतावनी दी कि अगर ईरानी बंदरगाहों पर नाकेबंदी जारी रही, तो वह जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार और प्रतिबद्ध है। हजरत खातम अल-अंबिया केंद्रीय मुख्यालय ने कहा कि देश की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए ईरानी सशस्त्र बलों के पास अब पहले से कहीं अधिक शक्ति और तत्परता है।

ट्रंप ने ईरानी नेताओं की हत्या का किया समर्थन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने उनके देश के साथ समझौते के पक्ष में न होने वाले ईरानी नेताओं की हत्या का समर्थन किया है। वाशिंगटन पोस्ट के स्तंभकार मार्क थीसेन ने 'एक्स' पर एक संदेश पोस्ट किया, जिसमें कहा गया है कि जो ईरानी नेता अमेरिका के साथ समझौते के पक्ष में नहीं हैं, उनकी हत्या कर दी जानी चाहिए। बाद में ट्रंप ने इस संदेश को ट्रुथ सोशल पर साझा किया। थीसेन के संदेश में कहा गया, अगर ईरान में दो धड़े हैं, जिनमें से एक समझौता चाहता है और दूसरा नहीं, तो समझौता न चाहने वाले नेताओं को हमें मार देना चाहिए। ट्रंप के इस संदेश को साझा किये जाने पर ईरान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने इसे 'गंभीर नैतिक पतन का प्रमाण' बताया।

अमेरिका में एच-1बी वीजा पर लग सकती है 3 साल तक रोक

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों के एक समूह ने कांग्रेस (अमेरिकी संसद) में एच-1बी वीजा कार्यक्रम को तीन साल के लिए स्थगित करने संबंधी विधेयक पेश किया है। रिपब्लिकन सांसदों का तर्क है कि इस कार्यक्रम का दुरुपयोग करके अमेरिकी कामगारों की जगह कम दाम में विदेशी कर्मी लाए जा रहे हैं। एरिजोना से सांसद एली क्रेन ने 'एंड एच-1बी वीजा एब्यूज एक्ट ऑफ 2026' पेश किया, जिसे सात अन्य रिपब्लिकन सांसदों ने भी समर्थन दिया है।

विधेयक में एच-1बी कार्यक्रम में सुधारों का प्रस्ताव है, जिसमें वार्षिक सीमा को 65,000 से घटाकर 25,000 करना, न्यूनतम वेतन 2,00,000 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष निर्धारित करना और एच-1बी वीजा धारकों को आश्रितों को अमेरिका लाने की अनुमति नहीं देना शामिल है।

कांग्रेस सदस्य ब्रायन बैबिन, ब्रैंडन गिल, वेस्ली हंट, कीथ सेल्फ (सभी टेक्सास से), एंडी ओगल्स (टेनेसी से), पॉल गोसर (एरिजोना से) और टॉम मैक्लिंटॉक (कैलिफोर्निया से) ने विधेयक के मूल सह-प्रायोजक के रूप में हस्ताक्षर किए हैं। अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियां विदेशी कर्मियों को नियुक्त करने के लिए बड़े पैमाने पर एच-1बी वीजा कार्यक्रम का उपयोग करती हैं। प्रौद्योगिकी क्षेत्र के कर्मचारियों और चिकित्सकों सहित भारतीय पेशेवर, एच-1बी वीजा धारकों के सबसे बड़े समूहों में से एक हैं। इस विधेयक में एच-1बी कार्यक्रम में बदलाव प्रस्तावित हैं, जिनमें लॉटरी प्रणाली को वेतन-आधारित चयन प्रणाली से बदलना, नियोक्ताओं के लिए इस बात को प्रमाणित करना अनिवार्य किया गया है कि उन्हें कोई योग्य अमेरिकी कर्मचारी नहीं मिल पा रहा है और उन्होंने छंटनी नहीं की है, एच-1बी कर्मचारियों को एक से अधिक नौकरियां करने से रोकना और तृतीय-पक्ष भर्ती एजेंसियों द्वारा उन्हें रोजगार देने पर प्रतिबंध लगाना शामिल है।

● अमेरिकी संसद में पेश किया गया विधेयक, भारतीयों की नौकरी पर खतरा

● वजह अमेरिकी कामगारों की जगह कम दाम में विदेशी कर्मी लाए जा रहे

भारतीयों कामगारों पर पड़ेगा असर

अमेरिका में काम करने वाले विदेशी श्रमिकों में सबसे बड़ी संख्या भारतीयों की है। इस बिल के अनुसार, जो लोग पहले से वहां हैं, उन्हें अपनी वीजा कैटेगरी बदलनी होगी या देश छोड़ना होगा। एक्सपर्ट्स का कहना है कि जो भारतीय 20 साल से ग्रीन कार्ड के इंतजार में हैं, उनके लिए यह बिल एक संवैधानिक संकट खड़ा कर सकता है। यह बिल न केवल वीजा रोकने की बात करता है, बल्कि पूरी प्रक्रिया को बदलने का प्रस्ताव देता है। अगर यह रोक लागू होती है, तो वर्तमान में अमेरिका में रह रहे हजारों भारतीयों को या तो तुरंत देश छोड़ना होगा या फिर अपनी वीजा स्थिति बदलकर छात्र वीजा जैसे विकल्पों को अपनाना होगा।

ब्रीफ न्यूज

16 करोड़ की साइबर धोखाधड़ी का भंडाफोड़ दो फर्जी निदेशक पकड़े

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने म्यूल बैंक खातों और मुखौटा कंपनियों से जुड़े साइबर धोखाधड़ी को बढ़ावा देने वाले एक नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है और आठ दिनों के भीतर 16 करोड़ रुपये से अधिक के लेनदेन का पता लगाने के बाद दो फर्जी निदेशकों को गिरफ्तार किया है। म्यूल बैंक खाते ऐसे बैंक खाते होते हैं, जिन्हें दूसरों के नाम से खुलवाया जाता है और जिनका इस्तेमाल अवैध तरीके से अर्जित धन के लेनदेन के लिए किया जाता है। आरोपी सोनू और अमिंदर एक प्राइवेट कंपनी के फर्जी निदेशक के रूप में काम कर रहे थे।

तीन दुकानों में लगी भीषण आग, व्यापारी जिंदा जला

संवाददाता, घाटमपुर (कानपुर)

अमृत विचार : दीना मार्केट की तीन दुकानों में शनिवार भोर पहर साढ़े तीन बजे भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि एक दुकानदार की जिंदा जलकर मौत हो गई। वहीं उसके पांच परिजन गंभीर रूप से झुलस गए हैं। दीना मार्केट में बेहटा बुजुर्ग निवासी तीन सगे भाई रामकिशन, सत्यनारायण और रज्जनलाल की दुकानें हैं। दुकानों के ऊपर ही उनका घर बना है। रोज की तरह तीनों भाई शुक्रवार रात दुकानें बंद कर दूसरी मंजिल पर अपने-अपने परिवार के साथ सो गए। शनिवार सुबह भोर पहर जब लोगों ने दुकानों से धुआं उठते देखा तो शोर मचाया। इस दौरान बड़े भाई रामकिशन (70) की नींद खुल गई। थोड़ी देर में वह लपटों से घिर गए और जिंदा जलकर उनकी मौत हो गई। हादसे में रामकिशन की पत्नी गोमती (66), बेटा हरिओम (40), पत्नी श्रेया और उनका बेटा शिवार्थ और रामकिशन के भाई सत्यनारायण की बेटी आयुषी भी झुलस गई।

मृतक रामकिशन

● घाटमपुर की दीना मार्केट में हादसा पत्नी-बेटी समेत पांच झुलसे

दो लाख ने छोड़ी परीक्षा, अभ्यर्थी व 3 शिक्षक गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा होमगार्ड एनरोलमेंट-2025 की लिखित परीक्षा तीन दिन में होनी है। शनिवार को पहले दिन प्रदेश के 74 जिलों के 1053 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में 2,08,210 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। शनिवार को कुल 8,44,066 अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होना था, लेकिन कुल 6,35,856 ने ही परीक्षा दी। परीक्षा की शुचिता को प्रभावित करने के प्रयास में एटा में एक अभ्यर्थी व कानपुर नगर में तीन सहायक शिक्षकों को गिरफ्तार किया गया है। भर्ती बोर्ड के अधिकारी के अनुसार परीक्षा तीन दिन में आयोजित की गई है। शनिवार को सकुशल परीक्षा संपन्न करा ली गई है। रविवार व सोमवार को आयोजित होनी है। बोर्ड के अधिकारी के अनुसार एटा के डीएवी इंटर कॉलेज स्थित परीक्षा केंद्र में अभ्यर्थी हाथरस निवासी तेजवीर सिंह जाली प्रवेश पत्र पर परीक्षा देने पहुंचा। जांच में सामने आया कि प्रवेश पत्र पर अनुक्रमांक, परीक्षा का समय, उपस्थिति का समय व अन्य जानकारी गलत है। छात्र को पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया। उसके खिलाफ एटा के सकीट थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। वहीं, कूटरचित प्रवेश पत्र तैयार करने वाले लोकवाणी जनसेवा केंद्र के संचालक की तलाश की जा रही है। वहीं, दूसरे अभ्यर्थी के प्रवेशपत्र के बारकोड को स्कैन कर गड़बड़ी की गई थी। बायोमैट्रिक के दौरान डाटा मैच न होने पर आरोपी तेजवीर पकड़ा गया। बोर्ड के अधिकारी के मुताबिक कानपुर नगर में बीएनएसडी इंटर कॉलेज स्थित परीक्षा केंद्र में एनसीसी कक्ष में प्रतिबंधित इलेक्ट्रानिक डिवाइस को अनुचित प्रयोग के लिए छिपाकर रखा गया था। जानकारी होने पर कर्नलगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। मामले में सहायक शिक्षक अखिलेश यादव, संदीप चन्द्र विश्वकर्मा तथा निर्मल कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

● यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की होमगार्ड एनरोलमेंट-2025 की लिखित परीक्षा

सरकार ने नीति आयोग का किया पुनर्गठन

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन करते हुए अशोक कुमार लाहिड़ी को वाइस चेयरमैन तथा पांच पूर्णकालिक सदस्यों की नियुक्ति की है, जिनमें अर्थशास्त्री केवी राजू, एम्स के निदेशक एम श्रीनिवास और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव अभय करंदीकर शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने लाहिड़ी और वैज्ञानिक गोबर्धन दास और पूर्व कैबिनेट सचिव राजीव गौबा सहित नए पूर्णकालिक सदस्यों को उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।। यह विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार और दीर्घकालिक रणनीतिक सोच के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य करता है। प्रधानमंत्री नीति आयोग के चेयरमैन हैं। पश्चिम बंगाल से भाजपा के विधायक लाहिड़ी भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार और 15वें वित्त आयोग के सदस्य रह चुके हैं।

'शीश महल' विवाद था दिल्ली हार की वजह : चड्ढा

नई दिल्ली। आप छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने शनिवार को कहा कि पार्टी छोड़ने वाले नेताओं ने डर के कारण नहीं, बल्कि संगठन के प्रति बढ़ती निराशा, मोहभंग और घृणा के कारण ऐसा किया है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास से जुड़े शीश महल विवाद का जिक्र करते हुए चड्ढा ने दावा किया कि यह विवाद 2025 के दिल्ली चुनावों में आप की हार का एक मुख्य कारण था। जिस भी सच्चे देशभक्त ने बड़ी उम्मीद के साथ अपने खून-पसीने से आप को सींचा था, वह या तो पार्टी छोड़ चुका है या छोड़ने की प्रक्रिया में है।

धोखाधड़ी मामले में रहेजा डेवलपर्स के खिलाफ छापेमारी

नई दिल्ली। ईडी ने घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी से जुड़े मामले में रियल एस्टेट कंपनी रहेजा डेवलपर्स के परिसरों पर शनिवार को छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि इस कार्रवाई के तहत दिल्ली-एनसीआर में करीब सात परिसरों पर छापे मारे जा रहे हैं। एजेंसी ने ऐसी ही जांच के तहत जून 2025 में भी कंपनी के परिसरों पर छापा मारा था। उन्होंने कहा कि कंपनी की परियोजना 'रहेजा रेवांता' में घर खरीदारों से धोखाधड़ी करने और फ्लैट नहीं दिए जाने के मामले में यह छापेमारी की जा रही है।

सुप्रीम आदेश

स्वास्थ्य सेवाओं पर सुप्रीम कोर्ट गंभीर, कहा- राज्य तीन हफ्तों में बनाएं एक्शन प्लान

आईसीयू के लिए एक समान हों मानक, कार्ययोजना करें तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे आईसीयू (गहन चिकित्सा इकाइयों) के लिए न्यूनतम मानकों को लागू करने के संबंध में एक वास्तविक और व्यावहारिक कार्ययोजना तैयार करें।

शीर्ष अदालत को बताया गया कि गहन चिकित्सा सेवा की आपूर्ति करने वाले और संगठनों के लिए दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं, इनपर सहमति बन गई है। ये व्यावहारिक, कार्यान्वयन योग्य तथा आईसीयू के लिए न्यूनतम मानकों के रूप में आवश्यक हैं। न्यायमूर्ति एहसानुद्दीन अमीनुल्ला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि इन दिशानिर्देशों की प्रतियां सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेजी जानी चाहिए। पीठ ने 20 अप्रैल के अपने आदेश में कहा, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख अतिरिक्त मुख्य सचिव/सचिव सभी संबंधित विशेषज्ञों की बैठक बुलाएं ताकि दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन के लिए एक कार्ययोजना तैयार की जा सके।

पांच बुनियादी जरूरतों की पहचान कर प्राथमिकता दें

पीठ ने कहा कि शुरुआती चरण में पांच बुनियादी जरूरतों की पहचान कर उन्हें प्राथमिकता दी जाए। इनमें मानव संसाधन, प्रशिक्षित स्टाफ, उपकरण, लॉजिस्टिक्स और जरूरी ढांचे से जुड़े मुद्दे शामिल होंगे। साथ ही इन मानकों के पालन और निगरानी के लिए स्पष्ट व्यवस्था भी बनाई जाए। अदालत ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया तुरंत शुरू होनी चाहिए और पहली बैठक एक सप्ताह के भीतर आयोजित की जाए। संबंधित अधिकारी इस बैठक में व्यक्तिगत रूप से शामिल हों। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा तैयार रिपोर्ट भारत सरकार के स्वास्थ्य विभाग सचिव को भेजी जाएगी, जो उसे सभी राज्यों के साथ साझा करेंगे। इसके बाद एक संयुक्त बैठक कर अंतिम साझा मसौदा तैयार किया जाएगा।

भविष्य की जरूरतों को देखते हुए नर्सिंग स्टाफ को करें प्रशिक्षित

सुनवाई के दौरान, सुझाव दिया गया कि भविष्य की जरूरतों को देखते हुए, नर्सिंग स्टाफ को विभिन्न स्थितियों से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए, क्योंकि वे मरीज के साथ 24 घंटे रहते हैं, जबकि चिकित्सक समय-समय पर ही आते हैं। पीठ ने कहा, हम इस सुझाव का पूरी तरह समर्थन करते हैं, जो न केवल व्यावहारिक है, बल्कि अत्यंत आवश्यक भी है। लिहाजा, इंडियन नर्सिंग काउंसिल और पैरा मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया को प्रतिवादी के रूप में इस मामले में शामिल किया जाता है।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 26 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

प्रो. केवी राजू बने नीति आयोग के सदस्य

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आर्थिक सलाहकार प्रोफेसर केवी राजू को नीति आयोग का पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंजूरी के बाद गई है। यह नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने से मान्य होगा। अशोक कुमार लाहिड़ी को नीति आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जबकि राजीव गौबा, प्रो. केवी राजू, प्रो. गोबर्धन दास, प्रो. अभय करंदीकर और डॉ. एम. श्रीनिवास को भी पूर्णकालिक सदस्य बनाया गया है। प्रो. केवी राजू करीब नौ वर्षों से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार के रूप में कार्य कर रहे हैं। इससे पहले वे कर्नाटक के मुख्यमंत्री के भी आर्थिक सलाहकार रह चुके हैं। इसके अलावा वह बेंगलुरु के आईएसईसी में प्रोफेसर भी रह चुके हैं।

पॉलीटेक्निक में आवेदन की अंतिम तिथि 30

अमृत विचार, लखनऊ : संयुक्त प्रवेश परीक्षा (पॉलीटेक्निक)–2026 के ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया जारी है। आवेदन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है। परिषद के सचिव संजीव कुमार सिंह ने बताया कि आवेदन शुल्क सामान्य एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 300 रुपये प्रति ग्रुप तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए 200 रुपये प्रति ग्रुप निर्धारित किया गया है। एक अभ्यर्थी अधिकतम तीन ग्रुप में आवेदन कर सकता है। अभ्यर्थियों की सहायता के लिए प्रदेशभर के राजकीय, अनुदानित, पीपीपी एवं निजी पॉलीटेक्निक संस्थानों में हेल्प सेंटर स्थापित किए गए हैं। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी परिषद की आधिकारिक वेबसाइट या हेल्पलाइन नंबर 0522-2630106, 2630695, 2630667 और 2636589 पर संपर्क कर सकते हैं।

निधि आपके निकट 2.0 कार्यक्रम कल

अमृत विचार, लखनऊ : कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की ओर से श्रमिकों, कर्मचारियों, पेंशनरों और नियोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से 'निधि आपके निकट 2.0' कार्यक्रम का आयोजन 27 अप्रैल को किया जाएगा। क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ के अंतर्गत आने वाले छह जिलों लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, बाराबंकी, हरदोई और रायबरेली में अलग-अलग टीमों द्वारा कार्यक्रम आयोजित होंगे। जिला नोडल अधिकारियों के नेतृत्व में टीमें विभिन्न स्थलों पर पहुंचकर भविष्य निधि से संबंधित शिकायतें सुनेंगी और उनका मौके पर निस्तारण करेंगी। लखनऊ में कार्यक्रम इंडिया पेस्टिसाइड्स लिमिटेड, ऐशबाग में, जबकि अन्य जिलों में भी निर्धारित संस्थानों में आयोजन होगा।

स्कूल चलो अभियान में मई से विशेष नामांकन

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए योगी सरकार ने 'स्कूल चलो अभियान' को मिशन मोड में लागू कर दिया है। सरकार का लक्ष्य है कि 6 से 14 वर्ष तक का कोई भी बच्चा स्कूल से बाहर न रहे। इसी क्रम में 1 मई से प्रदेशभर में विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत झुग्गी-झोपड़ियों, श्रमिक बस्तियों और ईंट-भट्ठों में रहने वाले बच्चों को चिन्हित कर उनका विद्यालयों में नामांकन कराया जाएगा। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि ड्रॉपआउट बच्चों की वापसी, बालिकाओं की शिक्षा और ट्रांजिशन दर बढ़ाना सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है। अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि प्रत्येक पात्र बच्चे का नामांकन सुनिश्चित किया जाए।

अवैध खनन पर 5.23 लाख का जुर्माना

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में अवैध खनन, उप खनिजों के अवैध परिवहन और ओवरलोडिंग पर रोक लगाने के लिए प्रदेश सरकार ने सख्ती और बढ़ा दी है। इसी क्रम में शनिवार को रायबरेली से उन्नाव और फतेहपुर बॉर्डर तक विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया गया, जिसमें नियमों के उल्लंघन पर 5.23 लाख रुपये से अधिक का अर्थदंड लगाया गया। भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की सचिव एवं निदेशक माला श्रीवास्तव के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान का नेतृत्व अपर निदेशक अरुण कुमार ने किया। अभियान में लखनऊ, बाराबंकी और अयोध्या के खान अधिकारियों समेत संयुक्त टीम ने सीमावर्ती क्षेत्रों में सघन जांच की।

गो-आश्रय स्थलों में बढ़ती गर्मी से बचाव को करें पुख्ता इंतजाम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वाटर मिस्टिंग सिस्टम, कूलर की हो व्यवस्था : मुकेश मेश्राम
- भूसा दान अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील

अमृत विचार : प्रदेश में बढ़ती गर्मी और लू को देखते हुए राज्य सरकार ने सभी गो-आश्रय स्थलों में पशुओं की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। अधिकारियों से कहा गया है कि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो और सभी व्यवस्थाएं तत्काल प्रभाव से लागू की जाएं।

पशुपालन विभाग के अपर मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम ने बताया कि गो-आश्रय स्थलों में गर्मी से बचाव के लिए वाटर मिस्टिंग सिस्टम, कूलर, पंखे और पर्याप्त छायादार व्यवस्था अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। साथ ही पशुओं के लिए स्वच्छ पेयजल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की निगरानी करने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि इन उपायों से भीषण गर्मी के दौरान पशुओं को सुरक्षित रखा जा सकेगा और उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सरकार ने संभावित चारा संकट को देखते हुए गो-आश्रय स्थलों में हरा चारा और भूसा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने पर जोर दिया है। इसके लिए चारागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर वहां हाइब्रिड नेपियर घास की बुआई कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि लंबे समय तक चारे की उपलब्धता बनी रहे।

भूसा दान अभियान में प्रदेश के कई जनपद सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। अन्य जनपदों से भी इसमें भागीदारी बढ़ाने की अपील की गई है। जिलाधिकारियों द्वारा कई स्थानों पर अतिरिक्त व्यवस्थाएं की गई हैं। जौनपुर में भूसा दान करने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रमाण पत्र वितरित किए गए हैं।

लखनऊ में हेमवती नंदन बहुगुणा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते मुख्यमंत्री योगी।

हेमवती नंदन बहुगुणा राजनीति के महत्वपूर्ण स्तंभ थे : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित कर मुख्यमंत्री ने किया नमन

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा की जयंती पर उन्हें भारतीय राजनीति का महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। उन्होंने योजना भवन स्थित बहुगुणा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान बहुगुणा ने सक्रिय भागीदारी की, जिसके चलते उन्हें ब्रिटिश शासन में जेल भी जाना पड़ा। आजादी के बाद 1952 के पहले आम चुनाव में वे उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए और बाद में प्रदेश सरकार में मंत्री तथा मुख्यमंत्री के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बहुगुणा ने केंद्र सरकार में भी विभिन्न मंत्रालयों में कार्य करते हुए देश की सेवा की। उनका राजनीतिक जीवन और विकास का दृष्टिकोण आज भी प्रासंगिक है और वर्तमान पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक नीरज बोरा, अमरेश कुमार, विधान परिषद सदस्य लालजी प्रसाद निर्मल सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

गंगा एक्सप्रेस-वे बनकर तैयार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 को हरदोई से करेंगे सबसे लंबे एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश का महत्वाकांक्षी गंगा एक्सप्रेस-वे अब लोकार्पण के लिए पूरी तरह तैयार है। करीब 594 किलोमीटर लंबा यह मेगा एक्सप्रेस-वे 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हरदोई से देश को समर्पित किया जाएगा। लगभग 37 हजार करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह परियोजना देश के सबसे बड़े और लंबे एक्सप्रेस-वे में शामिल है।

राज्य सरकार की रणनीतिक योजना और उप्र. एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की प्रभावी मॉनिटरिंग के चलते इस परियोजना को तय समयसीमा में पूरा किया गया है। निर्माण कार्य को गति देने के लिए इसे चार पैकेज में विभाजित किया गया, जिससे अलग-अलग एजेंसियों ने समानांतर रूप से काम करते हुए तेजी से प्रगति सुनिश्चित की।

चारों पैकेज में पहले की लंबाई 129.70 किमी, दूसरे की 151.70 किमी, तीसरे की 155.70 किमी और चौथे की 156.847 किमी निर्धारित की गई। प्रत्येक पैकेज पर करीब नौ से 9.5 हजार करोड़ रुपये तक का निवेश हुआ। मल्टी-पैकेज मॉडल के कारण निर्माण कार्य में तेजी आई और समय-सीमा का प्रभावी पालन संभव हो सका। राज्य सरकार के अनुसार, गंगा एक्सप्रेस-वे केवल यातायात सुविधा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे एक आर्थिक कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से

- प्रदेश सरकार की रणनीति और यूपीडा की सख्त मॉनिटरिंग से तय समय में पूरा हुआ प्रोजेक्ट

पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होगी, यात्रा समय में कमी आएगी और लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी।

परियोजना के साथ इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स क्लस्टर विकसित किए जाएंगे, जिससे औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा। माना जा रहा है कि यह एक्सप्रेस-वे प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

1270 करोड़ से 10 जिलों में विकसित होंगी15 परियोजनाएं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- बिल्डर निर्मित करेंगे 3102 आवासीय व व्यावसायिक इकाइयां
- रेरा ने लखनऊ, मुरादाबाद, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, बदायूं, गाजियाबाद समेत अन्य जिलों को दी मंजूरी

रेरा के लखनऊ मुख्यालय पर बैठक करते अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी। अमृत विचार

अमृत विचार : लखनऊ, मुरादाबाद, मेरठ, बदायूं, गाजियाबाद, वाराणसी, प्रयागराज, मुज्जफरनगर, गौतमबुद्ध नगर व गोरखपुर में 3,102 आवासीय, व्यावसायिक एवं मिश्रित इकाइयां विकसित की जाएंगी। बिल्डर परियोजनाओं पर 1270 करोड़ रुपये से अधिक निवेश करेंगे। शनिवार को लखनऊ मुख्यालय में अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी की अध्यक्षता में आयोजित 201वीं प्राधिकरण की बैठक में 15 परियोजनाएं स्वीकृत की गईं। विकसित इकाइयों में भूखंड, विला, फ्लैट, कॉलोनी, दुकान, कॉम्प्लेक्स आदि खरीदारों को राहत मिलेगी।

निवेश के मामले में गौतमबुद्ध नगर अग्रणी रहा। 507.77 करोड़ लागत की दो परियोजना में 380 आवासीय व 169 व्यावसायिक इकाइयां निर्मित की जाएंगी। लखनऊ में सबसे अधिक चार परियोजनाओं को स्वीकृति मिली। बिल्डरों द्वारा 90.77 करोड़ से 330 आवासीय व 348 व्यावसायिक इकाइयां विकसित की जाएंगी। इससे राजधानी में आवासीय व व्यावसायिक ढांचा और मजबूत होगा।

मुरादाबाद में 335.77 करोड़ लागत की एक व्यावसायिक परियोजना में 627 आवासीय इकाइयां, बदायूं में 72 करोड़ की एक आवासीय परियोजना में 226 आवासीय इकाइयां, वाराणसी में 36.68 करोड़ लागत की एक आवासीय परियोजना में 98 आवासीय इकाइयां, मेरठ में 20.25 करोड़ लागत की एक आवासीय परियोजना में 76 आवासीय इकाइयां विकसित करने को मंजूरी दी गई। इसी तरह प्रयागराज में 31.19 करोड़ की एक आवासीय परियोजना में 99 आवासीय इकाइयां, मुजफ्फरनगर में 12.37 करोड़ की एक आवासीय परियोजना में 127 आवासीय इकाइयां, गाजियाबाद में 122.18 करोड़ की एक व्यावसायिक परियोजना में 330 व्यावसायिक इकाइयों के साथ गोरखपुर में 41.50 करोड़ लागत की एक व्यावसायिक परियोजना में 292 व्यावसायिक इकाइयों का निर्माण करने की स्वीकृति दी गई।

ट्रिपिंग स्वीकार्य नहीं, हर हाल में दें निर्बाध बिजली : शर्मा

अमृत विचार, लखनऊ/वाराणसी : प्रदेश में बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए सख्त रुख अपनाते हुए ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी क्षेत्र में विद्युत ट्रिपिंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्बाध और सुचारु विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ऊर्जा मंत्री वाराणसी दौरे के दौरान सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वाराणसी जैसे प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन नगर में बिजली व्यवस्था उच्च स्तर की होनी चाहिए। साथ ही, अंडरग्राउंड केबलिंग कार्य में तेजी लाने और बढ़ती मांग के अनुरूप योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने पर जोर दिया, ताकि भविष्य में उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। एके शर्मा ने निर्देश दिया कि एक किलोवाट तक के घरेलू कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं की बिजली नेगेटिव बैलेंस होने पर भी एक माह तक नहीं काटी जाएगी।

सर्वोदय विद्यालयों का यूपी बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) के परीक्षा परिणामों में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता का नया मानक स्थापित किया है। हाईस्कूल में इन विद्यालयों का परिणाम 99.19 प्रतिशत और इंटरमीडिएट में 99.03 प्रतिशत दर्ज किया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, यह सफलता गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर संसाधनों और अनुशासित वातावरण का परिणाम है। सरकार द्वारा स्मार्ट क्लास, प्रशिक्षित शिक्षकों की तैनाती और आधुनिक प्रयोगशालाओं जैसी सुविधाओं ने छात्रों के प्रदर्शन को नई दिशा दी है।

गाजियाबाद के जय प्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय, निडौरी की छात्राओं ने विशेष उपलब्धि हासिल की। इंटरमीडिएट विज्ञान वर्ग में अंजली पुंडीर ने 88.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में चौथा स्थान प्राप्त किया, जबकि अंशिका ने 87.40 प्रतिशत अंक के साथ छठा स्थान हासिल किया।

अलीगढ़ हादसे की जांच को तीन सदस्यीय समिति गठित

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अलीगढ़ में पाइपलाइन मरम्मत कार्य के दौरान हुए हादसे का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। इस दुर्घटना में एक श्रमिक की मौत हो गई थी। शासन की ओर से मृतक के परिजनों को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई है। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि घटना की जांच के लिए अपर नगर आयुक्त की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति बनाई गई है, जिसमें अधिशासी अभियंता (निर्माण) और कर निर्धारण अधिकारी को सदस्य नामित किया गया है। समिति को तीन दिन के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

भाजपा 25 सीटें दे, नहीं तो अकेले लड़ेंगे

आरपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास आठवले की दो टूक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

आरपीआई अध्यक्ष रामदास आठवले।

अमृत विचार: रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि उत्तर प्रदेश में उनकी पार्टी आरपीआई भाजपा के साथ गठबंधन में 25 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। साथ ही, उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि पार्टी की मांगों पर सहमति नहीं बनती है तो आरपीआई अकेले चुनाव मैदान में उतरेगी।

आरपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उप्र. में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति का खुलासा राजधानी लखनऊ में शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस के दौरान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र में आरपीआई और भाजपा का गठबंधन मजबूत है और यही मॉडल उत्तर प्रदेश में भी लागू किया जाएगा। साथ ही, दावा किया कि प्रदेश की दलित बाहुल्य सीटों पर आरपीआई की मजबूत दावेदारी है और पार्टी इन क्षेत्रों में प्रभावी प्रदर्शन करेगी।

वहीं बसपा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि बसपा लंबे समय तक सत्ता में रही, लेकिन अब उसकी स्थिति कमजोर होकर एक सीट तक सीमित रह गई है, ऐसे में आरपीआई के पास आगे बढ़ने का अवसर है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की कि दलित बाहुल्य गांवों में समाज भवन बनाए जाएं और उनके संचालन की जिम्मेदारी स्थानीय दलित समुदाय को सौंपी जाए। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि पार्टी जल्द ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात कर अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपेगी।

छात्र नवाचारों में स्मार्ट व्हीलचेयर अव्वल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- इंजीनियरिंग अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के अभिनव प्रोजेक्ट्स ने किया आकर्षित

लखनऊ स्थित विज्ञान भवन में अपने प्रोजेक्ट का प्रदर्शन करते विद्यार्थी।

अमृत विचार: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उप्र. की ओर से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद में आयोजित इंजीनियरिंग अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की नवाचार आधारित परियोजनाओं के प्रदर्शन एवं मूल्यांकन कार्यक्रम में छात्रों के अभिनव प्रोजेक्ट्स ने आकर्षित किया। कार्यक्रम का आयोजन विज्ञान भवन, नबीउल्लाह रोड में किया गया, जहां प्रदेश के विभिन्न तकनीकी संस्थानों के विद्यार्थियों ने समाजोपयोगी और पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान पर आधारित मॉडल प्रस्तुत किए।

वर्ष 2017 से संचालित इस योजना के अंतर्गत इस बार 2025-26 सत्र में प्रदेशभर से कुल 399 परियोजनाएं प्राप्त हुईं। विशेषज्ञ समिति द्वारा मूल्यांकन के बाद 60 परियोजनाओं को अधिकतम 20 हजार रुपये तक की अनुदान राशि के लिए चयनित किया गया। चयनित परियोजनाओं को प्रारंभिक चरण में 10 हजार रुपये की अग्रिम राशि भी प्रदान की गई।

स्मार्ट व्हीलचेयर को मिला प्रथम पुरस्कार : प्रतियोगिता में गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के अनुज कुमार यादव एवं उनकी टीम को "आईओटी आधारित स्मार्ट व्हीलचेयर" प्रोजेक्ट के लिए प्रथम पुरस्कार (1 लाख रुपये) प्रदान किया गया। इस व्हीलचेयर में वॉयस कंट्रोल, टक्कर से बचाव और स्वास्थ्य निगरानी जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

द्वितीय पुरस्कार (75 हजार रुपये) अजय कुमार गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज के यश चंद्र को बैलिस्टिक अनुप्रयोग से जुड़े डिफेंस प्रोजेक्ट के लिए मिला, जबकि तृतीय पुरस्कार (50 हजार रुपये) के आईईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के प्रणव चौधरी को स्वचालित कचरा संग्रहण प्रणाली प्रोजेक्ट के लिए दिया गया। इसके अलावा अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार एवं सभी विद्यार्थियों व उनके मार्गदर्शकों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

तैयारी | जिला स्तरीय वर्गों को परिणामोन्मुखी बनाने के दिए गए निर्देश

कार्यकर्ताओं की भूमिका पर भाजपा का जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रशिक्षण महाभियान से संगठन को मिलेगी मजबूती: पंकज चौधरी

अमृत विचार: भाजपा के 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026' को लेकर संगठनात्मक गतिविधियां तेज हो गई हैं। राजधानी स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शनिवार को आयोजित प्रदेश स्तरीय बैठक में प्रदेश अध्यक्ष व केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि प्रशिक्षण महाभियान संगठन को मजबूत बनाने का प्रभावी माध्यम है। प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाते हैं और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने जिला स्तर पर आयोजित होने वाले प्रशिक्षण वर्गों को सुव्यवस्थित और परिणामोन्मुखी बनाने के निर्देश दिए। कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने में प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका है, इसलिए प्रशिक्षण को सतत प्रक्रिया के रूप में अपनाया जाना चाहिए।

प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि भाजपा एक कैडर आधारित और अनुशासित संगठन है, जिसकी मजबूती का आधार प्रशिक्षित कार्यकर्ता हैं। प्रशिक्षण से कार्यकर्ताओं की नेतृत्व क्षमता और संगठनात्मक समझ विकसित होती है। बैठक में मंडल स्तर पर अब तक हुए प्रशिक्षण वर्गों की समीक्षा की गई और आगामी जिला स्तरीय कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा हुई। संगठनात्मक मजबूती, वैचारिक विकास और प्रशिक्षण की गुणवत्ता को और प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी।

बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री व प्रशिक्षण महाभियान के संयोजक एमएलसी अनूप गुप्ता ने किया। इस दौरान प्रदेश पदाधिकारी, क्षेत्रीय प्रभारी, जिला अध्यक्ष, प्रशिक्षण वर्ग प्रभारी तथा आईटी व सोशल मीडिया से जुड़े कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

गन्ने की फसल पर अंकुर-चोटी बेधक कीट का खतरा बढ़ा, चेतावनी जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अप्रैल से जून तक विशेष निगरानी जरूरी, समय पर उपाय से बच सकती है पैदावार

अमृत विचार : प्रदेश में गन्ना किसानों के लिए उत्तर प्रदेश गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग ने अंकुर बेधक (अर्ली शूट बोरर) और चोटी बेधक (टॉप बोरर) कीट के बढ़ते प्रकोप को लेकर चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, कई चीनी मिल क्षेत्रों में इन कीटों की प्रथम पीढ़ी का असर दिखाई देने लगा है, जिससे फसल को नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ गई है।

अपर मुख्य सचिव वीना कुमारी मीना ने बताया कि अप्रैल से जून के बीच यह कीट तेजी से सक्रिय रहते हैं। ऐसे में किसानों को फसल की नियमित निगरानी करनी होगी, ताकि समय रहते नियंत्रण किया जा सके। विभाग के अनुसार, यह कीट गन्ने की गोंफ को अंदर से नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे बीच की पत्तियां सूख जाती हैं और पौधा कमजोर हो जाता है। प्रभावित गन्ने की गोंफ खींचने पर आसानी से बाहर निकल आती है, जो प्रकोप का प्रमुख संकेत है।

किसानों को सलाह दी गई है कि प्रभावित पौधों को सूंड़ी और प्यूपा सहित जमीन की सतह से काटकर नष्ट करें। साथ ही, अंडों और सूंड़ी को नष्ट करने, ट्राइकोकार्ड के प्रयोग, तथा आवश्यक रासायनिक दवाओं के छिड़काव/ड्रेंचिंग जैसे उपाय अपनाएं। खेतों में फेरोमोन या लाइट ट्रैप लगाने से भी वयस्क कीटों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। विभाग ने कहा है कि समय पर रोकथाम के उपाय अपनाकर फसल को बड़े नुकसान से बचाया जा सकता है और उत्पादन में गिरावट को रोका जा सकता है।

मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त
एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वसनीय हींग परम्परा
पुण्यश्लोक गोलोकवासी
बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर" जी
के आशीर्वाद से अभिसिंचित एवम् संचालित
एम. के.
बन्धानी हींग
श्री के. एम. डिस्ट्रीब्यूटर

विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज
कानपुर 208001, फोन – 9519456555, 9695416555

सड़क हादसों में किशोर समेत चार की मौत

महिगवां में बोलेरो पिकअप से टकराई बाइक, गोमतीनगर विस्तार में वाहन ने आइस्क्रीम पार्लर कर्मी को कुचला

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: महिगवां थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात बेकाबू बोलेरो पिकअप ने बाइक सवार किशोर की मौत हो गयी। वहीं, गोमतीनगर विस्तार स्थित जी-20 रोड पर अज्ञात वाहन की टक्कर से आइस्क्रीम पार्लर कर्मी की मौत हो गयी, जबकि साथी भर्ती है। उधर, पीजीआई में अज्ञात वाहन की टक्कर से ई-रिक्शा चालक की जान चली गयी। इसके अलावा रहीमाबाद में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार मजदूर की मौत हो गई।

महिगवां के गुलालपुर निवासी जान मोहम्मद मजदूरी करते हैं। परिवार में पत्नी नूर जहां, दो बेटे और तीन बेटी हैं। पिता जान मोहम्मद ने बताया कि तीसरा बेटा फुरकान (15) बाइक से भाग निकला।

आनन-फानन घायल फुरकान को सौ शैय्या अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। तलाशी के दौरान पुलिस को किशोर की पैंट की जेब में मिले मोबाइल फोन से परिजन को घटना की जानकारी दी। सूचना पर अस्पताल पहुंचे परिजन ने शव की पहचान फुरकान के रूप की। महिगवां इंस्पेक्टर रामकुमार गुप्ता ने बताया कि गाड़ी को कब्जे में ले लिया है। तहरीर मिलने पर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

वहीं, पीजीआई स्थित रेवतीपुर निवासी जितेंद्र कुमार यादव (26) विभूतिखंड स्थित आइस्क्रीम शॉप में नौकरी करता था। भाई अनुराग ने बताया कि शुक्रवार देर शाम जितेन्द्र बाइक से अपने दोस्त राजकुमार के साथ कहीं गया था। रात करीब 10:30 बजे दोनों लोग घर लौट रहे थे। रास्ते में जी-20 चौराहे के पास अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि जितेन्द्र और राजकुमार उछल कर सड़क पर जा गिरे। सूचना पर गोमतीनगर विस्तार पुलिस और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। दोनों घायलों को लोहिया अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जितेन्द्र को मृत घोषित कर दिया। दोस्त राजकुमार इलाज चल रहा है। जितेन्द्र तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। परिवार में पिता मिश्रीलाल और मां हैं।

उधर, पीजीआई के एकता नगर निवासी संतोष (40) ई-रिक्शा चलाकर परिवार का खर्च चला रहे थे। बेटे आयुष ने बताया कि पिता संतोष शुक्रवार रात 11 बजे ई-रिक्शे लेकर घर लौट रहे थे। रास्ते में सभा खेड़ा के पास अज्ञात वाहन ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। जिससे ई-रिक्शा पलट गया और संतोष गंभीर रूप से घायल हो गए। पीजीआई पुलिस ने घायल को एपेक्स ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया। इलाज के दौरान संतोष की मौत हो गई। उनके परिवार में पत्नी सुमन, चार बेटे दो बेटियां हैं।

इसके अलावा हरदोई के संडीला स्थित कल्ली खेड़ा निवासी छोटक्के (45) मजदूर था। साले नंदराम ने बताया छोटक्के शुक्रवार रात 8:00 बजे अपनी बाइक से रहीमाबाद के गहदो किसी काम से जा रहे थे। रास्ते में पांडेय खेड़ा के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। रहीमाबाद पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया और जेब में मिले मोबाइल से परिजन को सूचना दी। इलाज के दौरान छोटक्के की मौत हो गई। परिवार में पत्नी शकुंतला दो बच्चे हैं।

• पीजीआई में ई-रिक्शा चालक व रहीमाबाद में मजदूर की मौत

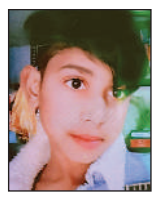
फुरकान

रिपेयरिंग का काम करता था। शुक्रवार देर रात फुरकान बाइक से घर लौट रहा था। रास्ते में कुम्हारावां चौराहे के पास सामने से आ रही बोलेरो पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी की थी फुरकान हवा में उछलकर सिर के बल सड़क पर जा गिरा। हादसे के बाद चालक पिकअप छोड़कर मौके से भाग निकला।

हल्दी कार्यक्रम के दौरान मनबढ़ युवकों ने घर के बाहर की फायरिंग

संवाददाता, बख्शी का तालाब

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गाजीपुर गांव में बेटी की शादी में चल रहे हल्दी कार्यक्रम के दौरान कार सवार दबंगों ने घर के बाहर फायरिंग की। फायरिंग से दहशत मच गयी। परिजन बाहर निकले तो आरोपी नशे की हालत में कार छोड़कर भाग निकले। डॉयल-112 पर सूचना मिलते ही बीकेटी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को घटनास्थल पर एक खोखा मिला है। पुलिस तहरीर के आधार पर तीन आरोपियों की तलाश में दबिशें दे रही है।

पीड़ित नीलकंठ ने बताया कि उनकी बेटी की शादी 26 अप्रैल को है। शुक्रवार रात घर में हल्दी का कार्यक्रम चल रहा था। इसी दौरान गांव के ही सुखदेव, अंकित व अनुज डिजायर कार से शराब के नशे में धुत होकर घर के बाहर पहुंचे। उसके बाद आरोपियों ने असलहे से हवाई फायरिंग कर दी। अचानक हुई फायरिंग से समारोह में अफरा-तफरी मच गई। आवाज सुनकर जब परिजन बाहर निकले तो आरोपी कार छोड़कर फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। छानबीन के दौरान पुलिस को मौके से एक खोखा बरामद किया है। पीड़ित ने आशंका जताई है कि शादी समारोह में व्यवधान डालने की कोशिश की जा सकती है। उन्होंने पुलिस से विवाह कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच करते हुए आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है।

• कार छोड़कर भागे तीन आरोपी एक खोखा बरामद

न्यूज ब्रीफ

अपहृत किशोरी मिली आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : ठाकुरगंज पुलिस ने 16 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अपहृत किशोरी को बरामद कर लिया है। आरोपी कौसर अली उर्फ अरमान कौशांबी का रहने वाला है। इंस्पेक्टर ओमवीर सिंह चौहान ने बताया कि 5 अगस्त 2025 को पीड़ित पिता ने किशोरी को अगवा करने की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। उनका कहना है कि जल्द ही किशोरी का मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराया जाएगा।

दबंगों ने दुकानदार मां व बेटे को पीटा, कैमरे तोड़े

अमृत विचार, आलमबाग : कृष्णानगर में मामूली कहासुनी पर दबंगों ने दुकानदार मां-बेटे को बेरहमी से पीटा। यही नहीं आरोपी दुकान पर लगा कैमरा तोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर पीके सिंह ने बताया कि मूल रूप से पारा हंसखेड़ा निवासी निशा यादव पत्नी अनिल सिंह वर्तमान में नारायण पुरी में रहती हैं। पंडित खेड़ा में उनकी दुकान थी, जहां उसने सीसीटीवी कैमरे लगवाए थे। आरोप है कि 15 अप्रैल को अपने बेटे अर्पित के साथ दुकान देखने पहुंचीं। वहां पहले से मौजूद अभिमान और अनुराग ने बिना किसी बात के गाली-गलौज कर मारपीट की। पुलिस ने अलीनगर सुनहरा निवासी अनमोल यादव, अभिमान यादव और अनुराग यादव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

डिवाइडर से टकराकर पलटी कार, युवक की मौत

अमृत विचार, लखनऊ : मड़ियांव इलाके में कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गयी। हादसे में कार चला रहे युवक की मौत हो गयी, जबकि दोस्त मामूली रूप से चोटिल हुआ। डालीगंज के डा. पन्नालाल रोड निवासी राहुल गौड़ दोस्त सैफ के साथ कार से अलीगंज से सीतापुर रोड की तरफ जा रहा था। पुरनिया पुल स्थित केशवनगर मोड़ के पास कार डिवाइडर से टकराकर पलट गयी। हादसे में कार के नीचे दबने से राहुल की मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि खिड़की का शीशा टूटने से सैफ बाहर निकल आया। डॉयल-112 पर सूचना मिलते ही मड़ियांव पुलिस मौके पर पहुंची। छानबीन के दौरान पुलिस को कार में शराब की बोतल व गिलास मिले हैं।

इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में दो घंटे धधकी आग

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका, दमकल की दो गाड़ियों ने किया काबू, लाखों का नुकसान

संवाददाता, निगोहां

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के मदापुर मंदिर चौराहे पर शनिवार दोपहर एक इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में आग लग गई। धुआं और लपटें देख राहगीरों ने शोरूम मालिक को जानकारी दी। लोगों ने पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। आग का विकराल रूप देख कंट्रोल रूम पर सूचना दी गयी। जानकारी पर दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग से करीब 55 लाख रुपये के माल के नुकसान बताया जा रहा है।

मोहनलालगंज निवासी भाजपा के जिला उपाध्यक्ष रमाकांत शुक्ला का मदापुर चौराहे पर विंध्यवासिनी इलेक्ट्रॉनिक शोरूम है। शनिवार दोपहर रमाकांत शोरूम में पूजा करने के बाद नीचे स्थित अपने दूसरे प्रतिष्ठान विंध्यवासिनी ट्रेडर्स पर आकर बैठे थे। तभी राहगीरों ने शोरूम के पीछे की खिड़की से धुआं और लपटें निकलती देखीं। जबतक लोगों ने आग की जानकारी रमाकांत को दी। तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया। लपटें देख शोरूम के मालिक, कर्मचारी और स्थानीय लोगों ने भी बाल्टियों और पाइप के जरिए आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लपटें तेज होने के कारण प्रयास सफल नहीं हो सके।

इस बीच पुलिस कंट्रोल रूम पर आग लगने की जानकारी दी। सूचना पर पीजीआई फायर स्टेशन से दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने अलग-अलग टीमों में बंटकर राहत कार्य शुरू किया। दमकल कर्मियों ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। पीड़ित शोरूम मालिक ने बताया कि आग लगने से शोरूम में रखा इलेक्ट्रॉनिक सामान व फर्नीचर पूरी तरह जलकर राख हो गया। आग लगने से करीब 50 से 55 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। एफएसओ पीजीआई ने बताया कि आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। आशंका है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी। जांच की जा रही है।

इलेक्ट्रानिक शोरूम के बाहर लगी भीड़ और आग पर काबू करते दमकल कर्मी। अमृत विचार

आग लगने पर किया गया रूट डायवर्ट

- विंध्यवासिनी इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में आग लगने पर पुलिस ने हाईवे पर रूट डायवर्ट कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही एसीपी विकास पांडे मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य की कमान संभाली। शोरूम में आग लगने के बाद हाईवे पर जाम लगने लगा था। जिसके चलते पुलिस ने कुछ देर के लिए ट्रैफिक को रोक दिया और रूट डायवर्ट कर दिया। स्थानीय लोगों और दमकल कर्मियों की सक्रियता से आग पड़ोस की दुकानों तक नहीं पहुंच सकी। समय रहते ही दमकल कर्मियों ने शोरूम में लगी आग पर काबू पा लिया।

कूड़े के ढेर में सुलगती आग। अमृत विचार

कूड़े के ढेर में आग, बुझने के बाद भी घंटों सुलगी

- **अमृत विचार, लखनऊ :** चिनहट के अपट्रान चौकी देवा रोड स्थित कूड़े के ढेर में शुक्रवार देर रात आग लग गयी। सूचना मिलते ही एफएसओ गोमतीनगर तीन गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे। दमकलकर्मियों ने देर रात आग पर काबू पा लिया। उसके बाद शनिवार सुबह दोबारा धुआं उठने पर दमकल टीम ने टाटा मोटर्स से पानी लेकर आग बुझाने का प्रयास किया।

शॉर्ट सर्किट से लगी घर में लगी आग

- **अमृत विचार, निगोहां :** क्षेत्र के भावाखेड़ा गांव में शनिवार को शॉर्ट सर्किट के चलते मकान में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की चपेट में आने से मजदूर की पूरी गृहस्थी जलकर राख हो गई। मजदूर अमित कुमार दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। शनिवार को अमित के घर से धुआं और आग की लपटें उठती देख ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने बिना किसी संसाधन के बाल्टियों व डिब्बों से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने किसी तरह आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक घर में रखा अनाज, कपड़े, बिस्तर, फर्नीचर और अन्य आवश्यक सामान पूरी तरह जल चुका था। बताया जा रहा है कि अगर आग पर समय रहते काबू न पाया जाता तो यह आसपास के अन्य घरों को भी अपनी चपेट में ले सकती थी।

स्मृति गेट न लगने पर पूर्व मंत्री और विधायक धरने पर बैठीं

संवाददाता, मलिहाबाद

अमृत विचार: थाना क्षेत्र में महाराजा मलिहा पासी के स्मृति गेट आश्वासन के बाद भी दोबारा न लगाए जाने से नाराज पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर, पत्नी विधायक जयदेवी शनिवार शाम मोहान तिराहे पर धरने पर बैठ गए। कौशल किशोर ने कहा 22 अप्रैल की देर रात चोरी से गेट उखाड़े जाने से समाज में आक्रोश है। जब तक गेट नहीं लगेगा, शांतिपूर्ण धरना जारी रहेगा। वहीं, लाखन आर्मी और सुहेलदेव सहित कई संगठनों ने पासी समाज से 26 अप्रैल को मलिहाबाद पहुंचकर कर विशाल आंदोलन करने की चेतावनी सोशल मीडिया के माध्यम से प्रशासन को दी है।

जिसको लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है। उधर, अधिशासी अभियंता निर्माण खंड एसके राय ने मलिहाबाद कोतवाली में अज्ञात के खिलाफ चोरी, तोड़फोड़ व सार्वजनिक संपत्ति नुकसान अधिनियम की रिपोर्ट दर्ज करायी है। 21 अप्रैल देर रात लगभग तीन बजे क्रेन और हाइड्रा की मदद से द्वार को उखाड़कर डीसीएम से लाद कर ले जाया गया था। जिस पर नाराज सुहेल देव आर्मी, वीरांगना ऊदा देवी पासी बहुजन, लाखन आर्मी, आजाद समाज आर्मी, सहित कई संगठनों ने मोहान तिराहा प्रदर्शन किया था। मौके पर पहुंचे पूर्व मंत्री कौशल किशोर ने लोगों को शांत कराकर कार्यवाही की मांग की थी। जिस पर एसीपी सुजीत कुमार दुबे ने यह बताया था कि जिस कंपनी ने स्मृति द्वारा लगाया था, उसी कंपनी ने हटाया है। उन्होंने कम्पनी से बात कर स्मृति द्वार मंगवाकर जल्द लगवाने का आश्वासन दिया था। जिसपर धरना प्रदर्शन समाप्त कराया था। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से संलिप्त व्यक्तियों की पहचान की जा रही है।

धरने पर बैठे पूर्व मंत्री कौशल किशोर, विधायक जयदेवी और अन्य।

• लाखन आर्मी, सुहेलदेव समेत कई संगठनों ने बड़ा आंदोलन करने की दी चेतावनी

सिटी डायरी

सम्मानित होने वाले कर्मी।

उत्कृष्ट सेवाओं पर कर्मी सम्मानित

अमृत विचार, लखनऊ : ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज की ओर से शनिवार को 1962 मोबाइल वेटरिनरी यूनिट के लखनऊ स्थित कॉल सेंटर और विभिन्न जिलों में वर्ल्ड वेटरिनरी डे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कर्मचारियों और वेटरिनरी चिकित्सकों ने केक काटकर एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान बेहतर कार्य करने वाले चिकित्सकों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सेवा प्रदेश के 19 जिलों में पशुपालकों को घर-घर नि :शुल्क पशु चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराती है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं को समय पर उपचार और परामर्श मिल रहा है। आशियाना स्थित मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में 1962 सेवा से जुड़े कर्मचारी शामिल हुए। पशु चिकित्सक डॉ. प्रीति, डॉ. चंद्रप्रभा, डॉ. साहिल और डॉ. शरद सहित टीम सदस्यों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

जाम लगने वाले स्थल का निरीक्षण करते पुलिस अधिकारी।

शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद लोग।

व्यापारियों के साथ की बैठक

अमृत विचार, सरोजनीनगर : थाना क्षेत्र के हाइडिल चौराहा के पास कानपुर रोड किनारे लेबर मण्डी के कारण क्षेत्र में रोजाना यातायात बाधित हो रहा था, जिससे खासकर महिलाओं और स्कूली बच्चों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इसे देखते हुए एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा, इंस्पेक्टर राजदेव राम प्रजापति ने उत्तर प्रदेश जनहित व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा व शांति नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष रितेश सिंह चौहान के साथ बैठक की। इसमें निर्णय लिया गया कि सड़क किनारे से लेबर मण्डी को हटाकर सैनिक तिराहा के पास स्थित खाली भूमि पर स्थानांतरित किया जाय। इसके बाद अधिकारियों ने संबंधित स्थल का निरीक्षण कर उसे मण्डी के लिए चिन्हित भी कर लिया है।

नामित सभासदों को दिलाई शपथ

अमृत विचार, काकोरी : उपजिलाधिकारी सदर मनोज कुमार सिंह ने शनिवार को काकोरी नगर पंचायत के नामित सभासद हरिओम बाजपेयी, विनय निगम, राजकुमार कश्यप को पद और गोपनीयता की शपथ उपजिलाधिकारी ने दिलाई। नगर पंचायत अध्यक्ष रोहित साहू की अध्यक्षता में हुए समारोह में विधायक जयदेवी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। भाजपा जिला अध्यक्ष विजय मौर्य, अधिशासी अधिकारी सुदेश यादव, जिला उपाध्यक्ष हंसराज लोधी, प्रतिभा वर्मा, जिला मंत्री कार्यालय रविराज लोधी, शिव हरि द्विवेदी, मनीष गुप्ता, कमलेश लोधी, मंडलध्यक्ष विपिन राजपूत, नरेन्द्र पाल सिंह यादव, अपर शासकीय अधिवक्ता नीलम श्रीवास्तव मौजूद रहे।

लाला श्रीराम के चित्र पर माल्यार्पण करते लोग।

लाला श्रीराम की जयंती मनाई

अमृत विचार, बख्शी का तालाब : श्री राम बायोसीड जेनेटिक्स 'डीसीएम श्रीराम लिमिटेड' की ओर से लाला श्रीराम जयंती मनाई गई। किसानों व सहयोगियों को उनके विचारों और योगदान से अवगत कराया गया तथा कृषि समस्याओं पर चर्चा हुई।सीएसआर के तहत आस्था ओल्ड एज होम में बुजुर्गों के साथ समय बिताकर जलपान कराया गया। जोनल मैनेजर मार्तंड मिश्रा, राजन प्रसाद सिंह, दिलीप गुप्ता व अभिनव सिंह मौजूद रहे।

चोरी व लूट का प्रयास करने वाले को पकड़ा

- **अमृत विचार, लखनऊ :** पीजीआई इलाके में चोरी व मोबाइल लूट की चौबीस घंटे में तीन वारदातों को अंजाम देने की कोशिश करने वाले आरोपी को भीड़ ने पकड़कर पीट दिया। धुनाई कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। आरोप है कि पुलिस ने बिना पूछताछ के ही आरोपी को छोड़ दिया। चौकी प्रभारी ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी नाबालिग है। किसी ने कोई तहरीर नहीं दी, जिसके चलते उसे छोड़ दिया गया। उतरेठिया निवासी रूद्र सेन शुक्रवार सुबह घर के बाहर बैठे थे। तभी बाइक सवार ने उनका मोबाइल छीनने का प्रयास किया। लेकिन असफल होने पर वह भाग गया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद है। शनिवार को वही संदिग्ध अपने दो साथियों के साथ लौटा रहा था। तभी पास की जूस की दुकान में मोबाइल चोरी करने की कोशिश की। लोगों ने एक युवक को पकड़ भी लिया। आरोपी ने खुद को नाबालिग बताते हुए हाथ जोड़ा तो भीड़ ने उसे छोड़ दिया। कुछ देर बाद करीब 200 मीटर दूरी पर एक मेडिकल स्टोर पहुंचा और गल्ले से रुपये लेकर भागने लगा। भीड़ ने भाग रहे आरोपी को पकड़ा और पीटने के बाद पुलिस को सौंप दिया।

हज के लिए दो विमानों से 849 यात्री सऊदी अरब रवाना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: हज-2026 के लिए शनिवार को लखनऊ से दो उड़ानें सऊदी अरब के लिए रवाना हुईं। पहली उड़ान से 427 यात्री और दूसरी उड़ान से 422 यात्री सऊदी अरब के लिए रवाना हुए। पहली उड़ान में 226 पुरुष और 201 महिलाएं शामिल हैं। और दूसरी उड़ान में 225 पुरुष और 197 महिलाएं हज के लिए रवाना हुई हैं। पहली उड़ान दोपहर 1:20 बजे और दूसरी उड़ान शाम 7:50 बजे सऊदी अरब के लिए रवाना हुई। लखनऊ से अब तक 5 उड़ानें यात्रियों को लेकर सऊदी अरब जा चुकी हैं।

हज पर जाने वाली आज की उड़ान में सबसे ज्यादा 50 यात्री लखनऊ के थे। इसके अलावा अम्बेडकरनगर के 46, वाराणसी के 36, कानपुर नगर के 30 यात्री शामिल रहे। इसके अलावा 8 यात्री बिहार व 2 यात्री मध्य प्रदेश के थे। चौथी उड़ान से हज यात्रियों की सुविधा के लिए 3 स्टेट हज इंस्पेक्टर मो. अजमल सिद्दीकी (प्रयागराज), साजिद अली (सीतापुर) और मो. वारिस खां (शाहजहांपुर) जिले के भेजे गये हैं।

लखनऊ उड़ान स्थल से शनिवार की शाम को 5वीं उड़ान भी रवाना हुई। इस उड़ान में कुल 422 हज यात्री रवाना हुए। जिसमें 225 पुरुष व 197 महिलाएं शामिल हैं।

जायजा

विधायक डॉ. नीरज बोरा ने किया निर्माणाधीन अस्पताल का निरीक्षण

15 दिन में स्वास्थ्य विभाग को हैंडओवर होगा फैजुल्लागंज का अस्पताल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : फैजुल्लागंज क्षेत्र में लगभग 18 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा 50 बेड संयुक्त चिकित्सालय का निर्माण कार्य अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। शनिवार को विधायक डॉ. नीरज बोरा ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनबी सिंह के साथ अस्पताल का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान विधायक ने कार्यदायी संस्था को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अगले 15 दिनों में अस्पताल का निर्माण कार्य शत-प्रतिशत पूरा कर इसे स्वास्थ्य विभाग को सौंपा जाए। वहीं मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि अस्पताल को एक माह के भीतर आवश्यक फर्नीचर, उपकरण एवं अन्य संसाधनों से पूर्ण रूप से सुसज्जित करें। विधायक ने अस्पताल के भूतल पर ओपीडी, ऊपरी तल पर प्रस्तावित जांच लैब, मरीज वार्ड और लिफ्ट निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इसके साथ ही पास स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भी जायजा लिया। जहां कुछ आवश्यक संसाधनों की कमी पाई गई, जिसे शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल परिसर में स्वच्छता और मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रैंप पर वॉशेबल पेंट कराने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान एनएबीएच और सीएसएसडी मानकों के पालन पर विशेष जोर दिया गया। ऑपरेशन थिएटर में हैंगिंग लाइट की व्यवस्था, तकनीकी खामियों के सुधार और सोलर पैनल इंस्टॉलेशन को शीघ्र पूरा करने के निर्देश भी दिए गए।

इस संबंध में विधायक ने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को पत्र लिखकर अस्पताल निर्माण कार्य की समीक्षा कराने और इसे प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराने का अनुरोध किया है।

निरीक्षण करते हुए विधायक डॉ. नीरज बोरा, साथ में सीएमओ व अन्य।

अमृत विचार
लखनऊ, रविवार, 26 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

किशोरी का अपहरण पिता-पुत्र पर केस

अमृत विचार, हरदोई : टड़ियावां थाना क्षेत्र में 14 वर्षीय किशोरी को शादी का झांसा देकर अगवा करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की मां की तहरीर पर चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पीड़िता की मां के अनुसार, गांव निवासी विष्णु ने 22 अप्रैल की शाम पाली थाना क्षेत्र के परलिया गांव निवासी अपने रिश्तेदार हेतराम को बुलाया। उसके साथ उसके पुत्र साजन और गोपाल भी आए थे। आरोप है कि सभी ने मिलकर किशोरी को शादी का झांसा दिया और गांव के बाहर ले जाकर उसे कुछ खिला दिया, जिसके बाद वह बेहोश हो गई। इसी दौरान आरोपी उसे अगवा कर फरार हो गए। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। एसएचओ कुलदीप सिंह के मुताबिक, चारों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर किशोरी की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

अमृत विचार, रुपईडीह : घर से शौच के लिए निकले युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना शनिवार सुबह की है, जिससे गांव में शोक का माहौल है। कौड़िया क्षेत्र के कल्याणपुर चौहान पुरवा गांव निवासी मिट्ठू लाल (35) गांव के पास रेलवे ट्रैक के नजदीक थे, तभी बहराइच से गोंडा की ओर जा रही ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना बनगांई रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

खंभे से टकराई बाइक इंटर के छात्र की मौत

अमृत विचार, नवाबगंज (गोंडा) : नवाबगंज-ढेमवा घाट मार्ग पर सड़क हादसे में इंटर के छात्र की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उसका चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल है। इंदरपुर के पूरे अंबर निवासी शिवा (17) शुक्रवार दोपहर अपने चचेरे भाई राकी (16) के साथ बाइक से नवाबगंज बाजार जा रहा था। रघुनाथपुर के पास बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गई। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस से उन्हें सीएचसी पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर अयोध्या मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान शिवा ने दम तोड़ दिया, जबकि राकी की हालत नाजुक बनी हुई है।

700-900 ग्राम के प्रीमेच्योर जुड़वा शिशुओं को दिया नया जीवन

28 सप्ताह में जन्मे नवजातों ने 65 दिन बाद एनआईसीयू में जंग जीती, आईवीएफ से हुआ था दंपति का सपना साकार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : विवेकानन्द पॉलीक्लिनिक एवं आयुर्विज्ञान संस्थान में अत्यंत प्रीमेच्योर जुड़वा शिशुओं का जटिल उपचार कर चिकित्सकों ने एक प्रेरणादायक उपलब्धि हासिल की है। 17 फरवरी को जन्मे इन शिशुओं (पुत्र-पुत्री) का वजन मात्र 700 ग्राम और 900 ग्राम था। 65 दिनों की सघन देखभाल के बाद अब दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं।

संस्थान के सचिव स्वामी मुक्तिनाथानन्द ने इस सफलता को चिकित्सा टीम की निष्ठा, समर्पण और आधुनिक सुविधाओं का जीवंत उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि 28 सप्ताह में जन्मे इन नन्हे शिशुओं ने कठिन परिस्थितियों को पार कर स्वस्थ जीवन की ओर कदम बढ़ाया है।

जुड़वा बच्चों के साथ विवेकानंद संस्थान के सचिव स्वामी मुक्तिनाथानंद, आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ. सीमा पांडेय।

लखनऊ के रहने वाले 44 और 45 वर्षीय दंपति लंबे समय से निसंतानता की समस्या से जूझ रहे थे। उन्होंने संस्थान में आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ. सीमा पाण्डे के मार्गदर्शन में उपचार कराया। सफलतापूर्वक गर्भधारण हुआ। डॉ. सीमा पाण्डे के मुताबिक गर्भावस्था के 28वें सप्ताह में समयपूर्व प्रसव की स्थिति बनने पर स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. सोनिका गौर की देखरेख में सुरक्षित सामान्य प्रसव कराया गया। जन्म के तुरंत बाद दोनों नवजातों को एनआईसीयू में भर्ती किया गया। सांस लेने में कठिनाई के चलते वेंटिलेटर सपोर्ट और सर्फैक्टेंट थेरेपी दी गई।

नवजात शिशु विशेषज्ञ डॉ. सचिन वर्मा के अनुसार 1000 ग्राम से कम वजन वाले शिशुओं में मृत्यु दर 50 प्रतिशत तक है। गंभीर जटिलताओं का खतरा रहता है। ऐसे में इन शिशुओं का सफल उपचार एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि 65 दिनों तक एनआईसीयू में उच्चस्तरीय चिकित्सा, निरंतर निगरानी और संतुलित पोषण के कारण दोनों बच्चों के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार हुआ। डिस्चार्ज के समय दोनों का वजन दो किलोग्राम से अधिक हो चुका था। इनके उपचार में डॉ. तरूणा विजयवर्गीय सहित पूरी टीम का विशेष योगदान रहा।

बेटे के लिए खाना लेकर जा रहे वृद्ध की सड़क हादसे में मौत

अमृत विचार, हरदोई: बुजुर्ग पिता साइकिल से बेटे के लिए खाना लेकर उसकी दुकान जा रहा था, तभी सर्कुलर रोड पर तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने लखनऊ रेफर कर दिया। हायर सेंटर पहुंचते ही उसकी मौत हो गई।

कोतवाली देहात क्षेत्र के कण्डौहना निवासी सतीश (80) प्रगति नगर में नया मकान बनाकर रह रहे थे। उनका बेटा रामू बेलाताली के पास बाल कटिंग की दुकान चलाता है। शनिवार दोपहर सतीश साइकिल से बेटे के लिए खाना लेकर जा रहे थे। किसान बाजार के पास पहुंचते ही बेकाबू रफ्तार वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।

वृद्धा को बाइक ने मारी टक्कर, मौत

अमृत विचार : अरवल थाना क्षेत्र के मुर्चा गांव निवासी राजरानी (65) शुक्रवार को अपनी बेटी की ससुराल कन्हारी (कोतवाली सवायजपुर) ई-रिक्शे से पहुंचीं। उतरते ही तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उन्हें गौरखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। राजरानी के पति और दो बेटों की पहले ही मौत हो चुकी है। परिवार में उनकी पांच बेटियां हैं, जिनकी शादी हो चुकी है।

गन्ना किसानों की आय दोगुनी से अधिक : शाही

प्रदेश में 3.15 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि प्रदेश में गन्ना किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने दावा किया कि किसानों की औसत आय 52 हजार रुपये से बढ़कर 1.20 लाख रुपये तक पहुंच गई है। यह बदलाव पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संभव हुआ है।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही

कृषि मंत्री ने बताया कि प्रदेश में गन्ना किसानों को अब तक 3 लाख 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक का रिकॉर्ड भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में गन्ना मूल्य भुगतान 8 से 10 दिन के अंदर किया जा रहा है, जबकि पूर्व सरकार में किसानों को 34 महीनों तक इंतजार करना पड़ता था।

पूर्व सरकार पर साधा निशाना

शाही ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उस समय मिल मालिकों से सांठगांठ के कारण किसानों का भुगतान समय पर नहीं होता था। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले गन्ना मूल्य का भुगतान किस्तों में होता था और किसानों को परेशानी झेलनी पड़ती थी।

मूल्य में बढ़ोतरी और उत्पादन में इजाफा

कृषि मंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार ने गन्ना मूल्य को 300 रुपये से बढ़ाकर 400 रुपये प्रति क्विंटल किया है। साथ ही प्रदेश देश के कुल गन्ना उत्पादन में लगभग 55 प्रतिशत योगदान दे रहा है।

किसानों को सुविधाएं और राहत

उन्होंने बताया कि सरकार ने 16 लाख से अधिक किसानों के बिजली बिल माफ किए हैं और सिंचाई के लिए नलकूप व सोलर पैनल की सुविधा दी जा रही है। सरयू परियोजना के पूर्ण होने से करीब 14 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा बढ़ी है।

कृषि उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि

शाही ने कहा कि प्रदेश में गेहूं, धान, आलू और तिलहन के उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। इसके साथ ही एथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देकर चीनी मिलों को सशक्त किया गया है, जिससे किसानों का भुगतान और सुगम हुआ है।

पश्चिमी यूपी तक फैला था फर्जी डॉक्टर का नेटवर्क

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- आरोपी हस्साम अहमद के पकड़े जाने के बाद करीबी लैब टेक्नीशियन व डॉक्टरों ने मोबाइल किए बंद
- कॉल डिटेल व सोशल मीडिया अकाउंट का ब्योरा खंगाल रही चौक पुलिस

अमृत विचार: केजीएमयू से गिरफ्तार 12वीं पास फर्जी डॉक्टर हस्साम अहमद की नेटवर्क की जड़ें लखनऊ के पड़ोसी जिलों के साथ ही पश्चिमी यूपी तक फैली थीं। जांच में अब चार और जिलों के नाम सामने आए हैं, जहां वह सक्रिय रूप से अस्पतालों से संपर्क बनाए हुए था। हस्साम ने व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर अपने नेटवर्क को संगठित कर रखा था, जिसके जरिए वह रोजाना अपने साथियों पर नजर रखता और लेनदेन से लेकर मरीजों की जानकारी तक साझा करता था। हस्साम की गिरफ्तारी के बाद से केजीएमयू से जुड़े उसके कई करीबी लैब टेक्नीशियन और डॉक्टरों ने अपने मोबाइल नंबर बंद कर लिए हैं। पुलिस और खुफिया एजेंसियां अब हस्साम व उससे जुड़े डॉक्टरों, लैब टेक्नीशियन के सोशल मीडिया अकाउंट का ब्योरा खंगाल रही हैं। पुलिस अब हस्साम के मोबाइल फोन कॉल की डिटेल्स भी खंगाल रही है।

जांच में चौक पुलिस को पता चला कि हस्साम मेरठ, गाजियाबाद व बिजनौर भी आता-जाता था। वहां भी सस्ते में इलाज के नाम पर मरीजों को कई अस्पतालों में भर्ती कराकर मोटा कमीशन लेता था। उसी रकम से वह कैंप का खर्च निकालता था। गिरोह का नेटवर्क सोशल मीडिया पर चलता था। हस्साम ने व्हाट्सएप ग्रुप बना रखा था। उस ग्रुप पर ही वह मैसेज पोस्ट करता था। साथ ही मरीजों की जानकारी के साथ ही किस अस्पताल से और जिले से कितना कमीशन आता है, इन सबका पुलिस को प्रमाण मिल गया है।

छानबीन में सामने आया कि हस्साम कुछ बच्चों को दिल्ली लेकर गया था। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि वे बच्चे कौन थे और उन्हें किस उद्देश्य से वहां ले जाया गया। इंटरनेट मीडिया पर भी हस्साम एक्टिव था। वह रोजाना अपनी फोटो और गतिविधियां साझा करता था। पुलिस इन प्लेटफार्म्स की भी जांच कर रही है, ताकि उसके संपर्कों और गतिविधियों का पूरा ब्योरा जुटाया जा सके। चौक पुलिस का कहना है कि जल्द ही अन्य जिलों की पुलिस से समन्वय स्थापित कर इस नेटवर्क से जुड़े सभी लोगों की पहचान की जाएगी। जांच के आधार पर आगे और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं।

व्यवस्था में बदलाव

रोजाना लगने वाले जाम की समस्या से निपटने को कमता तिराहे पर किया गया डायवर्जन। ● अमृत विचार

हरियाणा से घर आए युवक ने फंदा लगाकर दी जान

अमृत विचार, हरदोई: पानीपत (हरियाणा) से गांव आए युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

सुरसा थाना क्षेत्र के सहिमापुर मजरा ज्यूरा निवासी विपिन (19) पुत्र महेंद्र अपने बड़े भाई बब्लू के साथ पानीपत में नौकरी करता था। वह पहली अप्रैल को गेहूं की कटाई के लिए गांव आया था, जबकि 15 अप्रैल को उसका भाई भी परिवार समेत पहुंच गया। परिजनों के अनुसार, घर में विपिन की शादी को लेकर बातचीत चल रही थी। शुक्रवार शाम वह घर से निकला, लेकिन देर तक वापस नहीं लौटा। तलाश के दौरान उसका शव घर के पास आम के पेड़ से रस्सी के सहारे लटका मिला। घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। हालांकि परिजनों ने किसी ठोस कारण की पुष्टि नहीं की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

अमृत विचार, उन्नाव: रायबरेली जिले के लालगंज कोतवाली क्षेत्र के मधुकरपुर गांव निवासी शफीक (41) रेल कोच फैक्ट्री में संविदा कर्मी था। वह गुरुवार को बिहार थाना क्षेत्र के कैलांवा गांव स्थित अपनी ससुराल आया था। शुक्रवार देर शाम घर लौटते समय सुमेरपुर मोड़ के पास पेट्रोल पंप के निकट अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने उसे एंबुलेंस से बीघापुर के 100 बेड अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक, शफीक के चार बच्चे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

लोकार्पण कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान

संवाददाता, मल्लावां/हरदोई

- गंगा एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन की तैयारियां तेज, कार्यकर्ताओं को जुटाने में लगी भाजपा
- प्रदेश अध्यक्ष ने किया स्थल का निरीक्षण, दिए निर्देश

अमृत विचार: गंगा एक्सप्रेस-वे के लोकार्पण कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को देखते हुए भाजपा संगठन सक्रिय हो गया है। शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा कर इसे ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया।

निरीक्षण के बाद कस्बे के एक गेस्ट हाउस में हरदोई, उन्नाव, कन्नौज, फर्रुखाबाद और शाहजहांपुर के सांसदों, विधायकों, जिलाध्यक्षों व मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक हुई। पदाधिकारियों से अपील की गई कि अधिक से अधिक कार्यकर्ता कार्यक्रम स्थल पर समय से पहुंचें, ताकि प्रधानमंत्री का उद्बोधन सुन सकें।

धर्मपाल सिंह ने कार्यकर्ताओं को अनुशासित और व्यवस्थित रहने के निर्देश देते हुए वालंटियर के रूप में जिम्मेदारी निभाने को कहा। उन्होंने बैठने, भोजन, पानी और व्यवस्था संभालने पर विशेष जोर दिया, ताकि कार्यक्रम की छवि राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी बने।

कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी।

वहीं मल्लावां क्षेत्र के बंदीपुर-कल्यानपुर कट पर प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का प्रदेश अध्यक्ष ने विधायक आशीष सिंह के साथ निरीक्षण किया। मैपिंग के जरिए हेलीपेड, मंच, पार्किंग व टेंट की व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। इसके बाद डीएम अनुनय झा, एसपी अशोक मीणा, सीडीओ सान्या छावड़ा समेत अधिकारियों के साथ बैठक कर करीब सवा लाख लोगों की भीड़ को संभालने की तैयारियों की समीक्षा की गई।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

अमृत विचार, बांगरमऊ/उन्नाव : कानपुर से घर लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शव जैसे ही बांगरमऊ स्थित आवास पहुंचा, परिजनों में चीख-पुकार मच गई। नगर के स्टेशन रोड निवासी सुमित (32) पुत्र अशोक कुमार गुप्ता शुक्रवार देर रात बाइक से कानपुर से घर लौट रहा था। इसी दौरान शिवराजपुर थाना क्षेत्र में अनियंत्रित ट्रक ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सुमित की मौत से परिवार में शोक छा गया है। पत्नी और तीन बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पूरी भाजपा आधी आबादी से झूठ बोलने को निकल पड़ी है : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा प्रमुख ने कहा, महिला आरक्षण बिल पास हो चुका है भाजपा भ्रम फैला रही

अमृत विचार: सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि महिला आरक्षण बिल 2023 में लोकसभा से पास हो गया है, नोटिफाई हो गया है, भाजपा उसे स्वीकार नहीं कर रही है। पूरी भाजपा आधी आबादी से झूठ बोलने के लिए निकल पड़ी है। प्रोपेगंडा कर रही है।

सपा प्रमुख शनिवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा महिलाओं को आरक्षण नहीं देना चाहती है, भ्रम फैलाने में लगी है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा

ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स का दुरुपयोग कर रही है। एजेंसियों से दबाव डालकर लालच देकर पार्टियों को तोड़ती है। उन्होंने कहा गाजीपुर में जिस गरीब की बेटी की जान गई, उसे भाजपा के नेता दबाव बना रहे हैं, उसके घर पुलिस बैठी है।

जब खेत मुस्कुराएगा तो देश मुस्कुराएगा

अमृत विचार : सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि आज किसान संकट में है। भाजपा सरकार ने किसानों के लिए कुछ नहीं किया। सपा प्रमुख शनिवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये गाजियाबाद में विजन इंडिया कार्यक्रम के तहत किसान क्यों पीड़ित, क्यों परेशान विषय पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने किसानों के सम्बंध में अपने विजन को रखते हुए कहा कि जब खेत मुस्कुरायेगा तो देश मुस्कुरायेगा।

प्लॉट के नाम पर ठगे 9.51 लाख

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एसीपी के आदेश पर मोहनलालगंज कोतवाली में प्रॉपर्टी डीलरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: मोहनलालगंज में आवासीय प्लॉट दिलाने के नाम पर जालसाज प्रॉपर्टी डीलरों ने व्यवसायी से 9.51 लाख रुपये ऐंठ लिए। आरोपी के साथी प्रॉपर्टी डीलर ने प्लॉट अपना बताकर फंसाया और रुपये लिए। रजिस्ट्री के नाम पर टालमटोल देख पीड़ित ने रुपये वापस मांगे तो गाली-गलौज कर धमकाया। एसीपी मोहनलालगंज विकास पांडेय के आदेश पर मोहनलालगंज पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मार्टिनपुरवा निवासी अजीत सागर मेहतानी ने बताया कि वर्ष 2025 में वे एक भूखंड खरीदने के इच्छुक थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात प्रॉपर्टी डीलर वीरेंद्र तिवारी से हुई। बातचीत के दौरान वीरेंद्र ने उन्हें साथी प्रॉपर्टी डीलर शिवप्रताप उर्फ एसपी सिंह से मिलवाया। शिवप्रताप ने उन्हें मोहनलालगंज के गौरा में 1400 वर्गफीट का प्लॉट दिखाया। पसंद आने पर अजीत ने खरीदने के लिए हामी भर दी। जिसके बाद अजीत ने 3 जून से 14 जून के बीच 9.51 लाख रुपये उनके खाते में पांच बार में ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद आरोपियों ने 20 जून को रजिस्ट्री की बात कहकर तहसील मोहनलालगंज बुलाया। पीड़ित पहुंचा लेकिन आरोपी नहीं आए। उसके बाद लगातार टालमटोल की गई। 12 सितंबर को पीड़ित ने कॉल कर अपने रुपये वापस मांगे तो आरोपी ने इंकार कर जान से मारने की धमकी दी।

9.51 लाख की धोखाधड़ी का एहसास होने पर पीड़ित अजीत सागर मेहतानी ने एसीपी मोहनलालगंज से शिकायत की। शुरुआती जांच में आरोप सही मिलने पर मोहनलालगंज पुलिस ने वीरेंद्र तिवारी व शिवप्रताप उर्फ एसपी सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी व धमकी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

मेगा प्रोजेक्ट

85 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा, 31 मई तक पूरा करने का लक्ष्य

मेजर ध्यानचंद खेल विवि का निर्माण अंतिम चरण में

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/मेरठ

अमृत विचार: प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए योगी आदित्यनाथ सरकार का मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का निर्माण अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। मेरठ के सरधना क्षेत्र में बन रहे इस विश्वविद्यालय का करीब 85 प्रतिशत से अधिक निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और इसे 31 मई तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

करीब 36.98 हेक्टेयर (लगभग 91.38 एकड़) क्षेत्रफल में बन रहे इस विश्वविद्यालय पर लगभग 369.11 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। परियोजना का निर्माण ईपीसी मोड पर किया जा रहा है, जिसकी नोडल एजेंसी लोक निर्माण विभाग है। अब तक करीब 247 करोड़ रुपये व्यय किए जा चुके हैं और वर्तमान में फिनिशिंग कार्य तेजी से जारी है।

- मेरठ को खेल शिक्षा और प्रशिक्षण का मिलेगा बड़ा केंद्र

अत्याधुनिक खेल सुविधाओं से होगा लैस

विश्वविद्यालय को आधुनिक खेल सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। यहां सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक, हॉकी मैदान, फुटबॉल ग्राउंड, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, हैंडबॉल और कबड्डी मैदान विकसित किए जा रहे हैं। साथ ही लॉन टेनिस कोर्ट, जिम्नेजियम, स्विमिंग पूल, बहुउद्देशीय हॉल और स्पोर्ट्स साइंस लैब जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। यहां 22 ओलंपिक खेलों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस वर्ष एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, रेसलिंग, योग, जूडो, ताइक्वांडो और कबड्डी जैसे खेल शुरू होंगे, जबकि अगले चरण में शूटिंग, आर्चरी, घुड़सवारी और अन्य खेल जोड़े जाएंगे।

शुरू होंगे नए कोर्स

विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल दीप अहलावत के अनुसार, मई में आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक प्रस्तावित है, जिसमें नए पाठ्यक्रमों को मंजूरी मिलने की संभावना है। इसके बाद करीब 300 नए छात्रों के प्रवेश का लक्ष्य रखा गया है।

मालूम हो कि राज्य सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को देश का प्रमुख खेल केंद्र बनाना है, जहां से भविष्य के ओलंपियन और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार हो सकें। विश्वविद्यालय में स्नातक से लेकर पीएचडी तक की पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध होगी। इसमें फिजिकल एजुकेशन, स्पोर्ट्स साइंस, स्पोर्ट्स मैनेजमेंट, स्पोर्ट्स जर्नलिज्म और एडवेंचर स्पोर्ट्स जैसे विषय शामिल होंगे।

कुलपति दीप अहलावत के अनुसार, इस विश्वविद्यालय का उद्देश्य विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और खेल विज्ञान के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करना है। साथ ही, इससे क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

लोक दर्पण

सीएआरआई

एशिया के पोल्ट्री हब की गौरवगाथा

बरेली का नाम आते ही अक्सर जहन में झुमका या सुरमा आता है, लेकिन वैश्विक पटल पर बरेली की एक और पहचान है। केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई)। इज्जतनगर स्थित यह संस्थान भारतीय पोल्ट्री उद्योग की रीढ़ है। 1939 में एक छोटी सी इकाई से शुरू हुआ यह सफर आज एशिया के सबसे बड़े कुक्कुट अनुसंधान केंद्र के रूप में तब्दील हो चुका है। यहां की मिट्टी में विज्ञान और किसान का वो संगम है, जिसने भारत को अंडा और मांस उत्पादन में दुनिया के अग्रणी देशों की कतार में खड़ा कर दिया है। *–रतन सिंह गुर्जर*

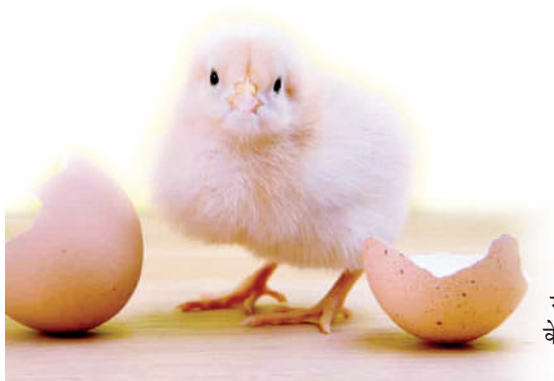

सिर्फ मादा चूजे- पोल्ट्री जगत की सबसे बड़ी वैज्ञानिक क्रांति

वर्तमान में पोल्ट्री उद्योग के सामने सबसे बड़ी नैतिक और आर्थिक चुनौती नर चूजों का प्रबंधन है। लेयर फार्मिंग (अंडा उत्पादन) में नर चूजे किसी काम के नहीं होते और उन्हें नष्ट कर दिया जाता है। सीएआरआई इस समय इन-ओवो सेक्सिंग और जेंडर-स्पेसिफिक तकनीक पर काम कर रहा है। वैज्ञानिकों का लक्ष्य ऐसे अंडे विकसित करना है जिनसे केवल मादा चूजे ही पैदा हों। यह शोध सफल होने पर चूजों को नष्ट करने की क्रूरता खत्म होगी। फीड (चारे) की बर्बादी रुकेगी। किसानों की लागत में 40 प्रतिशत तक की कमी आएगी। यह तकनीक न केवल भारत बल्कि वैश्विक पोल्ट्री बाजार के लिए गेम चेंजर साबित होगी।

नस्लों का संसार- कैरीप्रिया से कैरी रेनब्रो तक की कहानी

सीएआरआई ने मुर्गियों की ऐसी प्रजातियां विकसित की हैं जो किसी करिश्मे से कम नहीं हैं। यहां की ब्रीडिंग लैब में वैज्ञानिकों ने अपनी बरसों की मेहनत से मुर्गियों की ऐसी सुपर नस्लें तैयार की हैं। जो आज देशभर के पोल्ट्री व्यवसाय के लिए एक मिसाल बन गई हैं।

सुनहरे भविष्य की सोनाली और प्रिया

संस्थान की कैरी सोनाली ने 1997 में जब दस्तक दी, तो भूरे रंग के अंडों की मांग पूरी तरह बदल गई। साल भर में 280 अंडे देने की इसकी क्षमता ने किसानों की झोली खुशियों से भर दी। वहीं, कैरीप्रिया ने अपनी अनुकूलन क्षमता से साबित कर दिया कि चाहे गांव की कच्ची मुंडेर हो या शहर का आधुनिक फार्म, वह हर जगह फिट है। मांस उत्पादन के क्षेत्र में कैरी समृद्धि किसी वरदान से कम नहीं है। जहां साधारण मुर्गियों को बढ़ने में वक्त लगता है, वहीं समृद्धि का वजन इतनी तेजी से बढ़ता है कि किसान कम समय में ही मुनाफे का स्वाद चख लेते हैं। संस्थान यहीं नहीं रुका। वैज्ञानिकों ने "300 प्लस क्लब" वाली ऐसी नस्लें तैयार की, जो साल में 300 से ज्यादा अंडे देकर भारत में अंडा क्रांति का नेतृत्व कर रही हैं। संस्थान के बाड़ों में सिर्फ उत्पादकता ही नहीं, बल्कि भारत की नस्लीय विरासत भी सुरक्षित है। यहां काले मांस वाला औषधीय कड़कनाथ अपनी धमक दिखाता है, तो लड़ाकू और साहसी असील (पीला और करगार) अपनी मजबूती का लोहा मनवाते हैं। इनके साथ ही कैरी विराट, ब्लैक, चित्तला, सैनहरी, स्वेता, उत्तम और कैरीपर्ल कदाबरी जैसी प्रजातियां पोल्ट्री की दुनिया में विविधता के नए रंग भर रही हैं। गोनयजा फ्लो जैसी नस्लों के साथ सीएआरआई आज न केवल बरेली का गौरव बढ़ा रहा है, बल्कि छोटे किसानों के सपनों को पंख भी दे रहा है। वाकई, ये नस्लें वैज्ञानिकों के ज्ञान और किसानों के परिश्रम के मेल से निकला एक आधुनिक करिश्मा हैं।

ग्रीन एग्स और शाकाहारी अंडे- सेहत का नया पैमाना

आज के दौर में लोग यह जानना चाहते हैं कि वे जो खा रहे हैं, वह कहां से आ रहा है। सीएआरआई एंटीबायोटिक-फ्री उत्पादन पर जोर दे रहा है।

- **ग्रीन एग्स:** ये ऐसे अंडे हैं जिनमें कीटनाशकों या हानिकारक रसायनों का कोई अंश नहीं होता।
- **शाकाहारी अंडे:** यह सुनकर अजीब लग सकता है, लेकिन इसका अर्थ वैज्ञानिक है। जब मुर्गियों को मछली या किसी अन्य पशु-प्रोटीन के बजाय पूरी तरह से प्लांट-बेस्ड (पौधों पर आधारित) आहार दिया जाता है, तो उसे शाकाहारी अंडा कहा जाता है। यह शुद्धता चाहने वाले उपभोक्ताओं के लिए एक बड़ा बाजार तैयार कर रहा है।

उद्यमिता की नर्सरी- हजारों को मिला रोजगार

सीएआरआई केवल शोध तक सीमित नहीं है, यह एक ट्रेनिंग हब है। यहां साल में तीन बार लघु औद्योगिक प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षण और परामर्श में संस्थान किसानों को चूजे पालने से लेकर, बीमारियों से बचाव के टीके और दवाओं तक की जानकारी देता है। इसके साथ ही मेले और जागरूकता के लिए समय-समय पर आयोजित होने वाले मेलों के जरिए संस्थान तकनीक को जमीन तक पहुंचाता है। संस्थान एजुकेशन में यहां पोल्ट्री साइंस में मास्टर डिग्री और डिप्लोमा कोर्स भी कराए जाते हैं, जिससे देश को विशेषज्ञ वैज्ञानिक मिल रहे हैं।

नमकीन अंडा- विज्ञान और स्वाद का अनोखा संगम

सीएआरआई के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी तकनीक विकसित की है जिससे अंडे के भीतर नमक का संतुलन बनाया जाता है। इसे नमकीन अंडा कहा जाता है। इसकी शेल्फ-लाइफ सामान्य अंडों से कहीं अधिक होती है। इसे उबालकर तुरंत खाया जा सकता है, अतिरिक्त नमक की जरूरत नहीं होती। यह प्रोसेस्ड फूड इंडस्ट्री और सेना के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रहा है।

जलवायु परिवर्तन और भविष्य की चुनौतियां

बढ़ता तापमान पोल्ट्री सेक्टर के लिए सबसे बड़ा खतरा है। सीएआरआई ऐसी क्लाइमेट-रेजिलिएंट (जलवायु अनुकूल) नस्लों पर काम कर रहा है जो 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक के तापमान को भी सहन कर सकें। संस्थान का लक्ष्य ऐसी मुर्गियां तैयार करना है जो कम पानी और कम संसाधनों में भी भरपूर उत्पादन दे सकें, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

विज्ञान से समृद्धि की उड़ान

केंद्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान आज बरेली की पहचान को वैश्विक स्तर पर चमका रहा है। यहां हो रहे शोध केवल लैब की फाइलों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे देश के करोड़ों लोगों के पोषण और लाखों किसानों की आर्थिक उन्नति का आधार बन रहे हैं। चाहे वह नमकीन अंडा हो या सिर्फ मादा चूजे का शोध, सीएआरआई ने यह साबित कर दिया है कि भारत में पोल्ट्री का भविष्य सुरक्षित और वैज्ञानिक हाथों में है। सीएआरआई, इज्जतनगर न केवल एक संस्थान है, बल्कि यह आत्मनिर्भर भारत का एक जीता-जागता उदाहरण है, जहां विज्ञान परंपरा के साथ मिलकर समृद्धि का रास्ता तैयार कर रहा है।

विरासत का सफर- 1939 की एक इकाई से 1979 का महासंस्थान

सीएआरआई की नींव वास्तव में 11 मार्च 1939 को रखी गई थी। जब भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के भीतर पोल्ट्री रिसर्च नामक एक छोटी सी इकाई खोली गई। उस समय किसी ने नहीं सोचा था कि यह छोटा सा विभाग एक दिन पूरे महाद्वीप का मार्गदर्शक बनेगा। 1970 के दशक तक आते-आते, इस विभाग की प्रतिष्ठा इतनी बढ़ गई कि यूनाइटेड नेशन डेवलपमेंट प्रोग्राम (यूएनडीपी) ने यहां सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन पोल्ट्री साइंस की स्थापना में सहयोग किया। 1971 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने देश में संगठित कुक्कुट अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एक समन्वित शोध परियोजना शुरू की थी। इसी पहल ने आगे चलकर एक समर्पित राष्ट्रीय संस्थान की जरूरत को मजबूत किया। अंतत 2 नवंबर 1979 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने इसे एक स्वतंत्र पूर्ण संस्थान का दर्जा दिया। आज यह संस्थान न केवल शोध करता है, बल्कि एवियन आनुवंशिकी (एवियन जेनेटिक्स), ब्रीडिंग और पोषण के क्षेत्र में वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है।

सीएआरआई का लक्ष्य उन्नत शोध के माध्यम से पोल्ट्री क्षेत्र को ग्रामीण स्वावलंबन का आधार बनाना है। हम "सिर्फ मादा चूजे" और "क्लाइमेट-रेजिलिएंट" नस्लों जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, ताकि किसानों की लागत घटे और उपभोक्ताओं को सुरक्षित व उच्च गुणवत्ता वाला पोषण मिल सके।

– डॉ. जगबीर सिंह त्यागी
कार्यवाहक निदेशक, केंद्रीय पक्षी अनुसंधान बरेली

बटेर और गिनी फाउल- ग्रामीण आय का नया विकल्प

मुर्गियों से इतर, सीएआरआई ने बटेर और गिनी फाउल के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किया है। बटेर की चार नई किस्में तेजी से बढ़ने वाली, अधिक अंडा देने वाली और कम लागत वाली आज स्टार्टअप्स की पहली पसंद हैं। इसमें गिनी फाउल जिसे ग्रामीण क्षेत्रों में चकोर के नाम से जाना जाता है, अपनी कठोर रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए प्रसिद्ध है। सीएआरआई के शोध ने इसे लो-रिस्क, हाई-रिटर्न बिजनेस मॉडल में बदल दिया है। यह पक्षी न केवल प्रोटीन का बढ़िया स्रोत है, बल्कि इसकी देखभाल में खर्चा न के बराबर है।

फोटो-हरदीप सिंह टोनी

मीठा कम करें जीवन में सेहत भरें

चीनी हमारे भोजन का ऐसा हिस्सा है। बिना सोचे-समझे हम दिनभर में कई बार इसका सेवन कर लेते हैं। सुबह की चाय से लेकर बिस्कुट, मिठाई, कोल्ड ड्रिंक, केक, पैकेट जूस, आइसक्रीम और फास्ट फूड तक हर जगह चीनी छिपी हुई मिलती है। मीठा स्वाद भले ही मन को अच्छा लगे, लेकिन अत्यधिक चीनी का सेवन शरीर के लिए धीरे-धीरे नुकसानदायक सिद्ध होता है। इसलिए आज 'चीनी बंद' या 'चीनी कम' करने की चर्चा तेजी से बढ़ रही है। चीनी बंद करने का अर्थ यह नहीं कि जीवन से मिठास खत्म कर दी जाए, बल्कि इसका मतलब है अनावश्यक और अतिरिक्त चीनी से दूरी बनाना, ताकि शरीर स्वस्थ और ऊर्जावान बना रहे। चीनी बंद करने से शरीर में इंसुलिन का स्तर भी संतुलित रहने लगता है। जब हम बार-बार मीठा खाते हैं, तो रक्त में शुगर बढ़ती है और शरीर को उसे नियंत्रित करने के लिए अधिक इंसुलिन बनाना पड़ता है। लंबे समय तक ऐसा होने पर शरीर में फैट जमा होने लगता है, विशेषकर पेट के आसपास। चीनी कम करने से यह प्रक्रिया धीमी पड़ती है और पेट की चर्बी कम करने में सहायता मिल सकती है।

विशेष रूप से रिफाइंड चीनी शरीर में तेजी से कैलोरी बढ़ाती है, लेकिन इसके बदले शरीर को कोई विशेष पोषण नहीं मिलता। यही अतिरिक्त कैलोरी धीरे-धीरे शरीर में चर्बी के रूप में जमा होने लगती है, जिससे वजन बढ़ता है और पेट बाहर निकलने लगता है।

चीनी क्या है और क्यों है नुकसानदेह

सामान्य सफेद चीनी (Refined Sugar) गन्ने से बनाई जाती है, लेकिन इसे कई प्रक्रियाओं से गुजारकर तैयार किया जाता है। इस प्रक्रिया में इसमें मौजूद प्राकृतिक पोषक तत्व लगभग समाप्त हो जाते हैं और केवल मीठा स्वाद देने वाला पदार्थ बचता है।

जब हम ज्यादा चीनी खाते हैं, तो शरीर में ग्लूकोज तेजी से बढ़ता है। इससे इंसुलिन हार्मोन पर दबाव पड़ता है। लंबे समय तक ऐसा होने पर मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग, फैटी लिवर, त्वचा संबंधी समस्याएं और कमजोरी जैसी दिक्कतें सामने आ सकती हैं।

कैसे लगती है चीनी की लत

चीनी खाने से मस्तिष्क में डोपामिन नामक रसायन निकलता है, जो खुशी का अनुभव देता है। यही कारण है कि मीठा खाने की आदत बार-बार बनने लगती है। तनाव, उदासी, थकान या बोरियत में लोग अक्सर मीठा खाना पसंद करते हैं। धीरे-धीरे यह आदत लत में बदल सकती है।

चीनी बंद करने के लाभ

यदि कोई व्यक्ति अतिरिक्त चीनी बंद कर दे या बहुत कम कर दे, तो कुछ ही दिनों में शरीर में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देने लगते हैं।

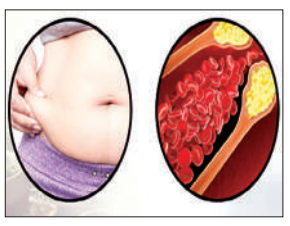

- **वजन नियंत्रण में मदद-** चीनी में कैलोरी अधिक होती है, लेकिन पोषण कम। इसे कम करने से वजन घटाने में सहायता मिलती है।
- **ऊर्जा में सुधार-** शुरुआत में मीठा खाने से ऊर्जा मिलती है, लेकिन बाद में थकान महसूस होती है। चीनी कम करने से ऊर्जा स्थिर रहती है।
- **त्वचा में निखार-** अत्यधिक चीनी त्वचा पर पिंपल्स, झुर्रियां और सूजन बढ़ा सकती है। कम चीनी लेने से त्वचा बेहतर दिख सकती है।
- **मधुमेह का खतरा कम-** जो लोग परिवार में डायबिटीज का इतिहास रखते हैं, उनके लिए चीनी कम करना लाभकारी है।
- **हृदय स्वास्थ्य बेहतर-** अधिक चीनी ट्राइग्लिसराइड्स बढ़ा सकती है, जिससे हृदय रोग का खतरा बढ़ता है।
- **दांतों की सुरक्षा-** चीनी बैक्टीरिया को बढ़ावा देती है, जिससे कैविटी और दांतों की सड़न होती है।

चीनी बंद करने पर शुरुआत में क्या महसूस हो सकता है?

जब कोई व्यक्ति अचानक चीनी बंद करता है, तो कुछ दिनों तक सिरदर्द, चिड़चिड़ापन, मीठा खाने की तीव्र इच्छा, कमजोरी या मूड में बदलाव महसूस हो सकता है। यह शरीर की पुरानी आदत टूटने के कारण होता है। धीरे-धीरे शरीर नई दिनचर्या में ढल जाता है।

- **कैसे बंद करें चीनी- अचानक नहीं, धीरे-धीरे शुरुआत करें**
- यदि आप दिन में तीन बार मीठी चाय पीते हैं, तो पहले दो बार करें, फिर एक बार।
- **पैकेट फूड पढ़ें-** कई उत्पादों में hidden sugar होती है जैसे sauce, bread, cereal, cold drinks।
- **प्राकृतिक मिठास अपनाएं-** फल, खजूर, किशमिश, मुनक्का,अंजीर, शहद बेहतर विकल्प हो सकते हैं।
- **पानी ज्यादा पिएं-** कई बार मीठा खाने की इच्छा प्यास या थकान के कारण भी होती है।
- **प्रोटीन और फाइबर लें-** अंकुरित अनाज, दालें, फल, सब्जियां, मेवे ये पेट भरा रखते हैं और क्रेविंग्स कम करते हैं।
- **तनाव में कमी-** तनाव में लोग मीठा ज्यादा खाते हैं। योग, ध्यान, टहलना और अच्छी नींद मददगार हैं।

आयुर्वेद में चीनी का दृष्टिकोण

आयुर्वेद के अनुसार मधुर रस शरीर के लिए आवश्यक है, लेकिन हर चीज संतुलित मात्रा में होनी चाहिए। अत्यधिक मधुर रस कफ बढ़ा सकता है, मोटापा ला सकता है और अग्नि (पाचन शक्ति) को मंद कर सकता है।

प्राकृतिक मधुर पदार्थ जैसे फल, दूध, खजूर, मुनक्का, अंजीर आदि अधिक हितकारी माने गए हैं। रिफाइंड चीनी का अत्यधिक सेवन शरीर में विकार उत्पन्न कर सकता है।

क्या लें चीनी की जगह

- ताजे फल
- नारियल पानी
- गुड़ (सीमित मात्रा में)
- शहद (गरम चीजों में न मिलाएं)
- खजूर
- किशमिश
- दालचीनी युक्त पेय
- बिना चीनी की हर्बल चाय

जब चीनी की जगह फल, सलाद, दालें, अंकुरित अनाज, सूखे मेवे और पौष्टिक आहार लिया जाता है, तो पेट लंबे समय तक भरा रहता है और अनावश्यक खाने की इच्छा कम होती है।

क्यों जरूरी बच्चों में चीनी कम करना

आजकल बच्चों में चॉकलेट, कैंडी, कोल्ड ड्रिंक और पैकेट स्नैक्स का सेवन बढ़ गया है। इससे मोटापा, दांत खराब होना, चिड़चिड़ापन और ध्यान की कमी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बच्चों को घर का पौष्टिक भोजन और फलों की आदत डालना जरूरी है।

क्या पूरी तरह चीनी बंद करना जरूरी है

हर व्यक्ति की जरूरत अलग होती है। यदि कोई स्वस्थ है और सीमित मात्रा में चीनी लेता है, तो पूरी तरह बंद करना जरूरी नहीं, लेकिन जिन लोगों को मोटापा, डायबिटीज, फैटी लिवर या हार्मोनल समस्याएं हैं, उन्हें अतिरिक्त चीनी बहुत कम करनी चाहिए। मुख्य बात है- संतुलन और जागरूकता। नियमित व्यायाम, योग, प्राणायाम और दिनचर्या सुधार भी आवश्यक हैं।

सामाजिक जीवन और चीनी

त्योहारों, पार्टियों और खुशियों में मिठाई का स्थान है। इसका अर्थ यह नहीं कि सबकुछ छोड़ दिया जाए। कभी-कभार सीमित मात्रा में मिठाई लेना ठीक है, लेकिन रोजमर्रा की आदत बनाना नुकसानदायक हो सकता है। यदि चीनी बंद करने के साथ नियमित पैदल चलना, योगासन, पर्याप्त नींद और तनाव नियंत्रण भी जोड़ा जाए, तो वजन कम करने के परिणाम अधिक अच्छे मिल सकते हैं। मोटापा घटाने के लिए केवल डाइट नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवनशैली का सुधार आवश्यक है।

इस प्रकार, चीनी बंद करना मोटापा कम करने की दिशा में एक सरल, प्रभावी और महत्वपूर्ण कदम है। यह न केवल वजन नियंत्रित करने में मदद करता है, बल्कि शरीर को ऊर्जावान, हल्का और स्वस्थ बनाए रखने में भी सहायक सिद्ध होता है।

स्वास्थ्य जागरूकता के लिए चिकित्सा संस्थानों और अस्पतालों की भूमिका महत्वपूर्ण है। रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय जैसे संस्थान लोगों को संतुलित आहार, जीवनशैली सुधार, मधुमेह नियंत्रण, मोटापा प्रबंधन और आयुर्वेदिक परामर्श के माध्यम से स्वस्थ जीवन की दिशा दिखाते हैं।

आयुर्वेद में मोटापे को स्थौल्य/मेदोरोग कहा गया है, जिसके लिए आहार-विहार, औषधि, पंचकर्म, उद्वर्तन, योग और दिनचर्या सुधार को महत्व दिया गया है। संस्थान इन प्राचीन सिद्धांतों को आधुनिक जीवनशैली के साथ जोड़कर रोगियों को सुरक्षित और प्रभावी समाधान दे सकते हैं।

इस प्रकार, चिकित्सा संस्थान केवल उपचार केंद्र नहीं, बल्कि समाज को स्वस्थ जीवन की दिशा देने वाले मार्गदर्शक भी हैं। सही जानकारी, समय पर परामर्श और जीवनशैली सुधार के माध्यम से संस्थान मोटापा नियंत्रण अभियान में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। संस्थान द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर, जागरूकता अभियान, नि:शुल्क परामर्श कार्यक्रम, योग सत्र तथा आहार संबंधी मार्गदर्शन आयोजित किए जा सकते हैं।

संस्थान इस दिशा में प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। यहां विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मोटापा, मधुमेह, थायरॉइड, पाचन विकार तथा जीवनशैली जनित रोगों के लिए परामर्श दिया जा सकता है। लोगों को चीनी कम करने, संतुलित भोजन अपनाने, प्राकृतिक आहार लेने और स्वस्थ आदतें विकसित करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

चीनी बंद करना केवल एक डाइट ट्रेंड नहीं, बल्कि स्वास्थ्य की ओर बढ़ाया गया एक समझदारी भरा कदम है। जब हम अतिरिक्त चीनी कम करते हैं, तो शरीर हल्का महसूस करता है, ऊर्जा बढ़ती है और कई बीमारियों का खतरा कम होता है।

रोहिलखण्ड आयुर्वेदिक कॉलेज एवं चिकित्सालय सेक्टर -7, डोहरा रोड बरेली 8077808309

गर्मियों में प्राकृतिक तरीके से रखें हाइड्रेशन

गर्मियों के मौसम में पसीने के कारण शरीर से आवश्यक मिनरल्स और पानी तेजी से निकल जाते हैं, जिससे शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। ऐसे में केवल पानी पीना ही काफी नहीं होता, बल्कि पानी से भरपूर फल, नारियल पानी और नींबू पानी जैसे प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन भी जरूरी है। आजकल कई लोग प्यास बुझाने के लिए कार्बोनेटेड ड्रिंक्स का सहारा लेते हैं, जिनमें केमिकल और आर्टिफिशियल फ्लेवर होते हैं। इनका लगातार सेवन शुगर, पेट और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकता है। इसके बजाय गर्मियों में प्राकृतिक और हेल्दी ड्रिंक्स को अपनाना अधिक लाभकारी होता है।

शहनाज हुसैन
सौंदर्य विशेषज्ञ

पानी

- जब आपको प्यास लगती है, तब तक शरीर में पानी की कमी शुरू हो चुकी होती है। डिहाइड्रेशन की स्थिति में व्यक्ति को थकान, सुस्ती और चिड़चिड़ापन महसूस होती है।
- एक दिन में पानी की मात्रा व्यक्ति की ऊंचाई, वजन, उम्र और सक्रियता पर निर्भर करती है, लेकिन सामान्यतः 8-10 गिलास पानी पीना उचित माना जाता है। गर्भवती महिलाओं को लगभग 10 गिलास और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को 12 गिलास पानी पीना चाहिए।
- हर दो घंटे में एक गिलास पानी पीने की आदत डालें। साधारण पानी में खीरा, नींबू और पुदीना मिलाकर इसे स्वादिष्ट और पौष्टिक बनाया जा सकता है।
- खीरे में लगभग 95 प्रतिशत पानी होता है और इसमें विटामिन C व K पाए जाते हैं, जो त्वचा और शरीर दोनों के लिए लाभकारी हैं।

पानी वाले फल

गर्मियों में तरबूज, खरबूजा, स्ट्रॉबेरी और आड़ू जैसे फल शरीर को हाइड्रेट रखने में बेहद सहायक होते हैं।

- तरबूज- 92 प्रतिशत पानी
- स्ट्रॉबेरी-91 प्रतिशत पानी
- खरबूजा- 90 प्रतिशत पानी
- आड़ू- 89 प्रतिशत पानी

इन फलों में प्राकृतिक शुगर, फाइबर, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देते हैं और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं।

आप इन्हें फ्रूट सलाद, स्मूदी या स्नैक्स के रूप में अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं। कोशिश करें कि दिन में कम से कम दो बार पानी वाले फलों का सेवन करें।

नारियल पानी

- नारियल पानी एक प्राकृतिक और बेहद स्वास्थ्यवर्धक पेय है। इसमें लगभग 94 प्रतिशत पानी होता है और यह शरीर को आवश्यक इलेक्ट्रोलाइट्स प्रदान करता है।
- यह शरीर को ठंडक देता है, पाचन सुधारता है और थकान दूर करता है। आयुर्वेद के अनुसार, सुबह खाली पेट नारियल पानी पीना अधिक लाभकारी माना जाता है।
- इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन C त्वचा को अंदर से निखारने में भी मदद करते हैं।

छाछ

- गर्मियों में छाछ पीना बहुत फायदेमंद होता है। यह शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ पाचन तंत्र को भी मजबूत बनाती है।
- छाछ में प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन B-12 होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देते हैं और थकान कम करते हैं। इसमें मौजूद प्रोबायोटिक्स गैस, एसिडिटी और ब्लोटिंग (पेट फूलना) से राहत दिलाते हैं।
- दोपहर के भोजन के साथ छाछ पीना सबसे अधिक लाभकारी माना जाता है। स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें पुदीना, काला नमक या जीरा मिलाया जा सकता है।

आइस्ड हर्बल चाय

- गर्मियों में बार-बार गर्म चाय पीने के बजाय हर्बल आइस्ड टी एक बेहतर विकल्प है।
- मिंट, ग्रीन टी, तुलसी, दालचीनी, मुलेठी और हिबिस्कस जैसी हर्बल चाय एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती हैं। ये शरीर को हाइड्रेट करने के साथ-साथ तनाव कम करने और पाचन सुधारने में मदद करती हैं।
- इसे और हेल्दी बनाने के लिए शहद या कम मात्रा में चीनी का उपयोग करें।

गर्मियों में स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है कि हम प्राकृतिक पेय और खाद्य पदार्थों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। सही हाइड्रेशन न केवल शरीर को ऊर्जावान बनाए रखता है, बल्कि त्वचा और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहद लाभकारी है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
इस सप्ताह आप पाएंगे कि परिस्थितियों में बड़ा बदलाव आ रहा है। सप्ताह की शुरुआत बड़े खर्चों से होगी। इस दौरान अचानक से कुछ चीजों पर अपनी जेब से ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है। आय के मुकाबले खर्च की अधिकता रहने के कारण आपका बजट गड़बड़ा सकता है।

वृष
इस सप्ताह नियम-कानून की अवहेलना करने से बचना चाहिए अन्यथा आर्थिक कष्ट के साथ अपमान भी झेलना पड़ सकता है। सप्ताह की शुरुआत में कामकाज के सिलसिले में अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। व्यर्थ की यात्रा एवं भागदौड़ के कारण मन खिन्न रहेगा।

मिथुन
इस सप्ताह आपका अधिकांश समय स्वजनों के साथ हंसी-खुशी मौज-मस्ती करते हुए बीतेगा। लंबे समय बाद किसी आत्मीय व्यक्ति से मेल-मुलाकात हो सकती है। इस दौरान अचानक से किसी इष्ट-मित्रों अथवा परिवार के सदस्यों के साथ पिकनिक पर्यटन का प्रोग्राम बन सकता है।

कर्क
इस सप्ताह अपनी पूरी उर्जा और उत्साह के साथ अपने कार्यों को अंजाम देते हुए नजर आएंगे। खास बात ये कि आपके द्वारा कार्य विशेष के लिए की गई मेहनत और प्रयास का सकारात्मक फल भी मिलेगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों की कारोबारी दिक्कतें दूर होंगी। दैनिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह
यह सप्ताह सफलता के नए द्वार खोलने वाला साबित होगा। यदि आप लंबे समय से किसी कार्य विशेष के सफल होने का इंतजार कर रहे थे, तो इस सप्ताह किसी प्रभावी व्यक्ति की मदद से उससे जुड़ी बाधाएं दूर होंगी और वह मनमुताबिक तरीके से संपन्न हो जाएगा। दैनिक आय में वृद्धि होने से आपकी धन से जुड़ी चिंता काफी हद तक दूर हो जाएगी।

कन्या
इस सप्ताह सोचे हुए कार्यों को करते समय अनचाही समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। सप्ताह की शुरुआत में आपको छोटी-छोटी चीजों के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास करना पड़ेगा। इस दौरान आपको अपनी ऊर्जा, समय और धन का विशेष रूप से प्रबंधन करके चलना उचित रहेगा।

तुला
यह सप्ताह थोड़ा उठापटक लिए रहने वाला है। जीवन से जुड़े तमाम क्षेत्रों में दिक्कतों के बावजूद अंततः चीजें आपके पक्ष में बन जाएंगी। नौकरीपेशा लोगों पर कामकाज का अतिरिक्त दबाव बना रहेगा। सप्ताह के पूर्वार्ध में किसी दूसरे की गलती का खामियाजा आपको भुगतना पड़ सकता है।

वृश्चिक
यह सप्ताह मिश्रित फलदायी रहने वाला है। इस पूरे सप्ताह आपको कोई भी बड़ा फैसला असमंजस की स्थिति में लेने से बचना चाहिए अन्यथा बड़ा आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ एवं कनिष्ठ दोनों को ही मिलाकर चलना उचित रहेगा।

धनु
इस सप्ताह कुछ चीजों को पाने के लिए कुछ चीजों से समझौता करना पड़ सकता है। इस सप्ताह यदि आपका कोई मामला कोर्ट-कचहरी में चल रहा है और उसे बातचीत के जरिए हल निकलने का अवसर मिले तो उसे हाथ से बिल्कुल भी न जानें दे। नौकरीपेशा लोगों को इस सप्ताह अपनी भावनाओं के अनुरूप कार्य करने में थोड़ी परेशानी हो सकती है।

मकर
यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम लिए रहने वाला है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं, तो आपको बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। इस सप्ताह आपको कई बार ऐसा लगेगा कि आपका आर्थिक लाभ उतनी तेजी से नहीं बढ़ रहा है, जितनी तेजी से आपका धन खर्च हो रहा है।

कुंभ
यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। इस सप्ताह आपके सभी सोचे हुए कार्य समय पर मनचाहे तरीके से पूरे होते हुए नजर आएंगे। सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर-कारोबार से जुड़ी बहुप्रतीक्षित सूचना प्राप्त होगी। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं, तो आपका कारोबार तेज गति से आगे बढ़ेगा और उसमें आपको मनचाहा लाभ होगा।

मीन
इस सप्ताह कामकाज में थोड़ी बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। सप्ताह की शुरुआत में सोचे हुए कार्यों में अड़चनें आने से आपका मन खिन्न रहेगा। इस दौरान आपको स्वजनों से अपेक्षित सुख और सहयोग में कमी देखने को मिलेगी। आपको कामकाज के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 56

	7	22			16	11	
6				11 29			11
12			13 16				
26		9			17 4		
	14	17 13				23	6
7			13 6			6	
21					9		
	14				12		

काकुरो 55 का हल

		28	17			
	16 7	7	9	16	28	
	30 12	6	8	9	7	
4	1	3	12	7	5	7
13	9	4		3	2	1
3	2	1	10	8	6	2
	11 2	2	9	5 3	1	4
	11 5	5	1	2	3	
			5	1	4	

शब्द संसार

कहानी

हुस्न का सप्लायर

अट्ठारह बरस की माया का यौवन निखर रहा था। घर में इन दिनों एक ही चर्चा थी-माया का विवाह। पिता, चाचा, ताऊ जब भी इकट्ठे बैठते, बात घूम फिरकर उसी पर आ जाती। सबकी निगाह में एक ही लड़का था-नरेश। वह बीए पास, बीस बीघे खेत, पक्का मकान, सादा स्वभाव। माया जब उसके बारे में सोचती, तो उसे लगता था जैसे कोई शांत नदी है, जिसमें लहरें नहीं उठतीं।

कोरोना की दूसरी लहर आई तो नरेश उसकी चपेट में आ गया। उसकी मां तीर्थयात्रा पर गई हुई थी। पिता बचपन में ही गुजर चुके थे। उसने मामा और चाचा को फोन किया। उन्होंने हिदायतें दी- "काढ़ा लेना, स्टीम लेना और दर्द की दवाई लेना", फिर फोन रख दिया। उसने दोस्तों को दवा दे जाने के लिए फोन किया, किसी ने बहाना कर दिया, किसी ने साफ मना कर दिया। उसकी हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी। उस दिन शाम को दरवाजे की घंटी बजी। नरेश ने सोचा-शायद चाचा या मामा आ गए। वह दरवाजे पर पहुंचा। दरवाजा खोला तो सामने माया खड़ी थी अपने पिता के साथ। उसके हाथ में एक थैला था, जिसमें खाना और दवाईयां थीं और चेहरे पर चिंता थी।

"अंदर चलो," उसने बस इतना कहा। उस दिन से कई दिन तक वह आती रही। खाना लाती, दवाई देती, ऑक्सीजन का इंतजाम करती थी। गांव के लोग तरह-तरह की बातें बनाते थे, लेकिन वह किसी की परवाह नहीं करती थी। कुछ दिन बाद नरेश की मां तीर्थकर वापस लौट आई। जब उसने पूरा वृतांत सुना तो बोली- "बेटा, मुझे उस लड़की से मिलवा दे, मैं उसे अपनी बहू बनाना चाहती हूं।" उस दिन के बाद जब भी नरेश माया के घर जाता था, उसकी आंखों में एक संकोची-सा प्रेम तैरने लगता। एक दिन उसने कह ही दिया- "माया, तुम मुझे अच्छी लगती हो। क्या तुम मुझसे शादी करोगी?

माया ने उसकी ओर देखा फिर धीरे से नजरें हटा ली। उसे लगता था-नरेश से शादी का मतलब है, इसी गांव में रह जाना, खेत खलिहान, वही लोग, वही जिंदगी। इसी बीच उसकी नौकरी दिल्ली में लग गई। दादी ने समझाया- "मुर्गी का चूजा अंडे के खोल से निकलता है, मां से हटते ही बाज झपट ले जाता है। लड़की जात को बहुत संभलकर रहना पड़ता है।"

माया हंस दी। उसे यह बातें पुराने जमाने की डरपोक सोच लगी। दिल्ली ने उसे चकित कर दिया- हाई बिल्डिंग, चौड़ी सड़के और शॉपिंग मॉल। उसे लगा, जैसे वह सचमुच किसी और दुनिया में है। कैलाशपुरी के एक छोटे से किराए के कमरे में रहते हुए भी उसे लगता- वह अब गांव वाली माया नहीं रही। ऑफिस में वह टूटी-फूटी अंग्रेजी बोलती, पर बोलती जरूर थी। उसे लगता कि अंग्रेजी बोलने लगते ही जिंदगी बदल जाती है। हर अंग्रेजी शब्द उसे गांव से दूर और शहर के करीब ले जा रहा है, लेकिन शहर ने जल्दी ही उसे उसका सच दिखा दिया-भीड़ में आदमी सबसे ज्यादा अकेला होता है।

वाजिद हुसैन सिद्दीक़ी
कहानीकार

अकेलेपन से बचने के लिए उसने एक डेटिंग एप डाउनलोड कर लिया। वही उसकी मुलाकात वैभव से हुई। वैभव की बातें अलग थी। वह शायरी करता था, दर्द की बातें करता था और ऐसे बोलता था जैसे दुनिया ने उसके साथ बहुत बुरा किया हो। एक दिन उसका मैसेज आया- "मैं डेटिंग प्लेटफार्म के रेस्तरां की सबसे पिछली टेबल पर तुम्हारा इंतजार करूंगा।" माया गई। वैभव ने कहा- "तुम्हें देखकर ऐसा लगा जैसे कोई ख्वाब सामने आ गया हो। तुम्हारे लिए क्या मंगवाऊं-सॉफ्ट ड्रिंक या मॉकटेल?" "जी, सॉफ्ट ड्रिंक।" माया ने असहज महसूस होते हुए कहा- "लाइट्स यहां पर काफी मद्धिम है?"

"जी, ठीक कह रही हैं आप- शायद रैस्तरां वाले यही चाहते हैं कि यहां पर मिलने वाले एक दूसरे को चकाचौंध कर देने वाले कृत्रिम उजाले में न पहचाने। परख करें तो टटोल-टटोलकर, ठीक वैसे ही जैसे हम मद्धिम अंधेरे में एक खो गई जरूरी चीज को कई-कई बार ढूंढते हैं।" "लेकिन हम अंधेरे की परतें उधेड़ने नहीं, सुकून की एक शाम गुजारने को मिल रहे हैं।" माया ने मुस्कुराते हुए कहा। वैभव ने शायराना अंदाज में कहा- "यहां हर चीज बिकती है, काश! सुकूं-ए-दिल भी कहीं मिल जाता।" बातों-बातों में माया ने धीरे से कहा- "आपके प्रोफाइल में लिखा हुआ था- "सप्लायर"। आप क्या सप्लाई करते हैं?" "जी, मैंने जिंदगी की शुरुआत एक सप्लायर की तरह की थी। आज भी मैं वही चीज सप्लाई करता हूं, जो सबकी जरूरत है।" "अच्छा मज़ाक कर लेते हैं, आप।"

"न मैं अपने बारे में डींगे भरता हूं, न झूठ बोलता हूं।" वैभव ने उसे अपने टूटे हुए जीवन की कहानी इस तरह सुनाई- "घर टूट गया, छूट गया, अब बस काम है और अकेलापन।" माया को उसकी बातें गहरी लगीं। उसे लगा वह बहुत समझदार और संवेदनशील आदमी है। वह उसके दुख का हिस्सा बन गई। उसका दर्द बांटते-बांटते उसकी ओर खिंचती चली जा रही थी। न जाने उसके मन में क्या चल रहा था, वह अक्सर रविवार को उसके लिए कुछ न कुछ बनाकर ले जाती थी, छोटे से टिफिन में कभी मीठी तो कभी नमकीन। बाद में यह नजदीकी इतनी बढ़ी कि साथ में वे फिल्म देखने चले जाते। वह एक बहाना होता, वह उसे दया नम्रता सहानुभूति के कोमल तंतुओं से सहलाना चाहती थी। छह महीने में वह अपने बारे में सोचना भूल चुकी थी जब देखो... "वैभव... वैभव...।" एक रविवार को वैभव नहीं आया। उसका फोन भी बंद था। बेचैनी में माया पहली बार उसके घर पहुंच गई। दरवाजा एक औरत ने खोला। उसकी आंखों में एक अजीब सी थकान थी। "आप वैभव से मिलने आई हैं?" उसने पूछा। माया ने सिर हिला दिया। औरत कुछ छड़ चुप रही, फिर बोली- "बहन एक बार मैं भी उसके प्रेम जाल में फंसकर यहां आई थी, पर यहां से निकल नहीं सकी।"

माया चौकी- "क्या मतलब..." औरत ने बहुत शांत आवाज़ में कहा- "वह हुस्न का सप्लायर है। वह खूबसूरत लड़कियों को पटाता है, बेच देता है।" माया के अंदर जैसे सब कुछ टूट गया। "अगर बच सकती हो, तो भाग जाओ" औरत ने कहा। लेकिन अब देर हो चुकी थी। वैभव सब कुछ देख-सुन चुका था। उसे डर था-माया उसकी सच्चाई खोल देगी।

वह अचानक सामने आ गया और बिना एक शब्द कहे, उसे दूसरी मंजिल से धक्का दे दिया। जब उसे होश आया, वह अस्पताल में थी। उसकी एक टांग काटनी पड़ी थी। मां रो रही थी, पिता चुप थे। माया छत की ओर देखती रहती और सोचती रहती, जिस आजादी के लिए वह गांव छोड़कर आई थी, वह आजादी उसे कहां ले आई?

कई महीने बाद वह कृत्रिम पैर के सहारे गांव लौटी। अब वही घर, वही आंगन, वही लोग थे, पर माया बदल चुकी थी। मां की आंखों में एक ही चिंता थी-"कौन करेगा इससे शादी?" इस समय दरवाजे पर नरेश खड़ा था। उसके साथ उसकी मां भी थी। नरेश ने मां से कहा- "यह वही लड़की है, जिसे तुम अपनी बहू बनाना चाहती थीं।" माया ने नरेश की मां के पैर छुए फिर कहा- "मां मैं अपाहिज हूं।" मां ने उसे गले लगाकर कहा- "तुम मेरे बेटे को काल के गाल से खींच कर बाहर ले आई। उसका जीवन तुम्हारा ही दिया हुआ है।"

माया फूट-फूट कर रो पड़ी। इतने महीनों बाद वह पहली बार रोई थी। उसे लगा, जैसे उसके भीतर जमा सारा अहंकार, सारा भ्रम आंसुओं के साथ बह रहा हैं। कुछ दिनों बाद मंदिर में उनकी शादी हो गई। उस रात, जब सब सो गए, माया आंगन में थी। आकाश शांत था। उसे अचानक लगा-शहर ने उसे बहुत कुछ दिखाया, पर कुछ भी नहीं दिया। गांव... जिसे उसने कभी नहीं सराहा, उसने सहारा दिया। अब उसे समझ में आया-जिंदगी आजादी में नहीं, पहचान में बसती है। सच्चा प्यार वह होता है, जो टूटने के बाद भी जुड़ जाता है।

काव्य

तुम्हारी मुस्कान

तुम्हारे हंसने में किसी पुराने
मंदिर की घंटियों सा संगीत है,
जैसे
निर्जन पहाड़ों के बीच
मद्धम सुरों में गूंजती कोई
'भैरवी'।
तुम्हारी मुस्कान की सिलवटों
में
वो सुलगती धूप छिपी है,
जो सर्दियों की सुबह किसी
ठिठुरते मुसाफिर को मिलती
है।
तुमने जब से मुझे अपना कहा
है अपनी आवाज से,
मेरे भीतर का सन्नाटा
किसी सूफ़ियाना कलाम सा
महकने लगा है।
जैसे कोरे पन्नों पर
स्याही नहीं,
प्रेम की ओस गिर गई हो।
देखो,
तुम्हारी माथे की बिंदी में
मैंने शाम का डूबता सूरज
सहेज लिया है,
और
तुम्हारी आंखों के कजरारे
कोनों में
वो तमाम समंदर समेट
लिए हैं,
जिन्हें पार करने की हसरत में
मैं सदियों से भटक रहा था।
अब जो मैं खुद को देखता हूं,
तो मैं, मैं नहीं रहता...
तुम्हारी लिखी किसी कविता
का एक शब्द हो जाता हूं।
जैसे तुमने मुझे मिट्टी से नहीं,
अपने ख्यालों के चंदन से
गढ़ा हो।
सच तो ये है...
कि तुम महज कोई शख्स
नहीं, तुम तो
कायनात का वो हिस्सा हो,
जिसे पढ़ते-पढ़ते मैं
'मुकम्मल' हो गया हूं।

उमा त्रिवेदी
लेखिका

आज कल ज़रा खूबसूरत हो गई हूं मैं

आजकल जरा खूबसूरत हो
गई हूं मैं
हाथ में चूड़ी कंगन...
माथे पर बिंदी सिंदूर के
साथ-साथ...
गाड़ी का स्टेरिंग भी संभाल
लेती हूं मैं हां ...आजकल
जरा खूबसूरत हो गई हूं मैं।

मन में ले पिता सी हिम्मत...
सीने में समा मां सा दुलार
खुद को ले चली हूं अंतरिक्ष
के पार खुद को करने
राजनीति में विद्यमान खुद
को करने व्यवसाय में
विराजमान खुद के कंधों पर
ले ख़ुदी का मान
हां आजकल जरा खूबसूरत
हो गई हूं मैं।
वैसे तो मेरे घर के आईने को
समाज की तरह ही मेरे इस
रूप की आदत ना थी...
मुझ में आई इस तब्दीली
पर आईना भी शक कर
रहा है...
तो सवाल जवाब से दूर
लोग लाज से परे
खुद को निकालते समाज
की खींची सीमाओं के पास
अपने ही माथे पर एक काली
बिंदी लगा लेती हूं मैं
हां ...आजकल जरा और
खूबसूरत हो गई हूं मैं।

निवेदिता शर्मा
कवयित्री

दिल के रिश्ते

लोग भूल जाते हैं एहसान,
जब खड़ा हो जाता है
मकान।

जिनके दर पे झुके थे हम
कभी, आज वही लगते हैं
अनजान।

उन्हीं छतों से हमें
ललकारते, जिनसे लाया था
कभी सामान।

वक्त बदला तो बदले हैं
सभी, खो गई है रिश्तों की
पहचान।

कल सहारा जो बने थे राह
में, उन्हीं का करते दिखे
अपमान।

ईंट-पत्थर की हुई
ऊंचाइयां, दब गया कहीं
इंसान का मान।

दिल के रिश्ते हो गए बेजान,
अब कहां बाकी कोई
अरमान।

याद रख ऐ दिल ज़रा ये बात
भी, नेकी ही है बस सच्चा
सम्मान।

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

व्यंग्य

उड़ाओ-उड़ाओ कुछ तो उड़ाओ!

आजकल हवा में एक अजीब सी 'उड़ान' है। राजनीति से लेकर मोहल्ले की गलियों तक, हर कोई कुछ न कुछ उड़ाने में व्यस्त है। मेरा तो मानना है कि दुनिया में जीवित रहने के लिए 'उड़ाने' की कला में माहिर होना बहुत जरूरी है। अगर आप कुछ नहीं उड़ा रहे, तो समझिए आप जीवन की दौड़ में 'ग्राउंडेड' हो चुके हैं। उड़ाना ही प्रगति का लक्षण है।

एक दौर था, जब राजनीति बड़ी शालीन और 'सॉफ्ट' थी। हमारे पहले प्रधानमंत्री नेहरू जी शांति के नाम पर सफेद कबूतर उड़ाते थे। तब देश को लगता था कि उड़ाने का मतलब सिर्फ शांति संदेश भेजना है। पर भाई साहब, अब जमाना 'अपडेट' हो गया है। अब अगर आप इतने सक्षम नहीं हैं कि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर कबूतर उड़ा सकें, तो निराश न हों। अपने घर की मुंडेर पर बैठिए और कौवे ही उड़ाइए। आखिर कौवे उड़ाना भी एक पूर्णकालिक रोजगार है। कम से कम यह अहसास तो रहता है कि आपके हाथ हिलाने से किसी की उड़ान में खलल पड़ रहा है।

'उड़ाने' की यह कला हमारे मोहल्ले की रग-रग में बसी है। हमारे पड़ोस का 'पिंटू' इस कला का असली उस्ताद निकला। वह बरसों से छत पर चढ़कर पतंग उड़ाता था। हम समझते थे कि लड़का हवा का रुख पहचान रहा है, पर वह तो पड़ोस वाली छत का 'सिग्नल' नाप रहा था। एक दिन उसकी पतंग क्या कटी, पिंटू ने उस छत से लड़की ही उड़ा दी। इसे कहते हैं- 'सावधानी हटी, और कन्या उड़ी'। अब पिंटू फरार है और मोहल्ले की शांति उड़ी हुई है।

ममता सिंघल
लेखिका

आजकल के युवाओं का जुनून तो देखिए। शादी में जाएंगे तो ऐसे टूटेंगे जैसे बरसों के भूखे हों, देखते ही देखते प्लेटों से रसगुल्ले ऐसे उड़ाते हैं, जैसे कोई जादुई शो चल रहा हो। बाहर निकलते ही अपनी बाइक को हवाई जहाज समझकर उड़ाने लगते हैं। यमराज भी कन्फ्यूज हैं कि इन्हें 'ओवरस्पीडिंग' का चालान भेजें या सीधे ऊपर का टिकट। रईसी का आलम यह है कि शादियों में लोग नोट ऐसे उड़ाते हैं, जैसे रिजर्व बैंक उनके ससुर जी का हो। और पानी? पानी तो हम ऐसे उड़ाते हैं जैसे अगले जन्म में हम सब मछली बनकर ही पैदा होने वाले हों।

अभी अप्रैल का महीना चल रहा है, जिसमें अक्लमंदों की भी 'बुद्धि' उड़ जाती है। एक 'अप्रैल फूल' बोलकर किसी के भी होश उड़ाना यहां का राष्ट्रीय खेल है। रही-सही कसर होली पूरी कर देती है, जहां हम रंग और गुलाल के साथ-साथ अक्सर अपनी 'मर्यादा' भी हवा में उड़ा देते हैं। और अगर आपके पास उड़ाने के लिए नोट या गुलाल नहीं है, तो सबसे सस्ता उपाय है-अफवाह उड़ाना। एक छोटी सी अफवाह उड़ा दीजिए कि "कल से नमक मिलना बंद हो जाएगा," और फिर पूरे शहर की नींद उड़ते देखिए। उड़ाने में क्या जाता है? बस याद रखिएगा, जब आपकी उड़ाई हुई अफवाह से शहर का माहौल उड़ेगा, तो पुलिस भी 'उड़ती' हुई आएगी। फिर वह आपको ऐसे उड़ाएगी कि आपको अपनी 'लैंडिंग' का पता भी नहीं चलेगा।

दुनिया के मंच पर ट्रंप बाबू को देखिए। वे तो 'उड़ाने' के ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर हैं। वे रोजाना सुबह उठकर कुछ न कुछ उड़ा देते हैं-कभी कोई समझौता, कभी कोई ट्वीट और कभी-कभी तो अपने विरोधियों के होश। उनकी डिक्शनरी में 'शांति' का मतलब अपनी ही धुन में सब कुछ उड़ा देना है। उड़ाने के इस खेल में दलाल पथ कैसे पीछे रह सकता है?

यहां तो उड़ान का सीधा संबंध ट्रंप बाबू के एक ट्वीट या उनके 'मूड' से है। ट्रंप बाबू सोशल मीडिया पर अपनी उंगलियां घुमाते हैं और इधर सेंसेक्स रॉकेट बनकर उड़ने लगता है। खुशी में निवेशक अपनी टोपी उड़ाने लगते हैं, लेकिन अगले ही पल, जब ट्रंप बाबू का इरादा बदलता है, तो बाजार ऐसा गोता लगाता है कि शेयर नहीं, सीधे शेयर धारक ही उड़ जाते हैं। बेचारा छोटा निवेशक समझ ही नहीं पाता कि वह 'बुल' की सवारी कर रहा है या उसकी खुद की बलि (कटाक्ष) दी जा रही है। यहां 'मुनाफा' उड़े न उड़े, मिडिल क्लास की 'बचत' जरूर हवा में उड़ जाती है।

'उड़ाने' का असली मजा तो तब आता है, जब निशाना सही हो। सीमा पार बैठे कुछ आतंकी बरसों से हमारी शांति को बम से उड़ाने का ख्वाब देख रहे थे। उन्हें लगता था कि भारत सिर्फ 'कड़ी निंदा' के कागज उड़ाएगा, लेकिन जब उन्होंने पहलगाम में जरा सी हरकत की, तो हमारी सेना ने पाकिस्तान में घुसकर उनके ठिकानों की ऐसी धज्जियां उड़ाईं कि उन्हें पता ही नहीं चला कि वे जमीन पर हैं या जन्नत में! अब वहां आतंकी नहीं, बल्कि उनके आकाओं के होश उड़ रहे हैं।

जब पूरा देश उड़ाने पर आमादा हैं, तो वैज्ञानिक क्यों पीछे रहें? भारत ने तो अब चांद तक रॉकेट उड़ा दिया है। दुनिया देखती रह गई और हम तिरंगा लेकर सीधे अंतरिक्ष में उड़ गए। तो प्यारे, खाली मत बैठिए। उड़ाने की कला में निपुण बनिए। कुछ भी उड़ाइए।

समीक्षा

भाषा का समन्वय

साहित्य की अनेक विधाओं की साधनारत साहित्यकार हैं डॉ. संध्या सिलावट। इनका मूल्यवान कृति को आद्यंत पढ़ने का अवसर, अपने आप में आनंदमार्गी यात्रा का सुखद और दुर्लभ संयोग सिद्ध हुआ। देवभाषा की दुलारी दुहिता-राजभाषा की यात्रा का उत्स, विस्तृत तथ्यपरक और कालक्रमबद्ध प्रामाणिक इतिवृत्त का सांगोपांग विवरण, विद्वानों का गहन विषय विमर्ष, उनके चिंतन, मनन के मीमांसात्मक अंश तथा उपलब्ध तथ्यों की विषद-विवेचनाएं कृति में विद्यमान हैं। इस कृति में कालखंड भी पूरी प्रामाणिकता से वर्णित है, जब भिन्न-भिन्न धर्मों ने अपनी दृष्टि से, साहित्य संरचना में, राजकीय कार्यों में, पठन-पाठन में फारसी उर्दू-अंग्रेजी को भाषा-माध्यम बनाने के जतन किए, समस्त ऊहापोह के बीच, एक भारतीय-सनातन संस्कृति, वैदिक परंपरा, आर्ष ग्रंथों के वे-उपदेश जीवित और जाग्रत थे, जो बिना किसी जाति-धर्म का उल्लेख किए, केवल मानवमात्र के लिए प्रतिबद्ध थे, उनके संदेश सूत्र कल्याण और उदारता के उजाले थे। कविता की भाषा सभी धर्मों के विद्वानों के लिए ब्रजभाषा, स्वीकार्य और चिह्नित हो चुकी थी। साहित्य, संगीत, रंगमंच और आत्मीय आनंद की सभी मौलिक गतिविधियां जाति-धर्म से ऊपर, रस-निष्पत्ति को समर्पित हो चुकी थीं। फारसी उर्दू भाषा के रचनाकारों ने काव्यानंद को 'ब्रह्मानंद सहोदर' जान और मान लिया था। आज भी अनेक मुस्लिम कवियों की सुचर्चित शास्त्रीय रचनाएं साहित्य-जगत में अजर-अमर हैं, भाषा का सौष्ठव शिल्प-सौंदर्य, राग बद्ध तान-तरंग के साथ भक्ति का पावन प्रवाह परात्पर ब्रह्म के अलौकिक प्रेम को समर्पित हुआ, साहित्य के उन्नत मानदंड को स्थापित करतीं अभिव्यंजनाएं सर्वधर्म समभाव का जय घोष करती हुईं रचनाएं काव्य का घनत्व और मेदनी के महत्व का प्रतिपादन करती हैं। सभी धर्मों के उदय क्रमानुसार हिन्दी को उनके बहुमूल्य प्रदेय का यह गहन अनुष्ठान तथा कहीं कुछ छूट न जाए की शर्त पर सोदाहरण काव्यांश संग्रहण सचमुच, नैपुण्य और वैदुष्य पूर्ण सुदीर्घ और श्रम-साध्य कार्य था, जिसे आदरेया-डॉ. सिलावट ने पूरे मनोयोग और प्राणपन से आकार दिया। ग्रंथ आदरेय, उपादेय और सुष्ठु सराहनीय है, एक विशिष्ट कालखंड का संग्रहणीय प्रामाणिक दस्तावेज सिद्ध होता है।

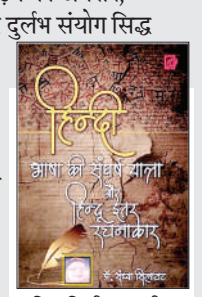

कृति - हिन्दी भाषा की संघर्ष यात्रा और हिन्दू-इतर रचनाकार
कृतिकार- डॉ. संध्या सिलावट
मूल्य-300/-
समीक्षक- पद्मश्री डॉ. अवधकिशोर जड़िया
छतरपुर

बाल कहानी

लाडला भूरा

स्कूल की छुट्टियां हो चुकी थीं। रोहन बस यही चाहता था कि कैसे वह जल्दी से जल्दी नानी के घर पहुंच जाए। वैसे तो मौसी की शादी भी थी और मम्मी इसके लिए तैयारियां कई दिनों से कर रही थीं, मगर रोहन के मन में कुछ और ही चल रहा था। पिछले वर्ष जब वह नानी के घर गया था, तो वह खेतों में घूमते-घूमते उसे कुत्ते का एक बच्चा मिला था। उसके आसपास कोई दूसरा बच्चा नहीं था और न कोई कुत्ता। वह भूखा लग रहा था। इसीलिए हल्की-हल्की कूं-कूं की आवाज कर रहा था। भूरे बालों वाला वह पिल्ला मिट्टी लगने की वजह से बदरंग लग रहा था, लेकिन रोहन उसे हाथ में उठाने से खुद को रोक नहीं पाया था।

घर पहुंचते ही मौसी ने उसे टोका, "अरे, रोहन यह पिल्ला कहां से ले आए"। "मौसी, खेतों में जा रहा था, वहीं यह मिल गया।" रोहन ने जवाब दिया। इसी बीच मम्मी भी बीच में बोल पड़ी, "तो इसे घर लाने की क्या जरूरत थी।" "मम्मी यह भूखा लग रहा था और आसपास कोई था भी नहीं, यह या तो भूख से मर जाता या कोई जानवर इसे मार देता।" रोहन ने पिल्ले की पीठ पर हाथ फिराते हुए कहा। पिल्ला भी उसके हाथों को अपनी जीभ से चटाने लगा, लग रहा था जैसे उसका धन्यवाद कर रहा हो। "आप चिंता न करो, मैं इसकी देखभाल कर लूंगा।" रोहन ने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए कहा। वह तो ठीक है, लेकिन अभी तो इसे साफ करो, देखो कैसा धूल में सना हुआ है। यह कहकर नानी ने उस पिल्ले को अपने घर में रखने की एक तरह से स्वीकृति दे दी थी। रोहन आंगन में पानी भरी बाल्टी की तरह बढ़ा, "तभी नानी ने पीछे से टोका, सुनो... इसका नाम क्या है।" पिल्ले के भूरे बालों पर हाथ फेरते हुए अनायास ही रोहन बोल उठा... "भूरा"। "चलो भूरा, नहाया जाए।" यह कहते हुए रोहन बाल्टी के पास बैठ गया। दो लोटा पानी में ही भूरा के चमकीले बाल साफ दिखने लगे।

राजीव सक्सेना
वरिष्ठ पत्रकार

भीगा हुआ भूरा पास में पड़े पांवदान पर लोट-लोट कर अपने बालों पर लगे पानी को सुखाने का प्रयास करने लगा। यह देख सभी खिलखिलाकर हंस पड़े। पूरे डेढ़ माह की छुट्टियों में रोहन के साथ भूरा हमेशा नजर आता। भूरा अब थोड़ा बड़ा होने लगा था। वह रोहन के बराबर दौड़ लगाने का प्रयास करता था। छुट्टियां खत्म हो चुकी थीं। रोहन भूरा को अपने साथ घर ले जाना चाहता था, लेकिन मम्मी ने साफ मनाकर दिया, "तुम दिन भर भूरा के साथ घूमते रहोगे, तो पढ़ाई कैसे होगी?" भारी मन से रोहन भूरा को नानी के घर छोड़कर लौटने की तैयारी करने लगा। भूरा उसके पैरों के आसपास तेजी से चक्कर लगा रहा था, मानो खुद भी साथ चलना चाहता हो। पूरा एक वर्ष बीत चुका था, नानी, मौसी, मामा सब भूरा के बारे में फोन पर उसे बताते रहते थे।

मम्मी-पापा के साथ रोहन जैसे ही नानी के घर के दरवाजे पर पहुंचा, भूरा तेजी से लपकता हुआ, उन लोगों की तरफ आया। वह काफी बड़ा हो चुका था। कुछ देर उसने सभी को सूंघा और उसके बाद रोहन के सामने इस तरह उछलने लगा जैसे उसकी गोद में आना चाहता हो। रोहन ने भी उसे लपककर गोद में उठा लिया। भूरा उसके हाथ, चेहरे को जीभ से चाटने लगा। नानी हंसते हुए बोलीं, "रोहन अब शादी भर तुम्हीं इसे संभालो, वरना यह किसी को काम नहीं करने देगा।"

रोहन भूरा के साथ ही आंगन में खेलने लगा और बाकी सभी लोग घर के अंदर चले गए। घर की सजावट चल रही थी। नानी और मौसी मम्मी को अंदर के कमरे में ले गईं और वहां उन्हें शादी में दिए जा रहे जेवर, कपड़े और बर्तन दिखाए। मम्मी मौसी को देने के लिए जो जेवर लायी थी, वह भी उन्होंने नानी को अलमारी में रखने के लिए दे दिए। अगले दिन ही शादी थी, इसलिए देर रात तक सभी जरूरी कामों को निपटाया जाता रहा। रात का करीब एक बज गया था और सभी थक कर चूर हो चुके थे। बहुत रात हो चुकी है, अब सब सो जाओ। वरना सुबह जल्दी नहीं उठ सकेंगे। नानी ने सुझाव दिया। मौसी ने उठकर लाइट बंद कर दी। दिनभर की थकान के चलते कुछ ही देर में सभी सो गए। अचानक भूरा की गुर्राहट से रोहन की आंख खुली। उसने बगल में रखे मोबाइल की स्क्रीन पर देखा, तो करीब तीन बजने वाले थे। शेरू की पीठ पर हाथ फेर कर उसने उसे सुलाने का प्रयास किया तो वह दरवाजे की तरफ लपकते हुए तेजी से भौंकने लगा। रोहन को लगा दरवाजे के दूसरी तरह कोई है, वह तेजी से चिल्लाया, कौन है वहां? रोहन के पापा और मामा भी इन आवाजों को सुनकर उठ गए थे। रोहन के पापा दरवाजा खोलने लगे तो मामा ने टोका, रुकिए जीजा जी, पहले अपनी बंदूक ले लूं। मामा के इतना कहते ही ऐसा लगा जैसे कई लोग तेजी से बाहर भागे। इतनी आवाजें सुनकर घर के बाकी लोग भी जग चुके थे। तीन चोर गली से भागते हुए नजर आए। घर की सभी लाइट जल चुकी थीं। रोहन से भूरा की गुर्राहट की आवाज से उठने की बात सबको बताई, तो सबने भूरा की पीठ को थपथपाया। भूरा की वजह से घर में चोरी होने से बच गई थी। इसके बाद कोई भी न सोया। अगले दिन घर में जो भी आया, नानी और मामा ने उन्हें भूरा की सतर्कता का किस्सा सुनाया कि कैसे उसकी वजह से चोरी होने से बच गई। ननिहाल में अब तक भूरा को इसलिए पसंद किया जाता था, क्योंकि उसे रोहन लाया था, लेकिन अब वह सभी का और ज्यादा लाडला हो गया था।

घरेलू हिंसा भारत की एक गंभीर सामाजिक समस्या है और उत्तर भारत में इसके अपेक्षाकृत अधिक मामलों की चर्चा अक्सर होती रही है। यह केवल किसी एक कारण से नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक कारकों के जटिल मिश्रण का परिणाम है। आखिर क्या कारण है कि उत्तर भारत में घरेलू हिंसा अधिक क्यों दिखाई देती है और इसके पीछे कौन-कौन से कारण जिम्मेदार हैं।

रिश्तों में बढ़तीं दरारें

डॉ. अर्चना श्रीवास्तव
चिकित्सक, लखनऊ

पितृसत्तात्मक समाज की गहरी जड़ें

उत्तर भारत के अधिकांश राज्यों में समाज की संरचना पितृसत्तात्मक है, जहां पुरुष को परिवार का मुखिया और निर्णयकर्ता माना जाता है। इस व्यवस्था में महिलाओं को अक्सर अधीनस्थ भूमिका में रखा जाता है। जब पुरुष अपने अधिकार को चुनौती महसूस करता है या किसी कारणवश तनाव में होता है, तो वह हिंसा के माध्यम से अपनी "सत्ता" स्थापित करने की कोशिश करता है। यह मानसिकता पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है, जिससे घरेलू हिंसा को कई बार सामान्य व्यवहार मान लिया जाता है।

शिक्षा और जागरूकता की कमी

हालांकि शिक्षा का स्तर धीरे-धीरे बढ़ रहा है, फिर भी उत्तर भारत के कई ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में महिलाओं की शिक्षा का स्तर अपेक्षाकृत कम है।

शिक्षा की कमी के कारण

- महिलाएं प्राय: अपने अधिकारों से अनजान रहती हैं।
- वे हिंसा को सहन करने को मजबूरी समझती हैं।
- कानूनी सहायता लेने में हिचकिचाती हैं।
- इसके विपरीत, जहां शिक्षा और जागरूकता अधिक होती है, वहां महिलाएं अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने में सक्षम होती हैं।

दहेज प्रथा और विवाह से जुड़ी समस्याएं

उत्तर भारत में दहेज प्रथा अभी भी एक गंभीर समस्या है। दहेज को लेकर विवाह के बाद महिला पर अतिरिक्त दबाव डाला जाता है। कम दहेज लाने पर उसे मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना झेलनी पड़ती है। कई मामलों में यह हिंसा गंभीर रूप भी ले लेती है, यह समस्या सामाजिक प्रतिष्ठा और लालच दोनों से जुड़ी है, जो घरेलू हिंसा को बढ़ावा देती है।

- **सामाजिक मान्यताएं और 'इज्जत' का दबाव-** उत्तर भारतीय समाज में परिवार की 'इज्जत' को बहुत महत्व दिया जाता है। इसी कारण महिलाएं अपने साथ हो रही हिंसा को छुपाती हैं, परिवार और समाज उन्हें चुप रहने की सलाह देते हैं, तलाक या अलगाव को नकारात्मक दृष्टि से देखा जाता है, इस सामाजिक दबाव के कारण महिलाएं वर्षों तक हिंसा सहती रहती हैं, जिससे यह समस्या और गहरी होती जाती है।
- **शराब और नशे की लत-** कई मामलों में घरेलू हिंसा का सीधा संबंध शराब और अन्य नशे की लत से होता है। उत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में पुरुषों में शराब सेवन की प्रवृत्ति अधिक है और नशे की हालत में नियंत्रण कम हो जाता है। छोटी-छोटी बातों पर भी हिंसा की घटनाएं बढ़ जाती हैं, यह एक महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारण है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।
- **कानून का कमजोर क्रियान्वयन-** भारत में घरेलू हिंसा के खिलाफ सख्त कानून मौजूद हैं, जैसे कि 'घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम 2005'। लेकिन उत्तर भारत में कई बार पुलिस में शिकायत दर्ज कराने में कठिनाई होती है। सामाजिक दबाव के कारण मामले दबा दिए जाते हैं। न्याय प्रक्रिया लंबी और जटिल होती है। इससे अपराधियों में डर कम हो जाता है और वे अपने व्यवहार को जारी रखते हैं।
- **पारिवारिक संरचना और संयुक्त परिवार का दबाव-** उत्तर भारत में संयुक्त परिवार प्रणाली अभी भी प्रचलित है। इसमें सास-ससुर और अन्य सदस्यों का हस्तक्षेप अधिक होता है। बहू पर अपेक्षाओं का दबाव बढ़ जाता है। कई बार परिवार के अन्य सदस्य भी हिंसा को बढ़ावा देते हैं। इससे महिला के लिए स्थिति और जटिल हो जाती है, क्योंकि वह केवल पति ही नहीं बल्कि पूरे परिवार के दबाव में होती है।
- **मानसिक स्वास्थ्य और गुस्से का प्रबंधन-** कई बार घरेलू हिंसा का कारण मानसिक तनाव, अवसाद या गुस्से को सही तरीके से न संभाल पाना भी होता है। उत्तर भारत में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता कम है, जिसके कारण लोग अपनी भावनाओं को सही तरीके से व्यक्त नहीं कर पाते। गुस्सा हिंसा के रूप में बाहर आता है। यह एक छिपा हुआ, लेकिन महत्वपूर्ण कारण है।

पारंपरिक सोच

अब भी कई जगह यह माना जाता है कि महिला का मुख्य काम घर संभालना है।
अगर महिला :

- नौकरी करना चाहती है।
- अपनी राय रखना चाहती है।
- स्वतंत्र निर्णय लेना चाहती है, तो इसे परिवार की "परंपरा" के खिलाफ माना जाता है, जिससे टकराव और हिंसा की स्थिति बन सकती है। उत्तर भारत में घरेलू हिंसा की अधिकता किसी एक कारण से नहीं, बल्कि कई सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक कारकों के संयुक्त प्रभाव का परिणाम है। पितृसत्तात्मक सोच, शिक्षा की कमी, आर्थिक निर्भरता, दहेज प्रथा, सामाजिक दबाव और कानून के कमजोर क्रियान्वयन जैसे कारण इस समस्या को जटिल बनाते हैं।

समस्या का समाधान

- महिलाओं की शिक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा दिया जाए।
- समाज में जागरूकता फैलाई जाए।
- कानूनों का सख्ती से पालन कराया जाए।
- मानसिक स्वास्थ्य और काउंसलिंग पर ध्यान दिया जाए।
- पुरुषों की सोच में सकारात्मक बदलाव लाया जाए।
- घरेलू हिंसा केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। जब तक समाज मिलकर इस समस्या का समाधान नहीं खोजेगा, तब तक वास्तविक परिवर्तन संभव नहीं है।

बिना केमिकल के पाएं सॉफ्ट लिप्स

ठंड हो या गर्मी, होंठों का सूखना, फटना और काला पड़ना एक आम समस्या बन गई है। बदलते मौसम, पानी की कमी, धूप का असर और केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स इसके मुख्य कारण होते हैं। अक्सर लोग महंगे लिप केयर प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं, लेकिन उनसे स्थायी लाभ नहीं मिल पाता। सच तो यह है कि होंठों की त्वचा बेहद संवेदनशील होती है, जिसे खास देखभाल की जरूरत होती है। अच्छी बात यह है कि कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर आप अपने होंठों को फिर से मुलायम, गुलाबी और स्वस्थ बना सकते हैं। ये उपाय प्राकृतिक हैं, सुरक्षित हैं और नियमित उपयोग से बेहतरीन परिणाम देते हैं। आइए आपको बताते हैं फटे और काले होंठों को ठीक करने के आसान उपाय :-

शहद और नींबू का मिश्रण- शहद एक प्राकृतिक मॉइस्चराइजर है, जो होंठों को गहराई से नमी देता है। वहीं नींबू में मौजूद विटामिन-सी डेड स्किन को हटाने और रंगत निखारने में मदद करता है। इन दोनों को मिलाकर रोजाना कुछ मिनट के लिए होंठों पर लगाएं। नियमित उपयोग से कालापन धीरे-धीरे कम होने लगता है और होंठ मुलायम बनते हैं।

नारियल तेल से हल्की मसाज- नारियल तेल पोषण से भरपूर होता है और यह होंठों की सूखापन दूर करने में बेहद असरदार है। दिन में 2-3 बार हल्के हाथों से होंठों की मसाज करें। इससे होंठ हाइड्रेट रहते हैं और फटने की समस्या भी कम होती है।

गुलाब की पंखुड़ियों का पेस्ट- गुलाब की पंखुड़ियों को दूध में भिगोकर मुलायम पेस्ट तैयार करें और इसे होंठों पर लगाएं। यह उपाय होंठों को प्राकृतिक गुलाबी रंग देने में मदद करता है और उन्हें सॉफ्ट भी बनाता है। नियमित इस्तेमाल से होंठों की रंगत में स्पष्ट सुधार दिखाई देता है।

चीनी और शहद से स्क्रब

होंठों पर जमी डेड स्किन को हटाने के लिए हफ्ते में 1-2 बार चीनी और शहद का स्क्रब करें। यह एक नेचुरल एक्सफोलिएटर की तरह काम करता है, जिससे होंठ साफ, मुलायम और चमकदार बनते हैं। स्क्रब के बाद लिप बाम लगाना न भूलें।

एलोवेरा जेल का इस्तेमाल

एलोवेरा में मौजूद हीलिंग गुण फटे होंठों को जल्दी ठीक करने में मदद करते हैं। रोज रात को सोने से पहले ताजा एलोवेरा जेल होंठों पर लगाएं। यह होंठों को रिपेयर करता है और उन्हें लंबे समय तक हाइड्रेट रखता है।

पर्याप्त पानी पिएं

शरीर में पानी की कमी भी होंठों के सूखने और फटने का बड़ा कारण होती है। दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है, जिससे होंठ अंदर से हाइड्रेटेड रहें और उनकी नमी बरकरार रहे।

धूप से करें बचाव

ज्यादा धूप में रहने से होंठ काले पड़ सकते हैं। बाहर निकलते समय SPF युक्त लिप बाम का उपयोग करें ताकि सूरज की हानिकारक किरणों से होंठ सुरक्षित रहें।

कुछ अन्य सावधानियां-

- पर्याप्त पानी पिएं, ताकि शरीर हाइड्रेट रहे।
- होंठों को बार-बार चाटने से बचें।
- सन प्रोटेक्शन वाला लिप बाम इस्तेमाल करें।
- स्मोकिंग से दूर रहें, क्योंकि इससे होंठ काले पड़ते हैं।

सुबह का गुस्सा बिगाड़ सकता है बच्चों का आत्मविश्वास

सुबह का समय केवल दिन की शुरुआत नहीं, बल्कि पूरे परिवार के भावनात्मक माहौल की नींव भी होता है। अगर दिन की शुरुआत हड़बड़ी, चिड़चिड़ापन और बच्चों पर ऊंची आवाज में डांट से होती है, तो इसका असर सिर्फ उस पल तक सीमित नहीं रहता- यह बच्चों के आत्मविश्वास, व्यवहार और सीखने की क्षमता तक पहुंचता है। अक्सर हम बच्चों की शरारत को कारण मान लेते हैं, जबकि असल वजह हमारे भीतर का तनाव, अधूरी नींद या दबाव हो सकता है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपनी भावनाओं को समझें और सुबह को शांत, संतुलित और सकारात्मक बनाने की दिशा में छोटे-छोटे बदलाव करें।

सुबह की चिड़चिड़ाहट

अक्सर माता-पिता यह मान लेते हैं कि बच्चे की गलती के कारण ही उन्हें गुस्सा आता है, लेकिन हकीकत इससे अलग होती है। सुबह की भागदौड़, काम का दबाव, समय की कमी और अधूरी नींद मिलकर मन को पहले से ही तनावग्रस्त बना देती हैं। ऐसे में बच्चों की सामान्य शरारत भी बड़ी समस्या लगने लगती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि सुबह का गुस्सा दरअसल अंदरूनी तनाव का बाहरी रूप होता है, जिसे हम अनजाने में बच्चों पर उतार देते हैं।

बच्चों के मन पर पड़ता है असर

बच्चे बेहद संवेदनशील होते हैं। सुबह-सुबह डांट या चिल्लाहट उनके मन में असुरक्षा और डर पैदा कर सकती है। वे स्कूल जाते समय उसी भावनात्मक स्थिति को साथ लेकर जाते हैं, जिससे उनका ध्यान पढ़ाई या गतिविधियों में कम लगता है। कई बार बच्चे दिनभर उसी घटना के बारे में सोचते रहते हैं, जिससे उनकी एकाग्रता और सामाजिक व्यवहार प्रभावित होता है।

आत्मविश्वास पर पड़ता है प्रभाव

बार-बार डांट खाने वाले बच्चे धीरे-धीरे खुद को कमतर समझने लगते हैं। वे अपनी बात रखने से डरते हैं और हर काम में गलती का डर बना रहता है। इससे उनका आत्मविश्वास कमजोर होता है और वे नई चीजें सीखने या कोशिश करने से भी कतराने लगते हैं। लंबे समय में यह उनके व्यक्तित्व विकास को प्रभावित कर सकता है।

क्या कहता है बच्चों का व्यवहार

बच्चों का सुबह का व्यवहार अक्सर उनकी जरूरतों का संकेत होता है। अगर बच्चा चिड़चिड़ा है, तो हो सकता है उसे नींद पूरी न मिली हो या वह किसी बात से परेशान हो। ऐसे में डांटने के बजाय उसकी बात समझने की कोशिश ज्यादा असरदार होती है। संवाद और धैर्य, अनुशासन से ज्यादा प्रभावी होते हैं।

माता-पिता के लिए आत्म-देखभाल जरूरी

कई बार माता-पिता खुद को पूरी तरह जिम्मेदारियों में झोंक देते हैं और अपनी भावनाओं को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन मानसिक शांति बनाए रखने के लिए आत्म-देखभाल बेहद जरूरी है। थोड़ा व्यायाम, ध्यान या कुछ समय खुद के लिए निकालना तनाव को कम कर सकता है, जिससे सुबह की शुरुआत भी बेहतर होती है।

सकारात्मक शुरुआत का असर

अगर दिन की शुरुआत मुस्कान और स्नेह से होती है, तो इसका प्रभाव पूरे दिन के व्यवहार पर पड़ता है। बच्चे ज्यादा आत्मविश्वासी, खुश और सहयोगी बनते हैं। एक सकारात्मक सुबह उन्हें भावनात्मक सुरक्षा देती है, जो उनके सीखने और सामाजिक विकास के लिए बेहद जरूरी है।

ऐसे करें सुबह की शुरुआत

- सुबह को शांत बनाने के आसान उपाय
- रात में ही बच्चों और अपना सामान तैयार कर लें।
- सुबह 10-15 मिनट पहले उठकर खुद के लिए समय निकालें।
- बच्चों से नरम और स्पष्ट भाषा में बात करें।
- छोटी-छोटी बातों पर प्रतिक्रिया देने से पहले 5 सेकंड रुकें।
- जरूरत पड़ने पर परिवार के अन्य सदस्यों से मदद लें।

बच्चों को सुधारने से पहले खुद को समझना ज्यादा जरूरी है। हर सुबह एक नया अवसर है-अपने व्यवहार को बेहतर बनाने का और बच्चों के साथ मजबूत रिश्ता बनाने का। थोड़े से धैर्य, समझ और सही दिनचर्या के साथ आप न सिर्फ अपने बच्चे का विकास बेहतर कर सकती हैं, बल्कि खुद भी एक संतुलित और सुकून भरी जिंदगी जी सकती हैं।

खाना खजाना

स्वादिष्ट स्नैक फाफड़ा

फाफड़ा गुजरात का एक लोकप्रिय और बेहद स्वादिष्ट पारंपरिक स्नैक है, जिसे मुख्य रूप से बेसन और हल्के मसालों से तैयार किया जाता है। इसकी कुरकुरी बनावट और हल्का तीखा स्वाद इसे खास बनाता है। आमतौर पर इसे जलेबी के साथ परोसा जाता है, जिससे मीठे और नमकीन का बेहतरीन संतुलन मिलता है। इस रेसिपी में पारंपरिक पापड़ खार की जगह बेकिंग सोडा का उपयोग किया गया है, जिससे इसे घर पर आसानी से बनाया जा सकता है। यह नाश्ते या शाम की चाय के साथ परोसने के लिए एक शानदार विकल्प है।

सामग्री

- बेसन (मेजरमेंट कप)- ढाई कप
- बेकिंग सोडा- चौथाई टी स्पून
- हल्दी- चौथाई टी स्पून
- हींग- चौथाई टी स्पून
- नमक- एक टी स्पून
- अजवाइन- एक टी स्पून
- तेल-2 टेबल स्पून (मोयम के लिए)
- तेल-आधा कड़ाही (फाफड़ा तलने के लिए)

बनाने की विधि

एक छोटी परात के ऊपर बड़ा छन्ना रखें। उसमें बेसन और बेकिंग सोडा डालकर डाल लें। एक कटोरी में नमक, हल्दी और हींग डालकर पानी से घोल बना लें। बेसन में अजवाइन और मोयम का तेल एक टेबल स्पून डालकर अच्छे से मिक्स करें। मोयम मिक्स करने के बाद मुट्ठी में बेसन लें कर चेक कर लें। यदि मुट्ठी में बंध रहा है, तुरंत बिखर नहीं रहा है, तो मोयम ठीक है।

अब बेसन में नमक वाला जो घोल बनाया है, उसे डालकर बेसन मिक्स करें। फिर थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर बेसन का नरम डोह बना लें। बेसन हाथ में चिपकाता है इसलिए जब जरूरत हो हाथ में तेल लगाकर उसे तब तक गूंथे जब तक लंबाई में खींचने पर तुरंत न टूटे। उसे लहसुन कूटने वाले से कूटे और मिक्स करें और फिर कूटे। ऐसा ज्यादा मात्रा में बनाने पर किया जाता है। जब खिंचाव के बाद जल्दी न टूटे तो बेसन सही हो गया है। उसे ढककर 15 मिनट के लिए रख दें। उसके बाद कड़ाही गर्म करके उसमें आधी कड़ाही तेल डालें। बेसन के डोह को एक बार अच्छे से मिक्स करें। डोह से थोड़ा सा लेकर उसे लंबा शेप देकर उल्टी थाली के ऊपर एक प्लास्टिक बिछाकर रख दें। दूसरी प्लास्टिक उसके ऊपर रख दें। लोई पर हथेली के पीछे वाले हिस्से से दबाव डालते हुए हाथ को आगे बढ़ाकर उसे लंबा करें। उसे सब तरफ से एक जैसा पतला होना चाहिए। जब तेल मिडियम गर्म हो,

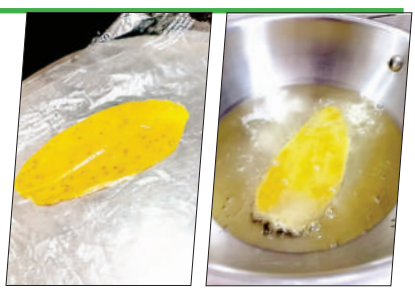

तो उसे सावधानी से उठा कर तलने डाल दें। धीमी और मध्यम आंच पर इसे तले। जब एक तरफ का कलर बदल जाए, तो उसे पलट दे। इसे हल्का लाल तल लें। आप अपने अनुसार रखें। जब यह तल जाए, तो उसे छलनी के ऊपर रखें, जिसके नीचे एक बरतन रखा हो। जब पहला फाफड़ा तल रहा हो दूसरा फाफड़ा तलने के लिए तैयार कर लें। पहला फाफड़ा जिस तरह से तला है, उसी तरह से सभी फाफड़ा तलें। फाफड़ा की लंबाई कड़ाही के साइज के अनुसार ही रखना है और एक बार में कड़ाही में जितना फाफड़ा आसानी से तल सके उतना ही डालें। इसे गुजरात में कच्चे पपीते के फ्राइडलच्छे (संभारो), बेसन की चटनी और जलेबी के साथ सर्व किया जाता है, लेकिन आप अपने पसंद से किसी भी चीज के साथ सर्व कर सकती हैं या फिर शाम के स्नैक्स में की तरह खाएं।

न्यूज ब्रीफ

शार्ट टर्मिनेट की गईं गाड़ियां हुईं बहाल

गोरखपुर, अमृत विचार। गोरखपुर जं0 स्टेशन पर निर्माण कार्य किये जाने के कारण गोरखपुर से 30 अप्रैल तक चलने वाली 15103 गोरखपुर-बनारस एक्सप्रेस वाराणसी सिटी स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेट की गई थी तथा बनारस से 01 मई तक चलने वाली 15104 बनारस-गोरखपुर एक्सप्रेस वाराणसी सिटी स्टेशन से शार्ट ओरिजिनेट की गई थी। यात्री जनता की सुविधा हेतु इन गाड़ियों को 26 अप्रैल से बहाल कर दिया गया है। अब ये गाड़ियां पूर्व निर्धारित समय एवं स्थान से चलाई जायेंगी।

अनारक्षित विशेष गाड़ी का संचलन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेल प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल में यात्रियों की सुविधा के लिए 09157 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर एकल यात्रा अनारक्षित विशेष गाड़ी का संचलन बांद्रा टर्मिनस से 26 अप्रैल को किया जायेगा। 09157 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर अनारक्षित एकल यात्रा ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 26 अप्रैल को बांद्रा टर्मिनस से 00.30 बजे प्रस्थान करेगी। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 15, साधारण द्वितीय श्रेणी के 02 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 19 अनारक्षित कोच लगाये जायेंगे।

किशोरी को किया रेस्क्यू व नेपाली तस्कर गिरफ्तार

रुपईडीहा (बहराइच) अमृत विचार। भारत-नेपाल सीमा पर मानव तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सशस्त्र सीमा बल को एक महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट रुपईडीहा पर तैनात एसएसबी जवानों ने ऑप्स ब्रांच से प्राप्त सूचना के आधार पर सघन जांच अभियान चलाया। सूचना मिली थी कि बिहार के मुजफ्फरपुर जनपद से लापता एक किशोरी को नेपाली युवक द्वारा नेपाल से भारत लाया जा सकता है। किशोरी की पहचान आराधना यादव (15 वर्ष) पुत्री उमाशंकर राय, निवासी ग्राम रैपुर, पोस्ट दुबाहा, मुजफ्फरपुर, बिहार के रूप में हुई।

शिक्षक-छात्र अनुपात के लिए पुन: तैनाती अनिवार्य, यांत्रिक क्रियान्वयन अनुचित

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में अधिशेष शिक्षकों की पुनः तैनाती से जुड़े मामले में कहा कि पुनःतैनाती का उद्देश्य केवल औपचारिक रूप से शिक्षक-छात्र अनुपात पूरा करना नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की वास्तविक आवश्यकता और उपयोगिता सुनिश्चित करना है। कोर्ट ने कहा कि अनिवार्य शिक्षा अधिनियम के तहत पुनःतैनाती अनिवार्य है, लेकिन इसे यांत्रिक तरीके से लागू नहीं किया जा सकता। पूरी प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी, वस्तुनिष्ठ और सत्यापित आंकड़ों पर आधारित होनी चाहिए, अन्यथा ऐसी कार्रवाई विधिसम्मत नहीं मानी जाएगी। इसके अलावा कोर्ट ने यू-डायस पोर्टल के डेटा के आधार पर पुनः तैनाती पर भी आपत्ति जताई और माना कि केवल यू-डायस पोर्टल के अप्रमाणित डेटा के आधार पर शिक्षकों का स्थानांतरण करना न तो न्यायसंगत है और न ही शिक्षा के उद्देश्य की पूर्ति करता है।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने सौरभ कुमार सिंह व अन्य की विशेष अपील पर सुनवाई करते हुए पारित किया। याचियों का मुख्य तर्क था कि राज्य सरकार द्वारा 2025-26 के शैक्षणिक सत्र के बीच पुनःतैनाती की प्रक्रिया दोबारा शुरू की गई, जबकि यह अभ्यास पहले ही पूर्ण हो चुका था, साथ ही यू-डायस पोर्टल पर उपलब्ध छात्र-शिक्षक अनुपात के आंकड़ों की शुद्धता पर भी गंभीर सवाल उठाए गए। मामले पर विचार करते हुए कोर्ट ने पाया कि यदि किसी विद्यालय में छात्र संख्या अत्यंत कम है, तो वहां अनिवार्य रूप से दो शिक्षक नियुक्त करना व्यावहारिक नहीं होगा। ऐसी स्थिति में छात्रों का समायोजन अन्य विद्यालयों में करना अधिक उचित विकल्प हो सकता है, अगर अभिभावकों की सहमति हो। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि पुनःतैनाती की पूरी प्रक्रिया 30 अप्रैल 2026 तक भौतिक सत्यापन के आधार पर तैयार डेटा पर आधारित हो। यह डेटा संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक/वरिष्ठ शिक्षक और खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से प्रमाणित किया जाए। इसमें स्वीकृत पद, कार्यरत शिक्षक, उनकी नियुक्ति तिथि, छात्र संख्या और अधिशेष शिक्षकों का विवरण शामिल किया जाए। कोर्ट ने यह भी निर्देशित किया कि यह सत्यापित डेटा संबंधित जिलों की वेबसाइट पर अपलोड किया जाए और प्रभावित शिक्षकों को उपलब्ध कराया जाए, जिससे वे 13 मई 2026 तक अपनी आपत्तियां दर्ज करा सकें।

बालिगों की इच्छा का सम्मान करना विधि का अनिवार्य सिद्धांत

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्वेच्छा से विवाह करने वाले बालिग युवक- युवतियों के अधिकारों का एक बार फिर संरक्षण करते हुए स्पष्ट किया कि किसी बालिग युवक-युवती के साथ रहने या विवाह करने के निर्णय में हस्तक्षेप करना उनकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर "गंभीर प्रहार" है और ऐसे मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस द्वारा जोड़े का पीछा करना पूर्णत: अवैध है। कोर्ट ने कहा कि कोई भी व्यक्ति यह तय नहीं कर सकता कि कोई बालिग कहाँ रहेगा, किससे विवाह करेगा या किसके साथ जीवन बिताएगा। उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने युवती व उसके साथी की याचिका पर सुनवाई करते हुए की और सहारनपुर में दर्ज अपहृत करने जैसी आशंका पर आधारित एफआईआर को निरस्त कर दिया। वर्तमान याचिका के माध्यम से पुलिस स्टेशन सदर बाजार, सहारनपुर में 10 दिसंबर 2025 को बीएनएस की धारा 87 के तहत दर्ज एफआईआर को चुनौती दी गई है, जिसे युवती के पिता ने दर्ज कराया था। मामले के अनुसार याची की उम्र हाईस्कूल प्रमाणपत्र के आधार पर 19 जनवरी 2007 है। अत: वह जन्मतिथि के अनुसार बालिग पाई गई। वह अपनी इच्छा से याची संख्या-2 मुकुल यादव के साथ गई थीं और दोनों ने 10 दिसंबर 2025 को देहरादून के शिव मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से विवाह कर लिया था। कोर्ट ने स्वयं युवती से बातचीत कर उसके स्वतंत्र निर्णय की पुष्टि की, जिसमें उसने स्पष्ट कहा कि वह अपने पति के साथ ही रहना चाहती है और पिता के पास लौटना नहीं चाहती। वर्तमान मामले पर बालिग जोड़े की इच्छा के विरुद्ध कार्यवाही पर कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि वर्तमान में पुलिस का यह "चिंताजनक रुझान" बन गया है कि वह अपराधों की जांच छोड़कर विवाह जैसे निजी मामलों में हस्तक्षेप कर रही है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में एफआईआर दर्ज करना और जोड़ों का पीछा करना न केवल अवैध है, बल्कि कई बार स्वयं आपराधिक कृत्य की श्रेणी में आ सकता है। यह संविधान द्वारा प्रदत्त व्यक्तिगत स्वतंत्रता और वयस्कता के अधिकारों के विपरीत है।

शिक्षकों के लिए कूड़ा ढोने वाली गाड़ी से पहुंचाया भोजन, हंगामा

जनगणना में लगे शिक्षकों व कर्मियों ने खाना लेने से किया इनकार

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचार: जनगणना प्रशिक्षण के दौरान उस समय असहज स्थिति उत्पन्न हो गई जब प्रशिक्षण ले रहे शिक्षकों एवं अन्य कर्मचारियों के लिए भोजन सुकरौली नगर पंचायत की कूड़ा ढोने वाली गाड़ी से पहुंचाया गया। कूड़ा धोने वाली गाड़ी से भोजन पहुंचने पर कर्मचारियों ने तत्काल विरोध जताते हुए भोजन लेने से इनकार कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद शिक्षक- कर्मचारीयों ने कड़ा विरोध जताया।

बताया जा रहा है कि हाटा तहसील क्षेत्र में चल रही जनगणना प्रशिक्षण कार्यशाला में बड़ी संख्या में शिक्षक और कर्मचारी शामिल हुए थे। दोपहर के भोजन की व्यवस्था प्रशासन द्वारा की गई थी, लेकिन जब भोजन स्थल पर कूड़ा उठाने वाली गाड़ी से खाने के पैकेट लाए गए, तो वहां मौजूद लोगों में आक्रोश फैल गया। कर्मचारियों का कहना था कि इस प्रकार की व्यवस्था उनके सम्मान के खिलाफ है और इससे उनकी गरिमा को ठेस पहुंची है। विरोध बढ़ता देख मौके पर नायब तहसीलदार पहुंचे और उन्होंने कर्मचारियों को समझाने का प्रयास किया।काफी समझाने-बुझाने के बाद स्थिति तो शांत हो गई लेकिन कर्मचारियों ने भोजन ग्रहण करने से इंकार कर दिया।

कूड़ा ढोने वाले वाहन से शिक्षकों व कर्मचारियों के लिए भोजन लेकर पहुंचे लोग। अमृत विचार

इस घटना ने प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कर्मचारियों का कहना है कि इस तरह की लापरवाही पर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। वही इस मामले में अपर जिलाधिकारी कुशीनगर वैभव मिश्रा ने बताया कि कथित रूप से कूड़ा गाड़ी द्वारा खाना सप्लाई करने का वीडियो प्रसारित किया जा रहा है जब की प्रारंभिक जांच पाया गया कि नगर के प्रचार वाहन द्वारा खाना सप्लाई किया गया है। इस विषय में अग्रेत्तर विस्तृत जांच कर गुण दोष के आधार पर कार्यवाही की जाएगी।

परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर व पुलिस अधीक्षक केशव कुमार।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा : डीएम व एसपी ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर लिया जायजा

कुशीनगर, अमृत विचार : कुशीनगर के सभी परीक्षा केन्द्रों पर उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश होमगार्ड भर्ती परीक्षा शनिवार को शांति पूर्ण एवं सुचारू रुप से सम्पन्न कराई गई। जिलाधिकारी कुशीनगर महेन्द्र सिंह तंवर तथा पुलिस अधीक्षक कुशीनगर केशव कुमार द्वारा परीक्षा को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान किसान इण्टरमीडिएट कालेज, साखोपार व उदित नारायण इण्टरमीडिएट कालेज, पडरौना परीक्षा केन्द्रों का जायजा लिया गया, जहाँ परीक्षा केन्द्र प्रभारी, सुरक्षा प्रभारी एवं कॉलेज प्रशासन से चर्चा की गई। जिले के अन्य परीक्षा केन्द्रों का भी निरीक्षण किया गया।परीक्षा केन्द्रों पर भारी संख्या में सुरक्षा बल की तैनात रही। सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, मेटल डिटेक्टर, फ्रिस्किंग पॉइंट आदि की समीक्षा की गई। किसी भी प्रकार की अनधिकृत प्रवेश पर सख्ती से रोक लगाने हेतु निर्देश दिए गए।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर डीएम ने केंद्रों का किया निरीक्षण

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। होमगार्ड भर्ती परीक्षा के निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण आयोजन करने हेतु जिलाधिकारी श शिवशरणप्पा जीएन एवं पुलिस अधीक्षक डा अभिषेक महाजन द्वारा परीक्षा केन्द्र जय किसान इन्टर कालेज, सकतपुर सनई का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की चेकिंग, बैठने की व्यवस्था, सीसीटीवी कक्ष तथा परीक्षा से संबंधित अन्य व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया। जिलाधिकारी ने केंद्र व्यवस्थापक को निर्देशित किया कि परीक्षा पूरी पारदर्शिता एवं शुचिता के साथ संपन्न कराई जाए तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सभी अभ्यर्थियों को निर्धारित समय पर प्रवेश दिया जाए और अन्य दिशा-निर्देशों का पालन कराया जाए।

पुतला फूंकते समय झुलसीं भाजपा विधायक

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार। नारी वंदन अधिनियम का लोकसभा में विरोध करने को लेकर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव व कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला फूंकते समय सदर विधायक के चेहरा जल गया। मौके पर मौजूद अन्य लोगों ने उन्हें बचाया जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नगर में स्थित जिलाधिकारी आवास के पास आज भाजपा की ओर से विपक्षी पार्टियों की ओर से नारी वंदन अधिनियम का विरोध करने को लेकर प्रदर्शन का आयोजन किया गया था । प्रदर्शन में भाजपा से सदर विधायक अनुपमा जायसवाल भी शामिल होने पहुंची इसी दौरान समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव व कांग्रेस नेता का पुतला फूंकते समय विधायक के चेहरे पर आग की लपट लगने से वह झुलस गई। जिसके बाद मौके पर हड़कंप मच गया। घटना के दौरान अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं ने आग बुझाते हुए आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जहां पर चिकित्सकों की ओर से उनका इलाज किया जा रहा है। हादसे की जानकारी पर जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने जिला अस्पताल पहुंच उनका हाल जाना।

संदिग्ध हालात में पत्नी की मौत, आरोप से आहत पति ने दी जान

फतेहपुर, बाराबंकी

अमृत विचार : तालाब में डूबने से महिला की मौत को लेकर हत्या का आरोप लगने से आहत पति ने भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों घटनाएं एक घंटे के अंतराल में हुईं। पति ने सुसाइड नोट में अपना दर्द बयां किया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच शुरु कर दी है।

दंपति की फाइल फोटो।

घटना कोतवाली क्षेत्र के हजरतपुर बिलौली गांव में शनिवार को हुई। यहां के दिव्यांग कुलदीप (30) का विवाह करीब दो वर्ष पूर्व थाना क्षेत्र के ग्राम कटघरा की निशा चौहान (27) से हुआ था। कुलदीप पत्नी के साथ जबकि उनकी मां दयावती व भाई दिवाकर अलग-अलग घरों में निवास करते हैं। बताया जा रहा कि कुलदीप कुछ दिनों से मां द्वारा दी गई जगह पर एक कोठरी की मरम्मत करा रहा था। इसी सिलसिले में शनिवार सुबह वह पत्नी निशा के साथ गांव के तालाब से मिट्टी लाने गया था। इसी दौरान निशा की तालाब में डूबकर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। निशा की मौत की खबर पाते ही मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे और कुलदीप पर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा करने लगे। यही नहीं, मृतका के भाई ने पुलिस को तहरीर देकर बहन की हत्या की आशंका भी जता दी। इसी बीच कुलदीप अचानक वहां से कहीं चला गया। करीब एक घंटे बाद फैली खबर ने सनसनी मचा दी। कुलदीप का शव उसके ही घर में ही रस्सी के सहारे फंदे से लटकता मिला। कोतवाल अमित भदौरिया के अनुसार शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

शव के पास सुसाइड नोट मिला, जिसमें कुलदीप ने लिखा कि निशा के साथ क्या हुआ, उसे नहीं पता। तमाम झगड़े के बावजूद उसने निशा को कुछ नहीं कहा। अब छोटू कह रहे कि तुम इसकी मौत के जिम्मेदार हो। मैं यह कलंक लेकर नहीं जीना नहीं चाहता।

नुक्कड़ नाटक में मौजूद नर्सिंग छात्राएं। अमृत विचार

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किया जागरूक

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। चंद्रावती कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडीकल साइंसेज पकड़ी उसका में अध्यनरत छात्र छात्राओं ने विश्व मलेरिया दिवस पर वीपीएल हॉस्पिटल में जाकर नुक्कड़ नाटक, पोस्टर, स्पीच और फ्लैश कार्ड के माध्यम से मरीजों एवं उनके परिजनों को मलेरिया फैलने से बचाने के उपाय बताये एवं सभी को जागरूक किया। वीपीएल हॉस्पिटल के संस्थापक डॉ. चंद्रेश कुमार उपाध्याय ने छात्र-छात्राओं की सराहना की। कॉलेज की चेयरमैन डॉ. सलोनी उपाध्याय ने मलेरिया के बारे में जानकारी दी। कहा कि इसे आसानी से रोका जा सकता है, बस लोगों को इससे बचने के उपायों का पालन करना चाहिए। कॉलेज के डायरेक्टर श्याम बिहारी जायसवाल ने भी बच्चों के कार्यक्रम की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सोवरन सिंह, कॉलेज स्टाफ एवं हॉस्पिटल स्टाफ उपस्थित रहे।

हिंदी का अधिक से अधिक हो प्रयोग

गोरखपुर, अमृत विचार। यांत्रिक कारखाना में 24 अप्रैल 2026 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक मुख्य कारखाना प्रबंधक डॉ. सुनील कुमार शर्मा की अध्यक्षता में तथा केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली के निदेशक हितेन्द्र कुमार मिश्र के मुख्य अतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर प्रख्यात कवि अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध की जयंती मनाई गई। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि हितेन्द्र कुमार मिश्र ने हिंदी की गौरवशाली साहित्यिक परंपरा, उसकी समृद्ध अभिव्यक्ति क्षमता तथा भारत की विविध भाषाओं के साथ उसके आत्मीय समन्वय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी का विकास भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रीय अस्मिता के विकास से जुड़ा हुआ है।

बैठक में मौजूद रेलवे के अधिकारी। अमृत विचार

मुख्य कारखाना प्रबंधक सुनील कुमार शर्मा ने हिंदी को प्रशासनिक कार्यों की सशक्त भाषा बताते हुए कहा कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दैनिक कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजभाषा हिंदी का प्रभावी क्रियान्वयन संगठन की कार्यकुशलता एवं जनसंपर्क को सुदृढ़ बनाता है। उप मुख्य राजभाषा अधिकारी अनुज कुमार मिश्र ने कहा कि कारखाने में अधिकांश कार्य राजभाषा हिंदी में सफलतापूर्वक संपादित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा इस तरह के आयोजन से अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ती हैं।

डीएम ने पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन के साथ विभिन्न पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पेट्रोल पम्प संचालक को निर्देश देते हुए कहा कि नियमानुसार डीजल/पेट्रोल का वितरण करे। वाहन चालकों से कहा कि आप लोग लाइन बनाकर वाहन में ईंधन भरवायें। जनपद में ईधन की कमी नहीं है। अफवाहो पर ध्यान न दे। पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देशित किया कि ईंधन की आपूर्ति सुचारु रूप से बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता, जमाखोरी या कालाबाजारी न होने पाए। कहा कि उपभोक्ताओं को निर्धारित दरों पर ही ईंधन उपलब्ध कराएं।

इंटर कॉलेज, गड़सरपार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मेधावी व शिक्षक।

वार्षिकोत्सव में बच्चों ने बिखेरा प्रतिभा का रंग

संतकबीरनगर, अमृत विचार। विकासखंड खलीलाबाद क्षेत्र के ग्राम गड़सरपार स्थित एफएम पब्लिक स्कूल व अल्हाज मुंशीदार फातिमा किसान इंटर कॉलेज में शुक्रवार देर शाम वार्षिकोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रबंधक कफील खान के निर्देशन एवं प्रधानाचार्य मोहम्मद खालिद खान की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस दौरान मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया, जिससे उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व चेयरमैन मगहर संगीता बर्मा, विशिष्ट अतिथि हाजी फिरोज अहमद एवं व्यवसायी विकास कुमार गुप्त ने दीप प्रज्ज्वलन व मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। संचालन मास्टर वीरेंद्र व मोहम्मद अयूब ने किया। मुख्य अतिथि संगीता बर्मा ने कहा कि बच्चे ही देश और समाज का भविष्य हैं। उनकी शिक्षा और प्रतिभा देश को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

दावा | संतकबीरनगर दौरे पर कैबिनेट मंत्री बोले, यूपी की सभी सीटों पर होगी जीत

विपक्ष के पास न नेता है न नीति : ओमप्रकाश

संवाददाता, संतकबीरनगर।

अमृत विचार। प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया कि आगामी चुनावों में उत्तर प्रदेश की सभी सीटों पर भाजपा-सुभासपा गठबंधन जीत दर्ज करेगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास न तो कोई ठोस नीति है और न ही ऐसा नेतृत्व, जिस पर जनता भरोसा कर सके।

सेमरियावां ब्लॉक क्षेत्र में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि मुमताज के आवास पर पहुंचे मंत्री राजभर ने मीडिया से बातचीत में पंचायत चुनाव का मुद्दा उठाते हुए कहा कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है और कोर्ट के निर्देशों का पूरी तरह पालन किया जाएगा। पश्चिम बंगाल के चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि इस बार वहां भी भाजपा का कमल खिलेगा। विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल बैठकों और फोटो खिंचवाने तक सीमित है। कहा कि हर दल अपनी-अपनी राजनीति कर रहा है, चुनाव आते-आते यह गठबंधन ताश के पत्तों की तरह बिखर जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए राजभर ने कहा कि जनता विकास कार्यों को देख चुकी है और अब किसी के बहकावे में आने वाली नहीं है। सपा और बसपा पर हमला बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पिछड़ों और दलितों को वर्षों तक केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में वंचित वर्गों को योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है और बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता सब समझती है और आने वाले चुनावों में गठबंधन ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगा।

सेमरियावां में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि मुमताज के आवास पर पहुंचे मंत्री ओमप्रकाश राजभर।

संपूर्ण थाना दिवस का किया गया आयोजन

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। शासन के मंशा के अनुरूप शनिवार को सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन की उपस्थिति में थाना कोतवाली बांसी में थाना समाधान दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस के अवसर पर आने वाले शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा सुना गया। डीएम ने निर्देश दिया कि भूमि विवाद, वरासत, बंटवारा आदि के जो प्रकरण हैं उनका मौके पर जाकर सही ढ़ंग से निस्तारण करायें।

गाजीपुर में किशोरी से दुष्कर्म व हत्या को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज

लखनऊ, एजेंसी। गाजीपुर जिले में एक नाबालिग लड़की से कथित तौर पर बलात्कार और हत्या के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस ने इस मुद्दे पर भाजपा को घेरते हुए कहा कि उसे सत्ता में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। इस बीच पुलिस-प्रशासन ने मामले में त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिया है। गाजीपुर के करंडा थाना क्षेत्र के कटारिया गांव में कुछ दिन पहले विश्वकर्मा समाज की एक लड़की से कथित तौर पर दुष्कर्म और हत्या का मामला सामने आया था। राज्य के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि वह 29 अप्रैल को कटारिया गांव पहुंचकर पीड़िता के परिवार से मुलाकात करेंगे।

इससे पहले सपा का एक प्रतिनिधिमंडल गांव में गया जहां पथराव की घटनाएं सामने आईं। शनिवार को सपा मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने गाजीपुर की घटना का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि पीड़ित परिवार पर दबाव बनाया जा रहा है। अखिलेश ने कहा कि एक पिता की बेटी की जान चली गई और उसे लालच देने के लिए भाजपा के नेता वहां पहुंचे हैं, पुलिस भी मौजूद है। सोचिए, वहां जाकर पिता को मनाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने 29 अप्रैल के अपने प्रस्तावित दौरे पर कहा कि यदि पीड़ित परिवार विशेषकर पिता, मना करेंगे तो वह वहां नहीं जाएंगे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उत्तर प्रदेश के ग़ाज़ीपुर में विश्वकर्मा समाज की एक बेटी के साथ बलात्कार और निर्मम हत्या, और फिर परिवार को प्राथमिकी दर्ज कराने से रोकने के लिए धमकियां, हिंसा। हाथरस, कठुआ, उन्नाव और आज ग़ाज़ीपुर, यह एक पैटर्न है। मणिपुर की बेटी ने न्याय की राह देखते-देखते दम तोड़ दिया।

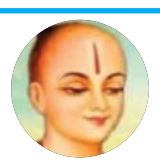

'तुलसी' सब छल छांड़िकै, कीजै राम-सनेह
अंतर पति सों है कहा, जिन देखी सब देह

गोस्वामी तुलसी दास कहते हैं, सब छल-कपटों को छोड़ कर भगवान की सच्चे दिल से भक्ति करो। जैसे पति अपनी पत्नी के सारे शरीर के रहस्यों को जानता है, वैसे ही प्रभु सारे जीवों के सब कर्मों को जानता है।

सिर्फ नंबर नहीं, समग्र विकास पर हो शिक्षा का ध्यान

> नई शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में यह भी जरूरी हो जाता है कि हम केवल परीक्षा परिणामों पर ही केंद्रित न रहें, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास पर ध्यान दें। आज का विद्यार्थी केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर व्यावहारिक, नैतिक और तकनीकी ज्ञान से भी सुसज्जित होना चाहिए। परिणामों के विश्लेषण से यह भी स्पष्ट होता है कि जिन विद्यालयों में नियमित शैक्षणिक वातावरण और अनुशासन बना रहा, वहां सफलता का प्रतिशत अधिक रहा है।

ज्ञान से बड़ा कुछ भी पवित्र नहीं है। ज्ञान भौतिक संसार की सभी उपलब्धियों को प्राप्त करने का उपकरण है। जो लोग इस भौतिक संसार से पृथक अन्य लोकों का भी अस्तित्व मानते हैं, वह लक्ष्य भी ज्ञान मार्ग से ही प्राप्त होना संभव बताया गया है। ज्ञान प्राप्ति का सर्वश्रेष्ठ उपकरण है शिक्षा। भारतीय इतिहास के वैदिक काल में शिक्षा प्राप्ति को अन्य उपलब्धियों से श्रेष्ठ बताया गया है। तैत्तिरीय उपनिषद की शिक्षावल्ली में शिक्षा को धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का साधन बताया गया है। कभी भारतीय ज्ञान का डंका समूचे विश्व में छाया हुआ था। उच्च शिक्षा के कारण ही भारत को विश्वगुरु कहा जाता था।

छान्दोग्य उपनिषद में नारद को व्यथित बताया गया है। व्यथित नारद सनत कुमार के पास पहुंचे। उन्होंने सनत कुमार को अपनी व्यथा बताई। सनत कुमार ने नारद से पूछा कि आपने अब तक क्या-क्या पढ़ा है। नारद ने बताया, 'हे भगवन मैंने ऋग्वेद सहित सभी वेद पढ़े हैं। भूगर्भ विद्या, नक्षत्र विद्या, आकाश विद्या, गणित, ज्योतिष आदि अनेक विषय पढ़े हैं। उपनिषद में यह सूची काफी बड़ी है। इसका अर्थ यह निकलता है प्राचीन भारत में अनेक विषय पढ़े और पढ़ाए जाते थे। आज की ज्ञान परंपरा में वैदिक काल और उसके पहले से लेकर आधुनिक काल तक सभी विषय प्रासंगिक हैं। शिक्षा या विद्यार्थी जीवन पुरुषार्थ का स्वर्ण काल है। प्राचीन काल में शिक्षा के सभी अनुशासन पढ़े-पढ़ाए जाते थे।

नई शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में यह भी जरूरी हो जाता है कि हम केवल परीक्षा परिणामों पर ही केंद्रित न रहें, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास पर ध्यान दें। आज का विद्यार्थी केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर व्यावहारिक, नैतिक और तकनीकी ज्ञान से भी सुसज्जित होना चाहिए। परिणामों के विश्लेषण से यह भी स्पष्ट होता है कि जिन विद्यालयों में नियमित शैक्षणिक वातावरण और अनुशासन बना रहा, वहां सफलता का प्रतिशत अधिक रहा है। संप्रति शिक्षा-नौकरी और जीवन यापन की सुविधाएं जुटाने का यंत्र बन गई है। सरकारें अपने ढंग से अपने देश और राज्य के क्षेत्र में शिक्षा का प्रबंधन करती हैं। निजी क्षेत्र में भी शिक्षा के तमाम तरह के अनुशासन हैं। शिक्षा महंगी है और वह संस्कृति और दर्शन तथा ज्ञान प्राप्ति का उपकरण नहीं है। परीक्षाओं में ज्यादा से ज्यादा अंक पाने की होड़ रहती है।

विद्यार्थी अधिक अंक पाने के तनाव में रहते हैं। आत्महत्याएं होती हैं। शिक्षार्थी को अध्ययन के दौरान ज्ञान का आनंद नहीं मिलता। निजी क्षेत्र के विद्यालयों में एक समान पाठ्यक्रम नहीं है। कुछ विद्यालय कक्षा एक से पढ़ाई शुरू करवाते हैं। कुछ विद्यालय पहली कक्षा से भी पहले की कक्षाएं केजी, नर्सरी आदि नामों से चलवाते हैं। सीबीएसई पूरे देश में लागू एक केन्द्रीयकृत शिक्षा व्यवस्था है। बेशक इससे पूरे देश में एक समान शिक्षा का पाठ्यक्रम बनाया जाता है, लेकिन विद्यार्थियों को अध्ययन के समय आनंदित करने के कोई उपाय नहीं हैं।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाएं संचालित करता है। इसी के परिणाम इसी सप्ताह घोषित हुए थे। लड़कियों ने लड़कों की अपेक्षाकृत उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। जिन बेटियों को अच्छे अंक मिले हैं, उन्हें बधाई। उनके परिजनों को बधाई। उनके गुरुजनों को बधाई। अभी कुछ ही दिनों में महाराष्ट्र बोर्ड, सीबीएसई और आईसीएसई के परिणाम आने वाले हैं। एमपी बोर्ड के नतीजे पहले ही आ चुके हैं।

ज्यादा अंक पाने वाले परीक्षार्थियों के घरों में भी इस बात का तनाव है कि उन्हें और अधिक नंबर क्यों नहीं मिले। मेरी अपनी पढ़ाई उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित विद्यालय से हुई है। तब परीक्षाफल घोषित होने के दिन उल्लास होता था। कुछ फेल होते थे कुछ पास, लेकिन शैक्षिक वातावरण तनावपूर्ण नहीं होता था। इधर 20-25 वर्षों में जो उत्तीर्ण हैं, वे भी रुआंसे हैं कि और अधिक अंक क्यों नहीं मिले। जो फेल हो गए हैं, उनके घर वाले सारा दोष बच्चों पर ही डाल रहे हैं।

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना जरूरी है। प्रतिस्पर्धा के कारण तनाव बढ़ता है, इसलिए विद्यालयों में काउंसलिंग की व्यवस्था होनी चाहिए। समय पर सही मार्गदर्शन मिलना आवश्यक है। कौशल आधारित शिक्षा पर भी जोर देना होगा। केवल पारंपरिक पढ़ाई पर्याप्त नहीं है। आईटी, उद्यमिता और कृषि जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण जरूरी है। इससे छात्र आत्मनिर्भर बनेंगे। मूल्य शिक्षा से विद्यार्थियों में नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित होगी।

भारतीय ज्ञान परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है। वैदिक काल में शिक्षा जीवन से जुड़ी थी। वेद और उपनिषदों में ज्ञान, विज्ञान और नैतिकता का समन्वय मिलता है। तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालय विश्व में प्रसिद्ध थे। यहां दूर-दूर से विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करने आते थे। गुरुकुल परंपरा में गुरु और शिष्य का संबंध गहरा होता था। शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण भी था।

मुगल काल और अंग्रेजी शासन के दौरान इस स्वदेशी शिक्षा व्यवस्था को अपेक्षित संरक्षण नहीं मिला। पारंपरिक संस्थाएं कमजोर हुईं। हमारी मूल ज्ञान परंपरा प्रभावित हुई। आज आवश्यकता है कि हम अपनी इस समृद्ध परंपरा के श्रेष्ठ तत्वों को आधुनिक शिक्षा के साथ जोड़ें। इससे आने वाली पीढ़ी मजबूत, संस्कारित और आत्मनिर्भर बन सकेगी।

अकेले विद्यार्थी ही परीक्षा परिणामों के लिए दोषी नहीं होते। उनकी सफलता या असफलता में आचार्य का भी श्रम अंतर्निहित होता है। इस वर्ष के परिणामों में जहां एक ओर विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के समर्पण की झलक स्पष्ट दिखाई देती है, वहीं दूसरी ओर शिक्षा की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता भी महसूस होती है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच जो शैक्षिक असमानता है, उसे कम करना समय की मांग है। इसके लिए आवश्यक है कि संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित किया जाए और डिजिटल शिक्षा के माध्यमों को हर छात्र तक पहुंचाया जाए।

घर परिवार के लोग भी उचित वातावरण देने के लिए जिम्मेदार होते हैं। समाज भी व्यापक प्रभाव डालता है। संस्कृति और विद्यालय में पढ़ाई जाने वाले पाठ्यक्रम को भी इस जिम्मेदारी में सम्मिलित किया जाना चाहिए। मूलभूत प्रश्न है कि बच्चों को मिले अंक और तनाव की जिम्मेदारी किस पर डाली जाए। बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालने के बजाय उन्हें प्रोत्साहित करना और उनकी रुचियों को समझना अधिक आवश्यक है।

हर विद्यार्थी की क्षमता अलग होती है, और उसी के अनुरूप उसे मार्गदर्शन मिलना चाहिए। असफलता को भी सीखने के अवसर के रूप में स्वीकार करना हमारी शिक्षा संस्कृति का हिस्सा बनना चाहिए। चुनौती बड़ी है। टीवी खोलो तो युद्ध का धुआं है। पर्यावरण प्रदूषण बढ़ रहा है। जैव विविधता पर संकट है। ग्लोबल वार्मिंग हैं। सारा वातावरण बच्चों को अवसाद की ओर ले जाता है, इसलिए सारा दोष बच्चों पर ही डालना उचित नहीं है। यह विषय गंभीर महत्व का है। इस पर चिंतन होना चाहिए। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

घुमंतू व वंचित समुदायों में शिक्षा से जुड़ाव बेहद कम

भारत में घुमंतू और अर्ध-घुमंतू समुदायों की स्थिति पर नीति आयोग और यूनेस्को जैसी संस्थाओं की रिपोर्ट बताती है कि इन समुदायों के बच्चों का नामांकन और निरंतर शिक्षा से जुड़ाव बेहद कम है। राष्ट्रीय स्तर पर देखा जाए तो भारत में प्राथमिक स्तर पर नामांकन दर लगभग 95 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, लेकिन घुमंतू समुदायों के बच्चों में यह दर कई क्षेत्रों में 60 से 70 प्रतिशत तक ही सीमित रह जाती है। वहीं ड्रॉपआउट दर सामान्य आबादी में जहां माध्यमिक स्तर पर लगभग 12–15 प्रतिशत है, वहीं घुमंतू और प्रवासी परिवारों में यह 40 प्रतिशत से भी अधिक पाई जाती है।

निकिता
एक्टिविस्ट

इनकी भूमि के पट्टे आज भी कागजों और अदालतों में उलझे हुए हैं। इस अस्थिरता के कारण लोग अपने घर, भविष्य और बच्चों की शिक्षा को लेकर आश्वस्त नहीं हो पाते हैं। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रवासी और घुमंतू परिवारों के लगभग 30 प्रतिशत बच्चों के पास बुनियादी पहचान के दस्तावेज नहीं होते, जिससे उनका स्कूल में नामांकन बाधित होता है।

पलायन और घुमंतू समुदाय की सबसे बड़ी समस्या उनकी पहचान की होती है। स्थाई निवास नहीं होने के कारण, उनके बच्चों के पास जन्म प्रमाण पत्र, आधार या जाति प्रमाण पत्र नहीं होते, जिससे वे सरकारी योजनाओं और स्कूलों में प्रवेश से वंचित रह जाते हैं। बाबा रामदेव नगर बस्ती में भी यही स्थिति देखने को मिलती है, जिसकी वजह से यहां के अधिकतर बच्चों का स्कूल में दाखिला नहीं हो पाता। इसके अलावा, शिक्षा के ढांचे की कमी भी एक बड़ी समस्या है।

> भारत में घुमंतू और अर्ध-घुमंतू समुदायों की स्थिति पर नीति आयोग और यूनेस्को जैसी संस्थाओं की रिपोर्ट बताती हैं कि इन समुदायों के बच्चों का नामांकन और निरंतर शिक्षा से जुड़ाव बेहद कम है। भारत में प्राथमिक स्तर पर नामांकन दर लगभग 95 प्रतिशत तक ही सीमित है।

आर्थिक तंगी भी शिक्षा में एक बड़ी बाधा है। कई परिवारों के लिए रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना ही चुनौती है, ऐसे में बच्चों को स्कूल भेजना उनके लिए अतिरिक्त बोझ बन जाता है। बच्चों, खासकर लड़कियों, को घर के कामों और मजदूरी में लगना पड़ता है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार भारत में बाल मजदूरी की समस्या का एक बड़ा हिस्सा प्रवासी और घुमंतू परिवारों से आता है, जहां लगभग 10 मिलियन बच्चे किसी न किसी रूप में काम कर रहे हैं। यह आंकड़ा बताता है कि शिक्षा और आजीविका के बीच बच्चों को अक्सर कठिन चुनाव करना पड़ता है।

कोविड महामारी ने इस स्थिति को और खराब कर दिया। इस दौरान स्कूल बंद हो गए और ऑनलाइन शिक्षा का विकल्प उन बच्चों के लिए लगभग असंभव था, जिनके पास न तो स्मार्टफोन थे और न ही इंटरनेट की सुविधा। वर्ल्ड बैंक के अनुसार महामारी के कारण भारत में लगभग 247 मिलियन बच्चों की शिक्षा प्रभावित हुई और इनमें से बड़ी संख्या प्रवासी और गरीब परिवारों की थी। इस पूरी स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा पर कई स्तरों पर समस्याओं का पहरा है, जिनमें पहचान की कमी, आर्थिक तंगी, असुरक्षित माहौल, सामाजिक सोच और कमजोर शैक्षिक ढांचा प्रमुख है। (ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

'साइलेंट किलर' बन रही है लू

भारत में लू अब एक गंभीर मौसमी आपदा के रूप में उभर रही है, जिसे विशेषज्ञ 'साइलेंट किलर' का नाम दे रहे हैं, क्योंकि यह बिना शोर मचाए शरीर का पानी सोख लेती है और जीवन पर भारी पड़ जाती है। इस अदृश्य आफत का सबसे क्रूर वार बुजुर्गों, मासूम बच्चों, गर्भवती महिलाओं, बीमार व्यक्तियों, दिहाड़ी मजदूरों, झोपड़ी-पट्टी में रहने वाले परिवारों और बेघर लोगों पर होता है।

असंगठित क्षेत्र में खुले आसमान के नीचे पसीना बहाने वाले श्रमिकों के लिए तो हर दोपहर जानलेवा साबित हो सकती है। लगातार बढ़ता तापमान शरीर की कार्यप्रणाली को झकझोर देता है और समय पर उपचार न मिले तो स्थिति कुछ ही पलों में गंभीर हो जाती है। गर्मी सहने की भी एक सीमा होती है और जब पारा उस सीमा को लांघता है, तो इंसानी सेहत के साथ-साथ देश की उत्पादकता भी झुलसने लगती है, इसलिए हीट वेव से बचाव और जोखिम न्यूनीकरण की तैयारी अब विलासिता नहीं, जीवन की अनिवार्य शर्त बन चुकी है।

डॉ. नंद किशोर
लेखक

उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, कानपुर की कार्यशाला में विशेषज्ञों ने साफ किया कि तेज बुखार, लगातार उल्टी और दस्त लू के प्रमुख लक्षण हैं। ऐसी स्थिति में घबराने के बजाय तत्काल राहत के उपाय करें। भीगे गमछे या तौलिए को सिर पर रखें, चेहरे को ठंडे पानी से बार-बार पोछें। आम का पना, सत्तू का घोल, नारियल पानी, ओआरएस और ग्लूकोज का नियमित सेवन शरीर में खोए हुए लवण और पानी की भरपाई करता है। लू के प्रकोप को थामने का सबसे सरल मंत्र है कि प्यास न लगे तब भी थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पीते रहें।

तरबूज, खरबूजा, खीरा, ककड़ी जैसे फलों और बेल, सौंफ, पुदीना, धनिया के शर्बत, छाछ, लस्सी, नींबू पानी को दिनचर्या में शामिल करें। हल्के रंग के, ढीले सूती कपड़े पहनें और दोपहर 12 से तीन बजे के बीच सीधी धूप में निकलने से बचें। बाहर जाना जरूरी हो तो छाता, गमछा, पानी की बोतल और टोपी को अपना सुरक्षा कवच बना लें। बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं पर विशेष नजर रखना बेहद जरूरी है।

अगर बच्चे के पेशाब का रंग गहरा हो रहा है, तो यह डिहाइड्रेशन का स्पष्ट संकेत है। उन्हें लगातार पानी पिलाएं। पास में पानी होने पर हम अनजाने में भी घूंट-घूंट पीते रहते हैं। किसी भी हालत में बच्चों या पालतू जानवरों को धूप में खड़ी गाड़ी में अकेला न छोड़ें। लगातार धूप और लू के थपेड़े किडनी तक को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

खेतों में काम करने वाले किसानों और खुले में काम करने वाले श्रमिकों के लिए खतरा दोगुना है। कार्यस्थल पर ठंडा जल उपलब्ध कराना, भारी काम सुबह या शाम के ठंडे पहर में कराना और दोपहर में छायादार विश्राम सुनिश्चित करना मालिकों की नैतिक जिम्मेदारी है। शराब, चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक और बासी-भारी भोजन से परहेज करें, क्योंकि ये शरीर को निर्जलित करते हैं। खाना पकाने के लिए हवादार जगह चुनें। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

राजनीति की दशा-दिशा बदलने की युवा सोच

शरीर के मुकाबले सोच युवा हो तो जमाना कभी नहीं गुजरता। हर दिन नया करना और सीखना ही जिंदगी जीने का दूसरा नाम है। इंजीनियरिंग, चिकित्सा, कानून, उद्यम से अलग राजनीतिक में भी भविष्य बनाने का जज्बा युवाओं में कम नहीं है। सोच राजनीति की दशा और दिशा बदलने की है। वैसे, दक्षिण एशिया के दो प्रमुख युवाओं के नाम इन दिनों चर्चा में हैं। हाल ही में टाइम मैगजीन की 2026 की 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में दक्षिण एशिया के दो प्रमुख युवा नेताओं को शामिल किया गया। दोनों अपने-अपने देशों में सबसे युवा प्रधानमंत्री के रूप में उभरे हैं। एक हैं बालेन शाह और दूसरे हैं तारिक रहमान। बीते दिनों जहां बालेन शाह नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री बने, वहीं तारिक रहमान ने भी बतौर सबसे युवा प्रधानमंत्री बांग्लादेश का नेतृत्व संभाला है।

जमीनी हकीकत यह है कि लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक दलों के बिना सरकार का कोई अस्तित्व नहीं है। युवा नेतृत्व से राजनीति की दशा और दिशा बदल सकती है। कठिन परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता युवा वर्ग की पहचान कराती है। अपने देश में अगर युवा वर्ग करप्शन फ्री इंडिया चाहता है और इन्हीं में से एक समूह वर्तमान राजनीतिक हालात पर असंतोष जताता है, तो हमारी यह जिम्मेदारी है कि उसे राजनीति की अच्छाई से अभी अवगत कराया जाए। राजनीति में परिवारवाद एवं जातिवाद के ही पहलू से अलग कुछ पॉजिटिव-क्रिएटिव कर गुजरने को उत्साहित करें।

अजय दयाल
हल्द्वानी

आंकड़ों पर गौर करें, तो पाएंगे कि भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा जनसांख्यिकी (15-29 वर्ष) वाला देश है, जिसमें लगभग 35 करोड़ से अधिक युवा आबादी है। हालिया रिपोर्ट (2025-26) के अनुसार, मेरा युवा भारत पोर्टल पर 35 लाख से अधिक युवा पंजीकृत हैं। यह युवा शक्ति देश के लगभग 36 प्रतिशत सकल राष्ट्र आय में योगदान भी दे रही है।

अगर राजनीतिक और सामाजिक सहभागिता पर चर्चा करें तो पाते हैं कि लगभग 30 प्रतिशत युवा सक्रिय राजनीति से दूरी बनाए हुए हैं, जबकि 25 प्रतिशत बिना किसी दल से जुड़े राजनीतिक चर्चाओं में भाग लेते हैं। केवल 11 प्रतिशत ही किसी राजनीतिक दल के सक्रिय सदस्य हैं। राजनीति के मुकाबले उद्यमशीलता में दिलचस्पी रखने वाले युवाओं की गणित भी समझिए। 49 प्रतिशत युवा सामाजिक उद्यमी बनना चाहते हैं, लेकिन 58 प्रतिशत को फंडिंग और 39 प्रतिशत को सही मार्गदर्शन की आवश्यकता महसूस होती है। जनसांख्यिकीय आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2021 में कुल जनसंख्या में 15-29 वर्ष के युवाओं की हिस्सेदारी 27.2 प्रतिशत थी, जो 2036 तक घटकर 22.7 प्रतिशत होने का अनुमान है। सर्वेक्षण कहते हैं कि युवा पारंपरिक राजनीति के बजाय मुद्दों पर आधारित राजनीति में अधिक रुचि रखते हैं। इसके अतिरिक्त, बेरोजगारी और सरकारी नौकरियों में अनियमितताएं युवाओं में बैठी चिंताएं हैं, जो उन्हें मुख्यधारा की राजनीति से दूर करती हैं।

> युवा वर्ग करप्शन फ्री इंडिया चाहता है और इन्हीं में से एक समूह वर्तमान राजनीतिक हालात पर असंतोष जताता है, तो हमारी यह जिम्मेदारी बनती है कि उसे राजनीति की अच्छाई से अभी अवगत कराया जाए। कुछ अलग पॉजिटिव-क्रिएटिव करने को उत्साहित करें।

वैश्विक राजनीति में युवा नेतृत्व एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है, जहां युवा अब केवल वोटर नहीं, बल्कि नीति-निर्माता और परिवर्तन के वाहक के रूप में भी आगे आ रहा है। यह परिदृश्य पारंपरिक राजनीति से आधुनिक और नवीन दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहा है। वैश्विक परिदृश्य का आकलन करें, तो देखेंगे कि युवाओं की राजनीतिक भागीदारी तो बढ़ी है और बतौर जनप्रतिनिधि ऐसे युवा जलवायु परिवर्तन, शिक्षा, रोजगार और सतत विकास जैसे मुद्दों पर सक्रिय रूप से काम भी कर रहे हैं। इसी कड़ी में यह जोड़ना आवश्यक है कि दुनिया भर में 30-40 वर्ष की आयु वाले युवा शीर्ष पदों पर पहुंच रहे हैं।

उदाहरण के लिए, फिनलैंड में सना मरीन (34 वर्ष में पीएम), न्यूजीलैंड में जसिंडा आर्डन (37 वर्ष में पीएम) और डेनमार्क में मेटे फ्रेडरिकसन (41 वर्ष में पीएम) ने युवा नेतृत्व की क्षमता को दर्शाया है। इतना ही नहीं, संयुक्त राष्ट्र ने भी शासन और नीति-निर्माण प्रक्रियाओं में युवाओं की भागीदारी को औपचारिक रूप से मान्यता दी है, जो 2030 के एजेंडे को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। गहराई से देखें तो, 15-25 वर्ष की आयु के लोग दुनिया की आबादी का पांचवां तो हैं, फिर भी वैश्विक स्तर पर सांसदों की औसत आयु 53 वर्ष है।

'परहित सरिस धर्म नहिं भाई, पर पीड़ा सम नहिं अधमाई'

'मनुष्य के रूप में जन्म क्यों मिला?' इस विषय पर प्राचीन से लेकर अद्यतन विमर्श होते चले आ रहे हैं। शास्त्रों से लेकर व्याख्यान-कार्यक्रमों में अलग-अलग ढंग से इस विषय पर प्रकाश डाले जाते हैं। मूलतः हर कोई 'परहित सरिस धर्म नहिं भाई, पर पीड़ा सम नहिं अधमाई' के आसपास ही अपना मत रखता है। पर-पीड़ा का अर्थ तो एक सीमित दायरे तक रखा जाता है, जिसमें दूसरों के साथ छल-कपट न करना, असत्य न बोलना, पराई संपत्ति एवं पराए ढंग का संबंध न स्थापित करना तथा अनुचित आहार न ग्रहण करना आदि तक ही है, लेकिन पर-हित की अनन्त व्याख्याएं की जाती हैं, जिसमें दूसरों की मदद करना, असक्षम लोगों को धन, वस्त्र, अनाज आदि का दान करना, संतों की सेवा करना, मंदिर आदि का निर्माण करना।

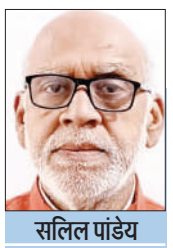

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

वर्ष पर्यंत जितने तीज-त्योहार पड़ते हैं, सब में दान को मुख्य स्थान दिया गया है। मौसम के अनुसार दान की वस्तुओं का उल्लेख भी है। गर्मी के दिनों में शीतलता वाले पदार्थों के दान एवं शीत-ऋतु में गर्म कपड़े दान करने से पुण्य मिलने की बात कही गई है। इसी कड़ी में 'वसुधैव कुटुंबकं' का जिक्र किया गया है। यहां गौर करने वाली बात यह है कि 'कुटुंब' शब्द का अर्थ बहुत गहरा है। कुटुंब में पेड़-पौधे, नदी-ताल-तलैया, धरती-आकाश, पर्वत-झरने सब आते हैं। कुटुंब शब्द की व्यापकता को देखते हुए यहां 'परिवार' शब्द का प्रयोग नहीं किया गया, क्योंकि परिवार में रक्त-संबंधों से जुड़े लोग ही आते हैं।

इसे थोड़ा और व्यापक इतना ही किया जा सकता है कि यदि परिवार में कोई अन्य ऐसा व्यक्ति जो काफी घनिष्ठ हो गया हो, उसके लिए 'परिवार जैसे सदस्य' का प्रयोग तो किया जा सकता है लेकिन विधि-सम्मत स्थानों में तो माता-पिता, पुत्र, पुत्रवधू तथा अविवाहित पुत्री को ही परिवार के सदस्य के रूप में माना जाता है। इस तरह परिवार से ज्यादा बड़ा दायरा कुटुम्ब का होता है। कुटुंब की गहराई को देखा जाए, तो प्रकृति को भी कुटुंब की श्रेणी में लिया जाएगा, इसीलिए हर धार्मिक अनुष्ठानों में पृथ्वी, जल, अग्नि, औषधियों, सूर्य, चंद्रमा, तारे-सितारे, नदी-झरने, ग्रह-नक्षत्र यदि की अनुकूलता के लिए मंत्र पढ़े जाते हैं। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

हर साल एक अरब टन खाना बर्बाद कर डालते हैं हम

विश्व में हम हर साल करीब एक अरब टन खाने योग्य भोजन को बर्बाद कर डालते हैं। इस भोजन से करोड़ों लोगों का पेट भर सकता है, लेकिन हमारी लापरवाही से यह बर्बाद हो जाता है। भोजन की बर्बादी का यह आंकड़ा हाल में संयुक्त राष्ट्र ने जारी किया है, जो बेहद चिंताजनक और सोचने पर मजबूर करने वाला है। दुनिया भर में जब लोग भोजन को बर्बाद कर रहे होते हैं, तब करोड़ों लोग रात को भूखे पेट सोने पर मजबूर होते हैं। बड़ा सवाल यह है कि क्या इन हालात में हमें भोजन की बर्बादी रोकने के लिए संकल्पबद्ध हो कर काम नहीं करना चाहिए?

कहते हैं कि इंसान की असली पहचान उसकी थाली से होती है। एक इंसान क्या खाता है और कितना बचाता है, लेकिन आज हमारी थालियां हमारी संवेदनहीनता का आईना बनती जा रही हैं। हम जरूरत से ज्यादा परोस लेते हैं, फिर आधा खाकर छोड़ देते हैं। ऐसा करते हुए हम यह भूल जाते हैं कि जो रोटी हम छोड़ रहे हैं, वह किसी और की भूख मिटा सकती है।

अगर हमारे देश भारत के संदर्भ में इसे देखें, तो विरोधाभासी तस्वीर सामने आती है। एक ओर जहां हम 'अन्न को देवता' मानने की बात कहते नहीं थकते, वहीं दूसरी ओर विवाह-शादियों, धार्मिक आयोजनों, जन्मदिन की पार्टियों और अन्य अवसरों पर बड़े आयोजनों में भोजन को बर्बाद करते हैं। बड़े-बड़े पंडालों में बचे हुए खाने के ढेर हम प्रायः रोजाना ही देखते हैं। हम लोग प्लेट में जरूरत से ज्यादा खाना लेते हैं, थोड़ा खाते हैं और बाकी यूं ही छोड़ देते हैं, जैसे उसका कोई मूल्य ही न हो।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

गांवों और कस्बों में किसी कार्यक्रम के बाद खाना कूड़े में फेंक दिया जाता है, जबकि उसी गांव-कस्बों में कुछ घर ऐसे भी होते हैं, जहां रात का चूल्हा नहीं जलता। इससे हमारी सोच परिलक्षित होती है। आंकड़े बताते हैं कि बर्बाद हुए भोजन का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा हमारे घरों से आता है। जाहिर है, हम अपनी थाली में अनजाने या लापरवाही से भोजन को बर्बाद कर रहे हैं। भोजन की बाकी 40 प्रतिशत बर्बादी खराब प्रबंधन और योजना की कमी के कारण बाजार, होटल, रेस्टोरेंट और सप्लाई सिस्टम में होती है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के आंकड़ों के अनुसार भारत में सालाना करीब 7.82 करोड़ टन खाना बर्बाद कर दिया जाता है। देश का हर व्यक्ति साल में 55 किलोग्राम खाना बेकार कर देता है, जिसकी कीमत करीब 10.69 लाख करोड़ रुपये होती है। हमें सोचना चाहिए कि भोजन की बर्बादी का दर्द केवल भूख तक सीमित नहीं है। जब हम खाना फेंकते हैं, तो हम उस किसान की मेहनत को भी अनदेखा कर रहे होते हैं, जिसने तपती दुपहरी में खून-पसीना एक किया होता है। साथ ही, उस पानी को भी बर्बाद करते हैं जो सिंचाई में लगता है और उस ऊर्जा की भी अनदेखी कर देते हैं, जो इसे हमारी थाली तक लाने में खर्च होती है। इतना ही नहीं, जब यही खाना कचरे में सड़ता है, तो वह पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाता है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा हर साल 30 मार्च को 'शून्य भोजन बर्बादी दिवस' मनाया जाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि भोजन केवल उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है। इस मौके पर हम रस्म अदायगी करते हैं, लेकिन इसके तुरंत बाद अप्रैल में होने वाली शादियों के मौके पर भोजन को बर्बाद करने में जुटे दिखते हैं। सवाल उठता है कि हम लोग आखिर क्यों इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं लेते हैं? हममें से कितने ही लोग घर पर भोजन मांगने आए व्यक्ति को दुत्कार कर भगा देते हैं, मगर थाली में भोजन बेकार करके फेंकते हुए हमारा मन विचलित नहीं होता।

सवाल उठता है कि एक गंभीर मुद्दे के प्रति हम उदासीन क्यों हैं? आखिर हमें भोजन को बर्बाद करके मिलता क्या है? क्या यह इतना कठिन काम है, जिसे हम कर ही नहीं सकते? इन सवालों का एक ही जवाब है-हमारी सोच की कमी। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

दूसरे राज्यों में भी फैल रहे बंगाल में घुसने वाले घुसपैठिये : हिमंत

इससे खतरे में पड़ती है पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा : मुख्यमंत्री

कोलकाता, एजेंसी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका परिणाम देश के सभी पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा पर प्रभाव डालेगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता बिस्वा सरमा ने कहा कि घुसपैठ जानी-मानी समस्या है, जो पश्चिम बंगाल को परेशान कर रही है। श्री सरमा ने कहा कि ये अवैध घुसपैठिये जो बेरोकटोक पश्चिम बंगाल की सीमा पार कर लेते हैं, वे अक्सर असम, त्रिपुरा और झारखंड जैसे पड़ोसी राज्यों में फैल जाते हैं। इसके बावजूद, तृणमूल कांग्रेस सरकार इस बारे में कुछ नहीं करती। श्री सरमा के अनुसार, यह स्थिति देश की सुरक्षा, विशेष रूप से पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा को गंभीर खतरे में डालती है। उन्होंने कहा कि बंगाल की ममता बनर्जी सरकार अपनी वोट बैंक की

एक जनसभा के दौरान असम के सीएम। (फाइल फोटो)

राजनीति के कारण सीमा पर बाड़ लगाने (फेंसिंग) की परियोजना को जानबूझकर धीमा कर रही है। उन्होंने बताया कि नियोजित 456 किलोमीटर के हिस्से में से केवल 77 किलोमीटर के लिए ही जमीन उपलब्ध करायी गयी है।

पश्चिम बंगाल में गरीबों की नहीं, अमीरों की मदद कर रहीं ममता : राहुल गांधी

कोलकाता/श्रीरामपुर, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एक ही श्रेणी में रखने का प्रयास करते हुए दोनों पर सत्ता के लालच में गरीबों के बजाय अमीरों की मदद करने का आरोप लगाया। गांधी ने हुगली जिले के श्रीरामपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी स्वयं को देशभक्त कहते हैं, लेकिन वह देश को बेच रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गरीबों के बजाय अमीरों की मदद कर रही हैं, वहीं मोदी पूरे देश में यही कर रहे हैं...दोनों का रोजगार के अवसर पैदा करने से कोई लेना-देना नहीं है। दोनों को सत्ता चाहिए, लेकिन जनता के लिए काम नहीं करते। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री जहां भी जाते हैं, लोगों में नफरत और डर फैलाते हैं। देश दो विचारधाराओं के बीच टकराव देख रहा है।

कोलकाता के शहीद मीनार में एक जनसभा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी। फोटो : शुभंकर चक्रवर्ती

मेरे खिलाफ कई मामले दर्ज लेकिन ममता पर नहीं

हुगली जिले के सेरामपुर में में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि नरेन्द्र मोदी नीत सरकार ने उनके खिलाफ कई मामले दर्ज किए हैं, लेकिन तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के खिलाफ कोई मामला नहीं है। दावा किया कि ऐसा इसलिए है, क्योंकि वह भाजपा से सीधे मुकाबला नहीं करती हैं।

अमेठी में महिला इंस्पेक्टर से धक्का-मुक्की

अमेठी, अमृत विचार : गौरीगंज में शनिवार को भाजपा के महिला जनाक्रोश प्रदर्शन के दौरान एक महिला इंस्पेक्टर के साथ अभद्रता और धक्का-मुक्की का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। जानकारी के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ता विपक्ष का पुतला फूंकने की कोशिश कर रहे थे। तभी मौके पर मौजूद महिला थाना प्रभारी कंचन सिंह ने इसे रोकने का प्रयास किया। इसी दौरान कार्यकर्ता विद्यमान तिवारी से उनकी कहासुनी हो गई। आरोप है कि विद्यमान तिवारी ने महिला इंस्पेक्टर के साथ बदसलूकी करते हुए उन्हें पकड़कर पीछे धकेला और धक्का-मुक्की की। इस मामले में अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर वीडियो साझा करते हुए भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि महिला पुलिस का अपमान करने वाले लोग महिलाओं का सम्मान नहीं कर सकते।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **मुख्य परियोजना प्रबंधक, गतिशक्ति, उत्तर रेलवे, लखनऊ** द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा **(दोहरी पैकेट प्रणाली)**, जिसकी बंद होने की तिथि दिनांक **22.05.2026** को **11:30 बजे** तक है, आमंत्रित की जाती है।

निविदा सूचना सं.	02-DyCE-GSU-LKO-2026-27 दिनांक 24.04.2026		
निविदा सं.	02-DyCE-GSU-LKO-2026-27		
कार्य का नाम	गति शक्ति इकाई, उत्तर रेलवे, लखनऊ की परियोजनाओं के लिए सामान्य परामर्शदाता (GC) की नियुक्ति		
अनुमानित लागत	₹3,75,16,227.66	धरोहर राशि	₹3,37,600/-
कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से चौबीस माह		
निविदा डालने का प्रारंभ	08.05.2026		
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	22.05.2026 को 11:30 बजे		
वेबसाइट	www.ireps.gov.in		

नोटः निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाइट पर उपलब्ध है। 1372/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राज्यसभा सभापति को पत्र लिखेगी आम आदमी पार्टी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह ने शनिवार को कहा कि पार्टी राज्यसभा सभापति को पत्र लिखकर उन सात सांसदों को सदन से अयोग्य घोषित करने की मांग करेगी, जिन्होंने एक दिन पहले पार्टी छोड़ने का ऐलान किया था। संजय सिंह ने कहा कि दल-बदल विरोधी कानून स्पष्ट रूप से कहता है कि राज्यसभा और लोकसभा में किसी भी प्रकार का विभाजन या गुटबंदी नहीं हो सकती। इसे कोई कानूनी मान्यता नहीं मिलती, भले ही दो-तिहाई बहुमत हो। उन्होंने कहा कि संविधान की दसवीं अनुसूची और दल-बदल विरोधी कानून दोनों ही राज्यसभा या लोकसभा में किसी भी प्रकार के विभाजन, अलग गुट या धड़े को मान्यता नहीं देते, चाहे दो-तिहाई बहुमत ही क्यों न हो। संजय सिंह ने सात सांसदों के भाजपा में शामिल होने के फैसले को पूरी तरह असंवैधानिक और गैरकानूनी करार देते हुए कहा कि मैं उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा सभापति को इन सातों सांसदों को अयोग्य घोषित करने के लिए पत्र लिख रहा हूं। आप के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा और संदीप पाठक ने पांच अन्य सांसदों के साथ भाजपा में शामिल होने की शुक्रवार को घोषणा की थी।

न्यायपालिका पर भरोसा बनाए रखना हमारा दायित्व

जयपुर, एजेंसी

- जयपुर में रिटायर्ड जजेज के कार्यक्रम में बोले सीजेआई

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि न्यायपालिका और उससे जुड़ी संस्थाओं में जनता का गहरा विश्वास है और इस विश्वास को बनाए रखना सभी का दायित्व है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने यहां 'एसोसिएशन ऑफ रिटायर्ड जजेज' (राजस्थान चैप्टर) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने पूर्व न्यायाधीशों की तुलना 'बावड़ी' से करते हुए उन्हें ज्ञान का भंडार बताया, जो कठिन परिस्थितियों में व्यवस्था

का मार्गदर्शन कर सकते हैं। सीजेआई ने कहा कि जिस प्रकार राजस्थान में बावड़ियां बरसात के मौसम में पानी संचित कर सूखे समय में उपयोगी होती हैं, उसी प्रकार सेवानिवृत्त न्यायाधीश हमारे लिए एक बहुमूल्य संसाधन हैं। लोक अदालतों, मध्यस्थता और सलाहकार भूमिकाओं में उनका अनुभव अत्यंत उपयोगी है। सीजेआई ने कहा कि राष्ट्रीय और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण सहित सभी न्यायिक संस्थाओं को अधिक सतर्क और जागरूक रहने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संबोधन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि लोग न्यायाधीशों के शब्दों को अत्यंत सम्मान के साथ स्वीकार करते हैं, जो न्यायपालिका पर जनता के गहरे विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस विश्वास को बनाए रखना न्यायपालिका की जिम्मेदारी है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने एक शेर की पंक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा, जिसको तूफानों से उलझने की हो आदत, ऐसी कश्ती को समंदर भी दुआ देता है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका को ऐसा कार्य करना चाहिए जिससे जनता का विश्वास न केवल बना रहे बल्कि और मजबूत हो। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ है और यह कानून तथा संविधान की रक्षक है।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मै MUSLIM KHAN पुत्र श्री अब्दुल शकूर खान निवासी –ग्राम लक्ष्मनपुर, पोस्ट– मुजहनी जिला–बलरामपुर सबको सूचित करता हूँ कि मैने अपना नाम बदलकर MOHD MUSLIM KHAN रख लिया है अतः आज से मुझे MOHD MUSLIM KHAN के नाम से जाना पहचाना व माना जाये।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे बचपन का नाम चाहत s/o नमोनारायण है। मैने चाहत नाम से LIC में एक पॉलिसी ले रखी है। मै ग्राम खानपुर पोस्ट सरेनी जिला रायबरेली का निवासी हूं। जबकि मेरे शैक्षिक प्रमाण पत्रों में मेरा नाम अंशुमान s/o नमोनारायण है। उपरोक्त दोनों नाम मेरे ही है।

सूचना

मेरी सर्विस बुक में त्रुटिवश मेरा नाम Ram Kishore अंकित हो गया है जबकि मेरा शैक्षिक अभिलेखो में दर्ज मेरा सही नाम Ram Kishor है इसलिए मेरी सर्विस बुक में मेरा सही नाम Ram Kishor लिखा व पढ़ा जाए। **निवासी 544 /2506 आदर्श नगर बरौरा हुसैन बाडी बालागंज चौक लखनऊ उत्तर प्रदेश** 226003

सूचना

मै ने अपना नाम PREM CHANDRA PRAJAPATI से बदलकर PREM CHAND रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-RAM BACHAN PRAJAPATI ADD-HAFIZPUR, POST-KERMA, MOHAMMADABAD GOHNA, DIST-MAU-276403 (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम SULEIMA BANO से बदलकर SULEMA BANO रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-NASRUDDIN SIDDIQUI R/0-H-No-229/26 SUBATIYA BAGH RAJA BAZAR, CHOWK DIST-LUCKNOW-226003(U.P.)

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे चार पुत्र जुबेर अहमद, जावेद अहमद, जुनैद अहमद, मोहम्मद सुहेल हैं जिसमें से जावेद अहमद के गलत चाल चलन व चरित्र से मैं वह मेरा पूरा परिवार काफी परेशान हो गया है मैं भी इस समय काफी अस्वस्थ व बुजुर्ग हो गया हूँ उनके क्रिया कलाप से मेरा भरोसा उठ गया है इसलिए मैं पूरे होशो हवास में अपने पुत्र जावेद अहमद को अपने संपूर्ण अचल संपत्ति से बेदखल कर रहा हूं उनके द्वारा किये गए किसी भी कृत्य से मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **अब्दुल अहद पुत्र चौधरी निवासी– ग्राम नेवादा थाना छपिया जिला गोण्डा**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम AZIZ AHMAD S/O SALEEM S/O ABDUL KAREEM था जो कि दिनांक 01/04/2026 को अपना नाम बदलकर AJEEJ AHMAD S/O SALEEM AHMAD S/O ABDUL KAREEM रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना और पहचाना जाए। **निवासी मोहल्ला मंसूरगंज थाना दरगाह शरीफ जनपद बहराइच यूपी।**

सूचना

पहले मेरा नाम FIRDAUS था अब मैंने बदलकर अपना नाम FIRDAOS रख लिया है भविष्य में मुझे FIRDAOS के नाम से जाना व पहचाना जाये। W/O MOHAMMAD FAHEEM ANSARI R/O 430/028/002, VEDAN TOLA, MOAZZAM NAGAR, LUCKNOW

सूचना

आवश्यकता है– एकाकी रह रहे व्यक्ति को एक उपयुक्त गृह– सहायिका या सहयोगिनी की तलाश है। **उचित सुविधा – सुरक्षा, सम्पर्क करें:–** 9415086327

सूचना

मैं VASIM पुत्र नसीम, निवासी मोहल्ला–दलीगढ़ी, पो0 व थाना–पुरवा, उन्नाव, उ0प्र0, सबको सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर WASEEM रख लिया है, अतः आज से मुझे WASEEM के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना

काउंसलिंग:– एक उदार एवं परोपकारी होम –विजिट काउंसलर की आवश्यकता हैं, आभार सहित, **संपर्क करें :–** 7897605306

सूचना

पहले मेरा नाम MOHD JURAIJ था अब मैंने बदलकर अपना नाम MOHAMMAD JURAIJ रख लिया है भविष्य में मुझे MOHAMMAD JURAIJ के नाम से जाना व पहचाना जाये S/O MOHAMMAD RASHID R/O 18C/2, KARAMAT KI CHOWKI, G T B NAGAR KARELI, PRAYAGRAJ

सूचना

पहले मेरा नाम MOHD RASHID था अब मैंने बदलकर अपना नाम MOHAMMAD RASHID रख लिया है। भविष्य में मुझे MOHAMMAD RASHID के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O MOHAMMAD AHMAD R/O 18C/2, KARAMAT KI CHOWKI, G T B NAGAR KARELI, PRAYAGRAJ

सूचना

पहले मेरा नाम MOHD RASHID था अब मैंने बदलकर अपना नाम MOHAMMAD RASHID रख लिया है। भविष्य में मुझे MOHAMMAD RASHID के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O MOHAMMAD AHMAD R/O 18C/2, KARAMAT KI CHOWKI, G T B NAGAR KARELI, PRAYAGRAJ

सूचना

पहले मेरा नाम MOHAMMAD FAHEEM ANSARI था अब मैंने बदलकर अपना नाम MOHD FAHEEM ANSARI रख लिया है भविष्य में मुझे MOHD FAHEEM ANSARI के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O MOHAMMAD HANEEF ANSARI R/O 430/28/2, VEDAN TOLA, MOAZZAM NAGAR, LUCKNOW

सूचना

पहले मेरा नाम NUSRAT RASHID था अब मैंने बदलकर अपना नाम NUSRAT रख लिया है भविष्य में मुझे NUSRAT के नाम से जाना व पहचाना जाये। W/O MOHAMMAD RASHID R/O 18C/2, KARAMAT KI CHOWKI, GTB NAGAR KARELI, PRAYAGRAJ

विविध

राजकुमार इंटर कॉलेज के मेधावियों के साथ शिक्षक। ● अमृत विचार

यूपी बोर्ड :राजकुमार इंटर कालेज के छात्रों ने रोशन किया नाम

लखनऊ, अमृत विचार : यूपी बोर्ड परीक्षा परिणाम में राजकुमार इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने अधिक अंकों के साथ विद्यालय का नाम रोशन किया। आलमनगर राजाजीपुरम राजकुमार इंटरकॉलेज के इंटरमीडिएट छात्रों ने 82% अंकों के साथ प्रथम व द्वितीय स्थान एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। वहीं हाईस्कूल में 91% अंकों के साथ विद्यार्थियों ने विद्यालय नाम रोशन किया। शिल्पी, प्राचीर, आदर्श मिश्रा, सार्थक, देवेश सिंह, तुबा सरीफ, खुशी चौरसिया, अक्षत सिंह, आदर्श तिवारी, जानवी मिश्रा, रिया, रिषभ, नव्या, वत्सल, वंश, संध्या, शिवी, अनन्या, वैष्णवी, अभिजय, नव्या गुप्ता, आदित्य भारतीय ने बेहतर अंक प्राप्त किये।

लखनऊ मॉडल पब्लिक इंटर कॉलेज सूर्य नगर शाखा, राजाजीपुरम के मेधावी शिक्षकों के साथ। ● अमृत विचार

लखनऊ मॉडल पब्लिक इंटर कॉलेज के छात्रों ने लहराया परचम

लखनऊ, अमृत विचार : यूपी बोर्ड परीक्षा के परिणाम में लखनऊ मॉडल पब्लिक इंटर कॉलेज सूर्य नगर शाखा, राजाजीपुरम के छात्र एवं छात्राओं ने लखनऊ का नाम रोशन किया। यूपी बोर्ड इंटर के छात्र अभय निषाद ने 84% अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। सक्षम कुमार 82% अंक पाकर दूसरे स्थान पर रहे। हिमांशु सिंह ने 80.6% अंक के साथ तीसरा प्राप्त किया। नव्या सोनी 80.6%, रेणुका पाल 79.6%, खुशी कुमारी 79.4%, प्रांजल शुक्ला 77.4%, यशी मिश्रा 77.4%, दीपिका कुशवाहा 77.2%, आदर्श तिवारी 76.8% अंक प्राप्त किये। हाईस्कूल में शिवम 81% अंक के साथ प्रथम, वैष्णवी को 80.17% अंक के साथ दूसरा स्थान मिला। प्रिया शर्मा को 79.85% अंक मिले। विद्यालय के प्रबंधक अवधेश कुमार सिंह, उपनिदेशक डॉ अमित सिंह, प्रधानाचार्या वेनिका शर्मा व शिक्षकों ने सफल छात्रों को बधाई दी।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का स्वागत करते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी बाबा साहब की जयंती

लखनऊ, अमृत विचार : ऑल इंडिया एससी एसटी रेलवे एम्पलाइज संगठन सवारी डिब्बा कारखाना आलमबाग प्रांगण में भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का रेलवे यूनियन एम्प्लाइज के राष्ट्रीय महामंत्री व जोनल अध्यक्ष ने फूलमाला पहनकर स्वागत किया। ऑल इंडिया रेलवे एम्पलाइज रेलवे कारखाना प्रांगण में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर भारतीय संविधान के जन्मदाता हैं। बाबा साहब ने समाज की जागरूकता के लिए अनेक बेहतर कार्य किये। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय महामंत्री अशोक कुमार, जोनल अध्यक्ष प्रेम सिंह यादव, नॉर्दर्न जोन पदाधिकारी, मुख्य कारखाना प्रबंधक वीरेंद्र सिंह यादव, मंडल सचिव राजेश कुमार के अलावा बड़ी संख्या में पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

बहराइच में वाहन ने ई-रिक्शा में मारी टक्कर, तीन की मौत

बलहा, बहराइच, अमृत विचार : गैस सिलेंडर लेने ई-रिक्शा से जा रहे एक परिवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में दो युवकों और पांच माह के मासूम सहित तीन लोगों की मौत हो गई। ई-रिक्शा में सवार बच्चे की मां भी गंभीर रूप से घायल हो गई है। घटना शनिवार दोपहर की है।

ई-रिक्शा पर कौवाभारी लक्ष्मणपुर मटेही निवासी मौजी लाल (42) अपने भाई की पत्नी अंजना और पांच माह के बच्चे सतगुरुपाल (पुत्र मंजीत पाल) के साथ नानपारा गैस सिलेंडर लेने जा रहे थे। तभी पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। इस टक्कर में मौजी लाल, मासूम सतगुरुपाल और ई-रिक्शा चालक शकील (33) की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस और एम्बुलेंस रजवपुर मोड़ पर पहुंची। तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नानपारा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घायल अंजना देवी का प्राथमिक उपचार जारी है। इस संबंध में चौकी इंचार्ज गुरुगुट्टा, सुरपति त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

तेलंगाना से गायब ट्रक ढाबे पर मिला

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : तेलंगाना से गायब ट्रक एक ढाबे पर मिला। तेलंगाना पुलिस ने एक लापता ट्रक को लेकर अलर्ट जारी किया था। रामसनेहीघाट पुलिस ने मुनमुन ढाबे के पास खड़े एक ट्रक की जांच की तो खुलासा हुआ कि यही वह वाहन है जिसकी तलाश तेलंगाना पुलिस को है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबन्द "खुली निविदा" वरिष्ठ मण्डल सिग्नल एवं दूरसंचार, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है :–

नि. सूचना संख्या : 33 वर्ष 2026, **कार्य का विवरण :** 218C (GAU-BV), 197 B-2 (BST-ORW), 181/B-2 (MND-ORW) पर प्रस्तावित LHS के संबंध में और LC संख्या 191 C (MND-ORW), 220 C (BV-GAU) और 162 Spl (DMG) को बंद करने के संबंध में S&T केबल स्थानांतरण कार्य और सर्किट परिवर्तन, **अनुमानित लागत :** ₹ 3,18,62,785.97, **बयाना राशि :** ₹ 6,37,300.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** ₹ 00.00, **कार्य समापन अवधि :** 09 माह।

नि. सूचना संख्या : 34 वर्ष 2026, **कार्य का विवरण :** LJN डिवीजन में गोरखपुर जंक्शन स्टेशन प्लेटफॉर्म-2, 8 और 9 में ओवरएज्ड कोच गाइडेंस और अन्य यात्री सुविधाओं की प्रणाली को नए IPIS आधारित नवीनतम संस्करण 2.0 से बदलना, **अनुमानित लागत :** ₹ 3,52,44,248.21, **बयाना राशि :** ₹ 7,04,900.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** ₹ 00.00, **कार्य समापन अवधि :** 04 माह।

(1) निविदाओं के बन्द होने की अंतिम तिथि एवं समय : 19.05.2026 को 15.00 बजे।

नोट :- इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल ऑफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु, कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट http://www.ireps.gov.in को देखें। वमसिदूई/पूउरे/मुजाधि/सिगनल-18 लखनऊ

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रायबरेली

पत्रांक / के0जी0बी0वी0 /270–73 /2026–27 दिनांक: 25–4–26

विज्ञप्ति

एतत् द्वारा सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य परियोजना कार्यालय के पत्रांक–8989/2025–26 दिनाँक 19.02.2026 के अनुपालन में समस्त के.जी.बी.वी. विद्यालयों में खाद्यान्न एवं दैनिक उपयोग की सामग्री तथा स्टेशनरी के क्रय हेतु जेम पोर्टल के माध्यम से करने के निर्देश दिए गए है। जिसके क्रम में जिलाधिकारी महोदया, रायबरेली के अनुमोदनोपरान्त जेम पोर्टल के माध्यम से बिड अपलोड कर दी गयी जिसकी बिड सं0–GEM/2026/B/7470339 - GEM/2026/B/7471042 है। समस्त निविदादाता को उक्त बिड हेतु आमंत्रित किया जाता है।

(राहुल सिंह)
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
रायबरेली

कार्यालय नगर पालिका परिषद, रायबरेली

पत्रांक 1814/न0पा0परि0राय0/रा0अनु0/2026–27/ दिनांक: 25/04/2026

अल्प-कालीन ई-दर आमंत्रण सूचना

एतद द्वारा सेवा प्रदाता व्यक्तियों/फर्मो/एजेन्सियों से नगर पालिका परिषद रायबरेली सीमान्तर्गत आवारा पशुओं को पकड़ने व निर्देशानुसार गौशाला तक पहुँचाने के सम्बन्ध में दिनांक–11/05/26 को अपरान्ह 03: 00 बजे तक सीलबंद लिफाफे में दरें आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन अपरान्ह 04: 00 बजे तक उपस्थित दर में दाताओं / उनके प्रतिनिधियो की उपस्थिति में खोली जायेंगी। समयोपरान्त प्राप्त प्रस्तावों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। दर सम्बन्धी प्रस्तावों को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, रायबरेली में निहित होगा। कार्य से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस में परिषद के राजस्व अनुभाग से प्राप्त की जा सकती है।

कार्य विवरण

क्र0 सं0	कार्य का नाम	पशुओं को पकड़ने की दर (प्रति पशु अंको व शब्दों में स्पष्ट रूप से अंकित करें।
01	नगर पालिका परिषद रायबरेली सीमान्तर्गत पालिका के कैटिल कैचर वाहन के माध्यम से पशुओं को पकड़ने व निर्धारित गौशाला तक पहुँचाने का कार्य	

नियम व शर्ते– 1. सम्बन्धित दर दाता/फर्म / एजेन्सी को पैन कार्ड व जीएसटी पंजीयत की छायाप्रति संलग्न कराना होगा। 2. निर्धारित तिथि व समय के उपरान्त प्राप्त दरों/प्रस्तावो पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। निर्धारित तिथि पर यदि कोई अवकाश घोषित हो जाता है तो उक्त प्रक्रिया अगली तिथि में निर्धारित समय पर सम्पन्न होगी। 3. वर्णित कार्य विभागीय अधिकारीयों के निर्देशों के अनुरूप होगा। 4. कैटिल कैचर वाहन मय ईंधन व चालक नगर पालिका परिषद रायबरेली द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा। पशुओं को पकड़ने, लादने व उतारने का कार्य सम्बन्धित दर दाता के श्रमिको द्वारा किया जायेगा। उक्त कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता करने पर उत्तरदायित्व सम्बन्धित फर्म की होगी। 5. दो व्यक्तियों की दरें समान होने पर निगोशियेशन के माध्यम से अंतिनिर्णय लिया जायेगा। 6. दरे स्वीकृत होने के अपरान्त दर दाता को कार्यालय में रु0 25,000.00 मात्र का एफ.डी.आर. जो अधिशाषी अधिकारी के पदनाम से बंधक होगा एवं रू0 100.0 के स्टाम्प पर अनुबंध कराना अनिवार्य होगा।

(स्वर्ण सिंह)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, रायबरेली

(शत्रोहन सोनकर)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, रायबरेली

अमृत विचार
लखनऊ, रविवार, 26 अप्रैल 2026
www.amritvichar.com
कारोबार

एक्सिस बैंक का लाभ घटकर 7,071 करोड़ रुपये

मुंबई। निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 7,071 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है जो सालाना आधार पर 0 .6 प्रतिशत कम है। बैंक के निदेशकमंडल की शनिवार सुबह हुई बैठक में वित्तीय परिणामों को मंजूरी प्रदान की गयी। प्रति इक्विटी शेयर एक रुपये के लाभांश के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की।

बिजनेस ब्रीफ

टाटा स्टील ने नोटिस के खिलाफ दायर किया पुनरीक्षण आवेदन

मुंबई। टाटा समूह की इस्पात कंपनी टाटा स्टील ने झारखंड के रामगढ़ जिला खनन कार्यालय (डीएमओ) के 1,755 करोड़ के नोटिस को चुनौती देते हुए केंद्रीय कोयला मंत्रालय के पास पुनरीक्षण के लिए आवेदन दिया है। कंपनी को यह नोटिस वित्त वर्ष 2000-01 से 2006-07 के बीच उसकी पश्चिमी बोकारो कोयला खदान में तय सीमा से अधिक अयस्क कोयला खनन के लिए जारी किया गया है। आरोप है कि कंपनी ने इस दौरान सीमा से 1,62,40,399 टन ज्यादा अयस्क कोयला निकाला था। इसके लिए उससे 1755 करोड़ 10 लाख 54 हजार 29 रुपये की मांग की गयी है। यह नोटिस उसे 03 अप्रैल को प्राप्त हुआ था जिस पर 30 मार्च की तारीख है। कंपनी ने शुक्रवार देर रात शेयर बाजार को डीएमओ रामगढ़ के नोटिस के खिलाफ दायर आवेदन की जानकारी देते हुए कहा कि इस मांग में अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया गया है और इसका कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है।

एटीसी सेवाओं के प्रस्तावित निजीकरण पर जताई चिंता

मुंबई। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरों के निकाय एटीसेपा ने हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) सेवाओं के प्रस्तावित निजीकरण पर चिंता जताई की है। निकाय का कहना है कि एक स्वायत्त नियामक संस्था स्थापित किए बिना प्राधिकरण से नियंत्रण हटाना एक ऐसा नीतिगत निर्णय माना जा सकता है, जो भारत की राष्ट्रीय रणनीतिक क्षमताओं को कमजोर करता है। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू को 23 अप्रैल को लिखे पत्र में, एयर ट्रैफिक सेफ्टी इलेक्ट्रॉनिक पर्सनल एसोसिएशन (इंडिया) के महासचिव वाई पी गौतम ने कहा कि इस मामले पर उच्चतम नीतिगत स्तर पर तत्काल पुनर्विचार की आवश्यकता है।

तीन गुना बढ़कर 230 करोड़ हुआ आरबीएल बैंक का मुनाफा

मुंबई। आरबीएल बैंक का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकल आधार पर शुद्ध लाभ तीन गुना से अधिक बढ़कर 230 करोड़ रुपये रहा। निजी क्षेत्र के इस बैंक का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 69 करोड़ रुपये था। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में बैंक का शुद्ध लाभ 18 प्रतिशत बढ़कर 822 करोड़ रुपये रहा। एक बयान के अनुसार, जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) सात प्रतिशत बढ़कर 1,671 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान अवधि में 1,563 करोड़ रुपये थी। हालांकि, बैंक का शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) घटकर 4 .41 प्रतिशत रह गया।

शेयर बाजार का सफर लंबा व विश्वस्तरीय

सेबी के समारोह में बोलीं वित्त मंत्री सीतारमण- बिखरी निगरानी से रीयल-टाइम पर्यवेक्षण तक आयी बाजारों की यात्रा

मुंबई, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत के प्रतिभूति बाज़ार की विकास यात्रा में बड़ी उपलब्धियों को को रेखांकित करते हुए कहा कि यह यात्रा उल्लेखनीय रही है और भारतीय बाजार आज एक मज़बूत, प्रौद्योगिकी-आधारित और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी पारिस्थितिकी तंत्र में सबसे अच्छे बाजारों में एक है।

वित्त मंत्री ने विश्वास और ईमानदारी को बाजार की अदृश्य लेकिन सबसे अहम अवसंरचना बताते हुए बाजार विनियामक सेबी से कदाचार के विरुद्ध बहुत कठोर रुख अपनाने को कहा।

श्रीमती सीतारमण ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के 38वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय बाज़ारों की यात्रा पारंपरिक ट्रेडिंग रिंग से निकल कर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक ऑर्डर बुक तक, भौतिक शेयर प्रमाणपत्रों से पूर्ण डीमैटेरियलाइजेशन तक, और बिखरी हुई निगरानी से रीयल-टाइम नियामकीय पर्यवेक्षण तक पहुंच गयी है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारतीय वित्तीय बाज़ारों का विकास विभिन्न चुनौतियों और अस्थिरता के दौर से हुआ है, जिसने नियमन और बाज़ार अवसंरचना को मज़बूत बनाया। इन अनुभवों से सीखते हुए देश ने बेहतर संस्थान और परिपक्व वित्तीय प्रणाली विकसित की है। उन्होंने बताया कि सेबी की प्रभावशीलता उसके अधिकारों से अधिक उनके अनुशासित क्रियान्वयन में निहित है।

भारत ने जनवरी 2023 में सभी सूचीबद्ध प्रतिभूतियों के लिए टी 1 (ट्रेड प्लस वन) सेटलमेंट चक्र लागू कर वैश्विक नेतृत्व दिखाया, जिससे लेनदेन एक कार्यदिवस में पूरा हो जाता है। इसे अमेरिका ने 2024 में अपनाया।

इसके अलावा, एएसबीए प्रणाली ने आईपीओ प्रक्रिया को सरल बनाते हुए निवेशकों के धन को केवल आवंटन तक ही ब्लॉक रखने की सुविधा दी। सेबी और एनपीसीआई के सहयोग से यूपीआई के माध्यम से आईपीओ आवेदन संभव हुआ, जिससे खुदरा निवेशकों की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

उन्होंने कहा कि देश की डिपॉजिटरी प्रणाली भी अत्यंत उन्नत है, जहां बड़ी मात्रा में डीमैट प्रतिभूतियाँ सुरक्षित हैं। सेबी की कानूनी मजबूती उसके उच्च सफलता दर से भी स्पष्ट होती है। वित्त वर्ष 2025-26 में 366 आईपीओ के माध्यम से लगभग 1.9 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए, जो मजबूत नियामकीय ढांचे का परिणाम है।

हालांकि, मंत्री ने चेतावनी दी कि बढ़ती निवेशक भागीदारी के साथ जागरूकता भी जरूरी है। बिना समझ के निवेश जोखिमपूर्ण हो सकता है, इसलिए निवेशक संरक्षण को और सशक्त बनाना होगा। उन्होंने कहा कि नियमन अत्यधिक कठोर न होकर पारदर्शी और पूर्वानुमानित होना चाहिए।

उन्होंने विश्वास और ईमानदारी को वित्तीय बाज़ारों की आधारशिला बताते हुए कहा कि निष्पक्षता, पारदर्शिता और प्रभावी प्रवर्तन से ही निवेशकों का भरोसा कायम रहता है। साथ ही, अपंजीकृत वित्तीय सलाहकारों और भ्रामक इन्फ्लुएंसर्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई तथा मजबूत शिकायत निवारण तंत्र की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

मुंबई में सेबी के 38वें स्थापना दिवस समारोह में अभियान 'जागरूक' का शुभारंभ करतीं वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण। साथ खड़े हैं सेबी के चेयरमैन तुहिनकांत पांडेय।

किया आगाह-साइबर सुरक्षा को लेकर अत्यंत सतर्क रहें वित्तीय संस्थाएं

मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को वित्तीय क्षेत्र में विनियमित संस्थाओं से साइबर सुरक्षा जोखिमों के प्रति अत्यंत सतर्क रहने का आग्रह किया। सीतारमण ने कहा कि किसी भी शेयर बाजार या अभिरक्षक संस्था (डिपॉजिटरी) पर एक भी साइबर हमला आर्थिक गतिविधियों को बाधित कर सकता है और आम लोगों के विश्वास को प्रभावित कर सकता है। कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित नए और उन्नत उपकरणों के आने से स्वचालित साइबर हमलों का खतरा बढ़ा है, जिससे साइबर सुरक्षा की आवश्यकता और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। सीतारमण ने कहा कि केवल सेबी ही नहीं, बल्कि सभी विनियमित संस्थाओं को अत्यंत सतर्क रहना होगा। हमले के तरीके तेजी से विकसित हो रहे हैं और बचाव के साधनों को उससे भी अधिक तेजी से विकसित करना होगा।

आयोग ने उठाया रोजगार कौशल में वृद्धि का बीड़ा

कारोबार डेस्क, कानपुर

अमृत विचार। केंद्र सरकार ने शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता के बीच संबंध मजबूत करने के लिए नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की अध्यक्षता में 'शिक्षा से रोजगार और उद्यम (ईईई) की जिस उच्च स्तरीय स्थाई समिति का गठन किया है, उससे बेरोजगारी दर में कमी आने की संभावना है।

यह समिति शिक्षा और रोजगार के बीच की खाई को पाटने के लिए समग्र और समन्वित उपायों की सिफारिश करेगी। सरकार का यह कदम उस चिंता के बीच आया है, जिसमें स्नातकों की बेरोजगारी बढ़ने के साथ उद्योग जगत के पास कौशल की कमी की शिकायत की गई थी। इसके साथ ही जिस तरह इस समय कंपनियां तेजी से ऑटोमेशन और आर्टिफिशिल इंटेलिजेंस की ओर बढ़ रही हैं, उससे कई तरह के पदों में छंटनी के साथ नए तकनीकी कौशल की मांग बढ़ रही है।

मोदी सरकार ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बनाए गए पैनल को विकास दर में वृद्धि, रोजगार व निर्यात को बढ़ावा देने वाले प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करने का काम सौंपा था।

इस पैनल की रिपोर्ट के बाद ही 'शिक्षा से रोजगार और उद्यम' के लिए उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है। इस उच्चस्तरीय स्थाई समिति में फेडरेशन ऑफ इंडियन माइक्रो एंड स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज (एफआईएसएमई) को भी नामित किया गया है। समिति सेवा उपक्षेत्रों में आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और निर्यात आय की उच्च क्षमता वाले क्षेत्रों में मौजूद कमियों का भी आकलन करेगी। साथहीउभरती प्रौद्योगिकियों, विशेष रूप से एआई के कारण रोजगार और कौशल पर पड़ने वाले प्रभाव का मूल्यांकन करके उपाय सुझाएगी।

- विकसित भारत-2047 के लिए शिक्षा से रोजगार और उद्यम की उच्चस्तरीय स्थायी समिति गठित
- कंपनियों के ऑटोमेशन व एआई से छंटनी के खतरे के साथ नए तकनीकी कौशल की बढ़ी मांग
- समिति उन चुनौतियों की पहचान करेगी जो रोजगार और उद्यमिता की राह में बाधक हैं

समिति में इन लोगों को मिला है स्थान

समिति में श्रम और रोजगार, कौशल विकास व उद्यमिता, सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन और इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी जैसे केंद्रीय मंत्रालयों के सचिवों के अलावा वाणिज्य, आर्थिक मामले, उच्च शिक्षा, स्कूली शिक्षा और साक्षरता सहित प्रमुख विभागों के सचिवों के साथ आंध्र प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव भी शामिल किए गए हैं। समिति में नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनीज (नैसकॉम), भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की), भारतीय सूक्ष्म व लघु और मध्यम उद्यम परिसंघ (एफआईएसएमई), सेवा निर्यात संवर्द्धन परिषद (एसईपीसी) और तिरुपुर निर्यातक संघ को भी स्थान दिया गया है। शिक्षा क्षेत्र से इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) और और शिव नादर यूनिवर्सिटी के संकाय को जगह मिली है।

सरकारी नौकरियों पर न रहें निर्भर, उद्यमिता अपनाएं वंचित समुदाय : जितेंद्र सिंह

जम्मू, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को वंचित समुदायों से पारंपरिक रूप से सरकारी नौकरियों पर निर्भरता से आगे बढ़कर उद्यमिता को अपनाने का आह्वान किया। श्री सिंह ने यहां अंबेडकर चैंबर ऑफ कॉमर्स की जम्मू-कश्मीर शाखा के उद्घाटन के अवसर पर अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य कमजोर वर्गों में उद्यमिता की सोच और निवेश आधारित दृष्टिकोण विकसित करने पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री सिंह ने लोगों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाकर टिकाऊ आर्थिक वृद्धि और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार ने कमजोर वर्गों, विशेषकर अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए शुरुआती स्तर से ही सहयोग और समर्थन की व्यापक व्यवस्था की है। इन वर्गों के लोगों को केवल सरकारी नौकरियों पर निर्भर रहने के बजाय उद्यमिता और व्यवसाय विकास के अवसरों की ओर भी कदम बढ़ाना चाहिए।

जितेंद्र सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार ने समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए कई लक्षित योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने जन धन योजना को वित्तीय समावेशन की पहल और मुद्रा योजना को ऋण उपलब्धता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

उन्होंने पारंपरिक कारीगरी के संरक्षण और स्थायी आजीविका के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से शुरू की गई विश्वकर्मा योजना का भी उल्लेख किया।

श्री सिंह ने कहा कि आंकड़े इन योजनाओं के दलितों और अन्य वंचित वर्गों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान पर सकारात्मक प्रभाव को दर्शाते हैं।

वैश्विक तनाव से उत्तराखंड के उद्योगों पर गंभीर प्रभाव

आयात-निर्यात की बाधाओं से प्रभावित हो रहे उद्योग, बढ़ रही अनिश्चितता

कुंदन बिष्ट, काशीपुर

अमृत विचार: अमेरिका–ईरान युद्ध जैसे अंतर्राष्ट्रीय तनावपूर्ण हालातों का असर जहां देश के कई हिस्सों में अलग-अलग हिसाब से पड़ रहा है तो प्रदेशीय स्तर पर पर्वतीय राज्य उत्तराखंड भी इससे अछूता नहीं है। विशेष रूप से उत्तराखंड के मैदानी इलाकों में स्थित औद्योगिक क्षेत्रों-काशीपुर, रुद्रपुर, सितारगंज, हरिद्वार और देहरादून के उद्योग अनिश्चितता, महंगे कच्चे माल, परिवहन लागत में वृद्धि और निर्यात-आयात बाधाओं से प्रभावित हैं।

कुमाऊं गढ़वाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केजीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष एवं उद्योगपति राजीव घई ने इस संबंध में शनिवार को 'अमृत विचार' से बातचीत में कहा कि, मध्य पूर्व क्षेत्र में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आता है, जिससे डीज़ल, पेट्रोल, बिजली, परिवहन एवं उत्पादन लागत सीधे बढ़ जाती है। इसका सबसे अधिक असर लघु, मध्यम एवं निर्यात आधारित उद्योगों पर पड़ता है, जो पहले से ही प्रतिस्पर्धा और वित्तीय दबाव झेल रहे हैं। क्रूड आयल की कमी से उद्योगों के लिए आवश्यक ग्रीस, लुब्रिकेंट, ट्रांसफार्मर तेल आदि की कीमतें बहुत बढ़ गई। साथ ही, उनकी उपलब्धता में भी बहुत कमी आ गई है। विदेश से निर्यात होने वाले मेटल, केमिकल की उपलब्ध बहुत महंगाई के साथ हो पा रही है। दवाईयों से संबंधित फैक्ट्रियां बहुत प्रभावित हैं।

उद्योगपति घई कहते हैं कि उत्तराखंड के उद्योगों में ऑटो पार्ट्स, फार्मा, पैकेजिंग, खाद्य प्रसंस्करण, प्लास्टिक, पेपर एवं इंजीनियरिंग इकाइयां प्रमुख हैं। इन क्षेत्रों में कच्चे माल की लागत बढ़ने, कंटेनर भाड़ा महंगा होने और विदेशी बाजारों में मांग घटने से उत्पादन प्रभावित हो रहा है।

यदि स्थिति लंबी चली तो रोजगार पर भी असर पड़ना स्वाभाविक है।

उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार से मांग की कि उत्तराखंड के उद्योगों को राहत देने के लिये बिजली दरों में स्थिरता, ब्याज सहायता, निर्यात प्रोत्साहन, परिवहन सब्सिडी और एमएसएमई इकाइयों के लिए विशेष पैकेज घोषित किया जाए, ताकि उद्योगों का मनोबल बना रहे और रोजगार सुरक्षित रह सके।

- सरकार को उद्योगों के लिए राहत पैकेज देना चाहिए : राजीव घई

केजीसीसीआई के अध्यक्ष पवन अग्रवाल ने बातचीत में कहा कि, खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध को लेकर उद्योगों के सामने गंभीर संकट पैदा हो गया है। पेट्रोलियम आधारित पदार्थों के दामों में बढ़ोतरी हुई है। कोयला खरीदना भी महंगा हो गया है। कोयले के रेट भी बढ़ गए हैं। कंटेनरों का भाड़ा बढ़ गया है। बंदरगाहों से कंटेनर आने में काफी समय लग रहा है। उनका कहना है कि केजीसीसीआई ने भारत और राज्य सरकारों से इन समस्याओं के शीघ्र निस्तारण की मांग की है।

गर्मी से 252 गीगावाट पर पहुंची बिजली की मांग

नयी दिल्ली, एजेंसी। भीषण गर्मी के बीच कूलिंग उपकरणों, जैसे एयर कंडीशनर और कूलर के बढ़ते उपयोग के कारण देश में बिजली की अधिकतम मांग शुक्रवार को रिकॉर्ड स्तर 252.07 गीगावाट पर पहुंच गई, जो अब तक का सर्वाधिक स्तर है। बिजली मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले मई 2024 में अधिकतम बिजली मांग 250 गीगावाट दर्ज की गई थी। मंत्रालय के अनुसार, 24 अप्रैल को देश की अधिकतम बिजली मांग 252.07 गीगावाट रही, जबकि 23 अप्रैल को यह 240.12 गीगावाट और 22 अप्रैल को 239.70 गीगावाट दर्ज की गई थी। सरकार ने इस गर्मी के मौसम में अधिकतम बिजली मांग 270 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान लगाया था।

सिंधिया ने की एमपी में अदाणी के 2,500 करोड़ के रक्षा उपकरण संयंत्र की घोषणा

गुना (मप्र), एजेंसी

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को कहा कि उनके संसदीय क्षेत्र के कोलारस में अदाणी समूह 2,500 करोड़ रुपये की लागत से रक्षा उपकरण विनिर्माण संयंत्र स्थापित करेगा। संचार मंत्री सिंधिया ने शिवपुरी-कोलारस क्षेत्र के दौरे के दौरान कहा कि इस संयंत्र से लगभग 2,000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। यह संयंत्र यहां से करीब 70 किलोमीटर दूर कोलारस के पास कोटा हाईवे और मुंबई-ग्वालियर हाईवे के जंक्शन पर अगले दो महीनों में स्थापित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही औद्योगिक विकास की मांग पूरी होगी। सिंधिया ने कहा कि इस इकाई में निर्मित रक्षा उपकरण देश की सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत करने में योगदान देंगे।

कैट ने किया पेटीएम पेमेंट्स बैंक का लाइसेंस रद्द करने का स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी

अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (कैट) ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा पेटीएम पेमेंट्स बैंक का लाइसेंस रद्द करने के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे जनहित में उठाया गया कदम बताया है।

कैट ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि यह सख्त कार्रवाई देश के उन करोड़ों लोगों की मेहनत की कमाई की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, जिन्होंने इस संस्था पर विश्वास कर अपना पैसा जमा किया था। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री और लोकसभा सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि आरबीआई का यह आदेश बार-बार नियमों की अनदेखी, प्रबंधन संबंधी विफलताओं तथा केंद्रीय बैंक के निर्देशों की अवहेलना के बाद आया है। साल 2024 में भी आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक की बैंकिंग गतिविधियों पर कड़े प्रतिबंध लगाये थे, लेकिन संस्था आवश्यक सुधार करने में विफल रही।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भरतिया ने पेटीएम के प्लेटफॉर्म के माध्यम से वर्षों में एकत्र किये गये विशाल वित्तीय एवं उपभोक्ता डाटा के प्रबंधन, भंडारण आदि की व्यापक जांच की मांग की।

पेमेंट बैंक पर कार्रवाई का पेटीएम पर असर नहीं

नयी दिल्ली। भारत की अग्रणी भुगतान ऐप पेटीएम (वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड) ने कहा कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर आरबीआई की कार्रवाई का कंपनी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि पीपीबीएल स्वतंत्र रूप से काम करता है और इसमें पेटीएम का कोई बोर्ड या प्रबंधन हस्तक्षेप नहीं है। पेटीएम ने कहा कि पेटीएम और उसकी सेवाएं, बिना किसी रुकावट के चल रही हैं, और आगे भी निर्बाध रूप से जारी रहेंगी।

कारोबार डेस्क

क्रेडिट कार्ड लेते ही मत कर देना ये गलतियां

डिजिटल दौर में यदि जेब में क्रेडिट कार्ड है तो ये केवल महज कार्ड नहीं, बल्कि आपके खर्च करने की ताकत है। ऑनलाइन शॉपिंग, ईएमआई और इमरजेंसी खर्च आसान लगने लगता है। लेकिन लेकिन जरा सी असावधानी आपके लिए समस्या पैदा कर सकती है और यह आपको कर्ज के मकड़ जाल में फंसा सकती है।

ध्यान रखें!

असल में पहली बार क्रडिट कार्ड लेने वाले सबसे ज्यादा गलती करते हैं। वही गलती बाद में भारी ब्याज, लेट फीस में बदल जाती है और सिबिल स्कोर खराब कर देती है। ऐसे में यदि आपने नया क्रेडिट कार्ड लिया है या पहला कार्ड लेने जा रहे हैं, तो पहले ये 5 बातें जानना आपके लिए जरूरी है-

क्या करें-

- हमेशा पूरा बिल एक बार में ही भरने का प्रयास करें।

कितनी लिमिट करें खर्च

- यदि कार्ड की लिमिट 50 हजार है तो पूरा खर्च करना सही नहीं है। इससे क्रेडिट स्कोर पर असर पड़ सकता है।
- **सही अनुपात :** लिमिट का 30%-40% तक उपयोग करें

महंगा पड़ सकता है एटीएम से कैश निकालना

- Credit Card से कैश विड्रॉल सुविधा होती है। आपातकालीन स्थिति के अतिरिक्त एटीएम से नकदी निकालने से बचना चाहिए।
- कैश एडवांस फ्री लग सकता है। इंट्रस्ट तुरंत शुरू हो सकता है। रिवार्ड बेनेफिट्स नहीं मिलते हैं। कैश की जरूरत हो तो कोई अन्य विकल्प चुनें।

रिवार्ड के चक्कर में ज्यादा खर्च न करें

- पहले जरूरत देखें, रिवॉर्ड बाद में। क्योंकि अक्सर नए लोग कैशबैक और रिवार्ड ऑफर के चक्कर में जरूरत से ज्यादा खच कर बैठते हैं। बाद में बिल चुकाना भारी लगता है और शुरू हो जाता है भारी ब्याज और पेनाल्टी का चक्कर।
- Due Date भूलना सबसे महंगा साबित हो सकता है। एक दिन की देरी भी नुकसान कर सकती है। इसलिए ड्यू डेट से तीन दिन पहले ही जमा कर दें बिल।

क्रेडिट कार्ड से क्यों फंसते हैं लोग

- जब आप स्वैप करते हैं तो पैसा तुरंत नहीं जाता। ऐसे में लोग जरूरत से ज्यादा खर्च कर बैठते हैं। बाद में बिल आता है, तब लगता है जोर का झटका।
- **मिनिमम ड्यूज भरना :** राहत नहीं, जाल है। बिल में दो रकम दिखती हैं। 1-टोटल अमाउंट ड्यू और 2-मिनिमम अमाउंट ड्यू ...बहुत लोग सोचते हैं कि अभी मिनिमम भर देते हैं, बाकी बाद में।
- **मिनिमम ड्यू** भरते हैं, तो बाकी रकम पर भारी ब्याज लग सकता है। कई बार ब्याज दरें बहुत ऊंची होती हैं।

काम की बात

- Credit Card एक शानदार सुविधा है। यदि अनुशासित रहते हुए उपयोग करेंगे तो सुविधा होगी। इसके विपरीत जरा सी चूक से कर्ज और तनाव बढ़ने के साथ ही क्रेडिट स्कोर गिर सकता है। जबकि सही उपयोग से अच्छा credit score बनता है। भविष्य में लोन मिलना आसान हो सकता है और कैशबैक रिवार्ड भी मिलते हैं। असल में यह सिर्फ पेमेंट सुविधा है, इनकम नहीं। इसलिए सुविधा का उपयोग करें मगर ध्यान से।

आयोजन | 20 से अधिक स्टार्टअप ने निवेशकों के सामने रखे अपने नवाचार प्रोजेक्ट

भारत वेंचर्स शिखर सम्मेलन में स्टार्टअप ने पेश किए नए समाधान

जयपुर, एजेंसी

जयपुर में आयोजित भारत वेंचर्स शिखर सम्मेलन में शनिवार को स्टार्टअप ने सूचना एवं प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा, बैंकिंग, वित्त और परिवहन क्षेत्रों में नए समाधान पेश किए। कार्यक्रम में 20 से अधिक स्टार्टअप ने निवेशकों के सामने अपने नवाचार के बारे में बताया।

कार्यक्रम में बैंकिंग और वित्त से जुड़े स्टार्टअप ने फिनटेक मंच, डिजिटल भुगतान समाधान, ब्लॉकचेन-आधारित सुरक्षा प्रणालियों और सूक्ष्म वित्त मॉडल पर ध्यान आकर्षित किया। इनका मकसद दक्षता को और अधिक बढ़ाना है। परिवहन क्षेत्र पर केंद्रित स्टार्टअप ने विद्युत गतिशीलता, कृत्रिम मेधा आधारित यातायात प्रबंधन और हरित परिवहन में नवाचार के बारे में बताया, जिन्हें भविष्य-उन्मुख शहरी ढांचे के लिए अहम माना जा रहा है।

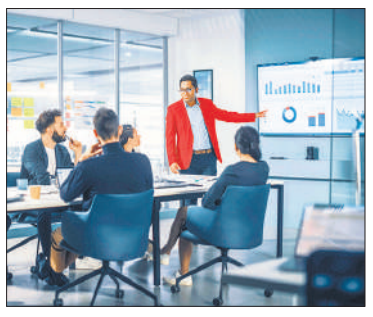

भारत वेंचर शिखर सम्मेलन के दौरान फेडरेशन ऑफ यूनिकॉर्न इनोवेटिव स्टार्टअप्स एंड इंडस्ट्रीज (एफयूआईएसआई) के पदाधिकारियों का स्थापना समारोह भी हुआ, जिसमें शोधकर्ताओं, नवप्रवर्तकों और उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

- भारत वेंचर के चेयरमैन डॉ. संजय खंडेलवाल बोले- भारत की आर्थिक वृद्धि के प्रमुख इंजन हैं स्टार्टअप

पोद्दार ग्रुप और एफयूआईएसआई के चेयरमैन आनंद पोद्दार ने कहा कि संस्था का लक्ष्य 10,000 स्टार्टअप को सलाह, अनुदान और ज्ञान-साझाकरण पहलों के माध्यम से सहयोग देना है। संगठन का ध्यान नवीकरणीय ऊर्जा, मीडिया तकनीक, हरित अर्थव्यवस्था और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों पर है। भारत वेंचर के चेयरमैन डॉ. संजय खंडेलवाल ने कहा कि स्टार्टअप भारत की आर्थिक वृद्धि के प्रमुख इंजन है। एफयूआईएसआई के माध्यम से निवेश, मार्गदर्शन और तकनीकी समर्थन देकर युवाओं के विचारों को वास्तविकता में बदलने का प्रयास किया जा रहा है।

'फंड ऑफ फंड्स' के दूसरे चरण के दिशा-निर्देश जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने शनिवार को स्टार्टअप के लिए 10,000 करोड़ रुपये की 'फंड ऑफ फंड्स' (एफओएफ) योजना के दूसरे चरण को लागू करने के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि इन दिशानिर्देशों में फंड जारी करने और निगरानी की व्यवस्था शामिल है, जिनका मकसद भारत के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में पूंजी प्रवाह की दक्षता में सुधार करना है। इस योजना को सेबी के साथ पंजीकृत श्रेणी-1 और श्रेणी-2 के वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) के माध्यम से लागू किया जाएगा, जो डीपीआईआईटी द्वारा मान्यता प्राप्त स्टार्टअप में निवेश करेंगे। मंत्रालय ने कहा कि इससे अनुशासित पूंजी आवंटन, निजी निवेश को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

वर्ल्ड ब्रीफ

नौका पर अमेरिकी हमले में दो की मौत

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने पूर्वी प्रशांत महासागर में मादक पदार्थों को ले जा रही एक और नौका पर हमला किया जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। अमेरिकी सेना ने यह जानकारी दी। लातिन अमेरिकी जलक्षेत्र में कथित रूप से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाली नौकाओं को नष्ट करने का अमेरिकी अभियान सितंबर की शुरुआत से जारी है और इसमें अब तक कम से कम 183 लोगों की मौत हो चुकी है। अन्य हमले कैरेबियाई सागर में किए गए हैं। सेना ने इस बात का कोई सबूत नहीं दिया है कि इनमें से किसी भी नौका पर मादक पदार्थ थे। यूएस सदर्न कमांड ने शुक्रवार को किए हमले की जानकारी देते हुए अपने पहले के बयानों को दोहराया और कहा कि उसने ज्ञात तस्करी मार्गों पर कथित मादक पदार्थ तस्करों को निशाना बनाया।

न्यूयॉर्क में परमाणु-5 विशेषज्ञों की बैठक

मॉस्को। रूस के विदेश मंत्रालय के विशेष दूत आंद्रेई बेलौसोव ने कहा है कि न्यूयॉर्क में 2026 परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) समीक्षा सम्मेलन के इतर पांच परमाणु-संपन्न देशों (एन-5) के विशेषज्ञों की एक बैठक की योजना बनायी गयी है। रूसी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख श्री बेलौसोव ने स्पूतनिक से बातचीत में यह पूछे जाने पर कि क्या न्यूयॉर्क में एनपीटी समीक्षा सम्मेलन के इतर परमाणु-5 प्रारूप में विशेषज्ञ स्तर के संपर्कों की योजना है, तो उन्होंने कहा, संबंधित समन्वय चल रहा है, लेकिन अभी तक पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि परमाणु-5 प्रारूप शुरू में एनपीटी समीक्षा प्रक्रिया के एजेंडे के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए बनाया गया था। बेलौसोव ने कहा, इसलिए संधि समीक्षा सम्मेलन पांच परमाणु शक्तियों के बीच संपर्कों के लिये एक स्वाभाविक मंच है।

वैकल्पिक ईंधन की सिफारिश करेगा ईयू

मास्को। यूरोपीय संघ की विमानन सुरक्षा एजेंसी (ईएएसए) कमी होने की स्थिति में मानक यूरोपीय जेट ईंधन जेट ए-1 के विकल्प के तौर पर जेट ए के इस्तेमाल की अनुमति देने के लिए सिफारिश करने पर विचार कर रहा है। नियामक ने रूस की न्यूज एजेंसी आरआईए नोवोस्ती को यह जानकारी दी। फिलहाल इन सिफारिशों को जारी करने के लिए कोई समय-सीमा तय नहीं है। ईएएसए ने कहा कि ज्यादातर ईयू विमानों को जेट ए-1 और जेट ए दोनों पर उड़ान भरने के लिए प्रमाणित किया गया है और अमेरिका से आने वाली उड़ानों में इन दोनों को मिलाकर इस्तेमाल किया जा रहा है।

महारानी गायत्री देवी के सुपर कंप्यूटर की होगी नीलामी

लंदन, एजेंसी

- 17वीं शताब्दी में पीतल से बनाया गया था यह दुर्लभ कंप्यूटर

जयपुर की महारानी गायत्री देवी के संग्रह से प्राप्त 17वीं शताब्दी में पीतल से बने एक दुर्लभ खगोलीय सुपरकंप्यूटर (एस्ट्रोलैब) को अगले सप्ताह लंदन में सोथबी नीलामीघर में नीलाम किया जाएगा। बुधवार को होने वाली नीलामी में यह सुपरकंप्यूटर 'इस्लामिक जगत एवं भारत की कला' का मुख्य आकर्षण है।

इसे इस सप्ताहांत प्रदर्शित किया गया था और इसकी अनुमानित कीमत 15 से 25 लाख पौंड के बीच है। वर्ष 1612 का यह सुपर कंप्यूटर अपनी तरह का सबसे बड़ा कंप्यूटर माना जाता था और इसे लाहौर के एक मुगल रईस के लिए दो भाइयों ने बनाया था। यह जटिल उपकरण महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय के शाही संग्रह का हिस्सा था और बाद में उनकी पत्नी गायत्री देव के पास रहा और फिर निजी संग्रह में चला गया। गायत्री देवी जयपुर की राजमाता थीं।

नीलामी के विवरण में बताया गया, इसे आगा अफजल ने बनवाया था, जो मुगल साम्राज्य के एक बेहद शक्तिशाली सरदार थे और उस समय सम्राट जहांगीर के अधीन लाहौर का प्रशासन संभाल रहे थे।

गेमिंग एप्स का मायाजाल: मनोरंजन की आड़ में ठगी

डिजिटल क्रांति के इस दौर में अब स्मार्टफोन संचार के साथ ही मनोरंजन के बड़े केंद्र बन चुके हैं। इसी मनोरंजन की दुनिया का एक काला पक्ष ऑनलाइन गेमिंग एप्स के रूप में उभर रहा है। गेमिंग एप्स केवल खेल तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि वे एक ऐसे संगठित जाल में बदल चुके हैं जो लोगों को बेवकूफ बनाकर मोटी कमाई कर रहे हैं। मनोरंजन के नाम पर शुरू होने वाला यह सिलसिला कब एक गंभीर लत में बदल जाता है, इसका अहसास तक नहीं होता। यह ठगी केवल बैंक खातों से पैसे साफ करने तक सीमित नहीं है, यह आपके निजी डेटा की चोरी, बैंकिंग विवरणों के साथ खिलवाड़ और आपकी मानसिक शांति को पूरी तरह से दांव पर लगा रही है। लोग अमीर बनने के लालच में अपनी जीवन भर की जमा-पूंजी इन खेलों में झोंक रहे हैं।

कैसे काम करते हैं गेमिंग एप्स

- भ्रामक विज्ञापन और सेलिब्रिटी एंडोर्समेंट : बड़े-बड़े सितारे इन एप्स को प्रमोट करते हैं, जिससे इनकी विश्वसनीयता बढ़ जाती है। टीवी और सोशल मीडिया पर करोड़पति बनो जैसे विज्ञापन युवाओं को आकर्षित करते हैं।
- डेटा की सेंधमारी : गेम इंस्टॉल करते समय ये एप्स संपर्कों, लोकेशन और गैलरी तक की एक्सेस मांगते हैं। यह डेटा बाद में डार्क वेब पर बेचा जाता है या ब्लैकमेलिंग के लिए इस्तेमाल होता है।
- बैंकिंग डिटेल्स का जाल : डिपॉजिट और विथड्रॉल के नाम पर आपकी बैंकिंग डिटेल्स ली जाती हैं। कई फर्जी एप्स पैसा जमा होने के बाद अकाउंट ब्लॉक कर देते हैं या सर्वर डाउन का बहाना बनाकर गायब हो जाते हैं।

सरकारी नियम और नियंत्रण के उपाय

- ऑनलाइन गेमिंग एक्ट, 2025 : सरकार ने 'प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग एक्ट, 2025' पेश किया है, जिसका मुख्य उद्देश्य रियल मनी गेम्स पर लगाम लगाना है। • रियल मनी गेम्स पर प्रतिबंध : लोकसभा में पारित नए बिल के अनुसार, अब पैसों वाले खेलों को पूरी तरह प्रतिबंधित या बेहद कड़ा विनियमित करने का प्रावधान है।
- भारी जुर्माना और सजा : अवैध गेमिंग एप चलाने या प्रमोट करने पर 3 साल तक की जेल और एक करोड़ तक के जुर्माने का नियम है।
- टैक्स व्यवस्था : सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग पर 28% जीएसटी लागू किया है ताकि इसकी अनियंत्रित वृद्धि को रोका जा सके।
- ब्लॉकिंग की शक्ति : आईटी मंत्रालय के पास अब उन सभी एप्स और वेबसाइटों को ब्लॉक करने का अधिकार है जो नियमों का उल्लंघन करती हैं।

साइबर कानून, आंकड़े

- धारा 66डी : संचार उपकरण का उपयोग करके धोखा देने पर सजा का प्रावधान। • धारा 420 : धोखाधड़ी से संपत्ति हड़पने के मामलों में लागू होती है। • भारत में पिछले 24 महीनों में ऑनलाइन गेमिंग फ्रॉड से लगभग 20,000 करोड़ सालाना का नुकसान हुआ है। कर्नाटक में 31 महीनों में कर्ज के कारण 32 आत्महत्याएं हुईं।

जिस भी देश में आप रहते हैं उसके प्रति पूरा वफादार बनें : होसबाले

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह ने भारतीय प्रवासियों को दिया संदेश

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में बसे भारतीय अच्छे नागरिक बनें मेहनत करके स्थानीय लोगों का दिल जीते

अमेरिका में बसे भारतीय प्रवासियों को होसबाले ने संदेश दिया कि वे अच्छे नागरिक बनें, मेहनत से स्थानीय लोगों का दिल जीतें और यह साबित करें कि हिंदू समाज हर क्षेत्र में योगदान और नेतृत्व देने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि संघ का मानना है कि जो भारतीय यहां अपना करियर बनाने आए हैं- चाहे शैक्षणिक क्षेत्र में हो या किसी और में, उन्हें इस देश के प्रति वफादार रहना चाहिए क्योंकि यहीं से उनकी रोजी-रोटी चलती है। उन्हें यहां बेहतर नागरिक बनना चाहिए और यह दिखाना चाहिए कि हिंदू जहां भी जाते हैं, वहां के समाज में योगदान देते हैं - नेतृत्व करते हैं और उस देश के राष्ट्र-निर्माण में भागीदार बनते हैं।

भारत के साथ हिंदू संस्कृति के बारे में फैली भ्रांतियों को दूर किया जाए शताब्दी वर्ष में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सामने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

शताब्दी वर्ष में संघ के सामने एक अहम जिम्मेदारी यह भी है कि भारत और हिंदू संस्कृति के बारे में फैली भ्रांतियों को दूर किया जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि संघ किन मूल्यों के लिए खड़ा है। होसबाले ने कहा कि भारत और हिंदू संस्कृति के बारे में जो आख्यान गढ़ा गया है, वह दशकों से-देश के भीतर भी और बाहर भी-विकृत रहा है। इसे सुधारना जरूरी है। उन्होंने कहा कि संघ की पृष्ठभूमि से नहीं आने वाले भी बड़ी संख्या में लोग भारत और हिंदू संस्कृति की सही तस्वीर पेश करने में जुटे हैं। समाज में इन्हीं बातों को फैलाने की जरूरत है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां संघ और अधिक ध्यान देना चाहता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि विदेशों में बसे भारतीय प्रवासियों को उस देश के प्रति पूरी तरह वफादार रहना चाहिए जहां वर्तमान में वे रह रहे हैं। होसबाले ने कहा कि विदेशों में बसे भारतीय न सिर्फ अपने वर्तमान देश का बेहतर नागरिक बनने का प्रयास करें बल्कि यह भी सिद्ध करें कि हिंदू समाज स्थानीय जीवन के हर क्षेत्र में-चाहे वह नेतृत्व हो, समाजसेवा हो या कोई और दायित्व-सार्थक योगदान देने में सक्षम है।

अमेरिका की यात्रा पर आए होसबाले ने कहा कि यहां उनकी बातचीत का केंद्र मुख्यतः संघ के बारे में फैली भ्रांतियों को दूर करना रहा। उन्होंने कहा कि पिछले कई दशकों से संघ के विरुद्ध जारी दुष्प्रचार के कारण अमेरिकियों के मन में इस सौ साल पुराने संगठन की एक विकृत छवि बन गई है। होसबाले ने कहा कि इन तमाम वर्षों में संघ इस विश्वास के साथ चुपचाप काम करता रहा कि हमारा काम ही हमारा संदेश है। लेकिन अब हमने सोचा कि लोगों तक सीधे पहुंचना बेहतर होगा। हमारा संदेश अब कार्यों से ही नहीं बल्कि हमारी कथनी से भी लोगों तक पहुंचना चाहिए।

होसबाले पिछले हफ्ते ब्रिटेन के दौरे के बाद अमेरिका पहुंचे। ब्रिटेन में उन्होंने शैक्षणिक जगत, विचारकों, नीति विशेषज्ञों और भारतीय प्रवासी समुदाय के विभिन्न वर्गों से मुलाकात की। यह सब संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे संपर्क अभियान का हिस्सा है। संघ के सरकार्यवाह ने कहा कि संगठन के बारे में, खासतौर पर पश्चिमी देशों में कई भ्रांतियां फैली हुई हैं, जहां संघ को हिंदू वर्चस्ववादी संगठन के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा कि यह दुष्प्रचार दशकों से चला आ रहा है कि संघ हिंदू वर्चस्ववादी है, अल्पसंख्यक विरोधी है, महिला विरोधी है- ऐसी तमाम भ्रांतियां फैलाई गई हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिका यात्रा का मकसद इन्हीं भ्रांतियों को दूर करना है।

पश्चिम बंगाल में गेहूं घोटाले में ईडी ने की छापेमारी

नई दिल्ली। ईडी ने पश्चिम बंगाल में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत गेहूं घोटाले से जुड़े मामले में कोलकाता, बर्दवान और हाबरा स्थित नौ ठिकानों पर तलाशी ले रही है। यह कार्रवाई निरंजन चंद्र साहा और अन्य आरोपियों से जुड़े आपूर्तिकर्ताओं तथा निर्यातकों के परिसरों पर की जा रही है। ईडी ने यह जांच धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत शुरू की है, जो पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा बशीरहाट थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर की गयी है। यह मामला घोजाडांगा भूमि सीमा शुल्क केंद्र के उप आयुक्त की शिकायत पर दर्ज हुआ था, जिसमें कल्याणकारी योजनाओं के लिए निर्धारित गेहूं की बड़े पैमाने पर हेराफेरी का आरोप लगाया गया था। जांच एजेंसी के अनुसार, आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से लाभार्थियों के लिए निर्धारित गेहूं को अवैध रूप से आपूर्ति श्रृंखला से बाहर निकालकर कम कीमत पर प्राप्त किया और फिर उसे खुले बाजार में ऊंची कीमत पर बेच दिया।

बांग्लादेश में आतंकी हमले की आशंका, अलर्ट जारी

ढाका, एजेंसी

- पुलिस ने की राष्ट्रव्यापी सुरक्षा अलर्ट की घोषणा

बांग्लादेश पुलिस ने शनिवार को संसद परिसर समेत प्रमुख प्रतिष्ठानों पर संभावित आतंकवादी हमलों के मद्देनजर राष्ट्रव्यापी सुरक्षा अलर्ट की घोषणा की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस मुख्यालय के एक अधिकारी ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर बताया, खुफिया रिपोर्ट के आधार पर अलर्ट जारी किया गया है। अधिकारी ने अलर्ट को अत्यावश्यक और गोपनीय बताया।

बांग्ला दैनिक 'प्रथम आलो' की खबर के अनुसार, पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी एक पत्र में संसद परिसर, इबादत स्थलों, मनोरंजन स्थलों और सैन्य एवं पुलिस प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर संभावित समन्वित हमलों की चेतावनी दी गई है, जिनमें शस्त्रागारों को संभावित लक्ष्य माना जा रहा है। 'डेली स्टार' और अन्य समाचार पत्रों की खबर के मुताबिक, प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के एक सदस्य इस्तियाक अहमद सामी उर्फ अबू बक्र की हालिया गिरफ्तारी के बाद अलर्ट जारी किया गया था। बक्र, कथित तौर पर दो बर्खास्त सैन्य कर्मियों के संपर्क में था। खबरों के अनुसार, पत्र में संभावित हमलों के पीछे दो कथित प्रमुख षड्यंत्रकारियों के नाम भी शामिल थे। हालांकि, किसी संगठन का नाम नहीं लिया गया।

पत्र में संदिग्ध हमलावरों को 'देश की समग्र सुरक्षा के लिए बेहद खतरनाक' बताया गया है। कानून लागू करने वाले अधिकारियों के हवाले से समाचार पोर्टल 'टीबीएसन्यूज डॉट नेट' ने बताया कि आतंकवादी समूह हमले करने के लिए कई तरीके अपना सकता है। पुलिस मुख्यालय ने अपराध जांच विभाग (सीआईडी), विशेष शाखा और आतंकवाद रोधी एवं अंतर्राष्ट्रीय अपराध इकाई सहित विशेष पुलिस इकाइयों को सतर्कता बढ़ाने का निर्देश दिया है, जबकि देश भर की पुलिस को हाई अलर्ट पर रहने को कहा गया है।

तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, दो श्रमिकों की मौत

थेनी। थेनी जिले में कुंबम के पास शनिवार को एक पटाखा निर्माण इकाई में हुए एक शक्तिशाली विस्फोट में दो श्रमिकों की मौत हो गई। यह हादसा कट्टपल्लीवासल रोड पर स्थित एक पटाखा निर्माण इकाई में हुआ। मुथुलक्ष्मी के स्वामित्व वाली यह इकाई चुनाव की वजह से अवकाश के कारण चार दिनों से बंद थी और शनिवार सुबह ही फिर से खुली थी। विस्फोट तब हुआ जब सूर्या और दिनेश उर्फ दीना नामक दो श्रमिकों ने उस कमरे का दरवाजा खोला जहां कच्चा माल और रसायन रखे हुए थे। विस्फोट से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

नहीं बढ़ेगी रूस और ईरान से तेल खरीदारी की अवधि

- अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने किया दावा

वाशिंगटन। अमेरिका, रूस और ईरान से तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की खरीदारी के लिए दी गई छूट की अवधि को नहीं बढ़ाएगा। यह बात अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कही। उन्होंने कहा, ईरानियों के लिए नहीं... हमने नाकेबंदी कर रखी है और वहां से कोई तेल बाहर नहीं आ रहा है। हमें लगता है कि अगले दो-तीन दिनों में उन्हें अपना उत्पादन बंद करने की प्रक्रिया शुरू करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि वह रूस से पेट्रोलियम पदार्थों की खरीदारी के लिए दी गयी छूट को एक बार फिर बढ़ाने की कल्पना भी नहीं कर सकते। अमेरिका के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय ने मार्च में आम लाइसेंस जारी किए थे, जिनके तहत रूस और ईरान के उस तेल से जुड़े सभी लेन-देन को मंजूरी दी गयी थी, जो क्रमशः 11 अप्रैल और 19 अप्रैल तक जहाज़ों पर लादा जा चुका था। एनबीसी न्यूज़ ने 21 मार्च को अपनी रिपोर्ट में कहा था कि इससे ईरान को 14 अरब डॉलर से ज़्यादा की कमाई हो सकती है। बेसेंट ने हालांकि बाद में इस अनुमान को मनगढ़ंत बात कहकर खारिज कर दिया था। अमेरिका के वित्त विभाग ने 14 अप्रैल को कहा था कि वह ईरान के तेल पर लगी पाबंदियों में दी गयी छूट की समय-सीमा को खत्म होने देगा।

ईरान के तेल नेटवर्क और चीनी रिफाइनरी पर अमेरिकी प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान के ऊर्जा और समुद्री नेटवर्क पर प्रतिबंधों को और कड़ा करते हुए इकोनॉमिक फ्यूरी अभियान के तहत नई कार्रवाई की घोषणा की है। अमेरिका ने चीन स्थित हेंगली पेट्रोकेमिकल रिफाइनरी सहित लगभग 40 शिपिंग कंपनियों और जहाजों पर प्रतिबंध लगाए हैं। इन पर ईरानी तेल के निर्यात में मदद करने का आरोप है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, हेंगली रिफाइनरी ईरानी कच्चे तेल की बड़ी खरीदार रही है और इसने अरबों डॉलर के तेल उत्पाद खरीदकर ईरान की ऊर्जा आय को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्रवाई में ईरान के तथाकथित शैडो फ्लीटको भी निशाना बनाया गया है, जिसमें ऐसे टैंकर शामिल हैं जो प्रतिबंधों के बावजूद गुप्त रूप से तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का परिवहन करते हैं।

ईरान ने फिर शुरू कीं अंतर्राष्ट्रीय विमान सेवाएं

तेहरान। ईरान ने 28 फरवरी से बंद अपनी अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक उड़ानों को फिर से शुरू कर दिया है। यह कदम अमेरिकी हमलों के कारण लगभग दो माह तक हवाई क्षेत्र में बाधा के बाद उठाया गया है। ईरानी नागरिक उड्डयन संगठन ने शनिवार को पुष्टि की कि मदीना और इस्तांबुल सहित प्रमुख स्थलों के लिए उड़ानें शुरू हो गई हैं।

यूक्रेन के निप्रो में रूसी हमलों में चार नागरिक मारे गए

कीव। यूक्रेन के निप्रो शहर पर रूस के ड्रोन और मिसाइल हमलों में कम से कम चार लोग मारे गए और 21 घायल हो गए। निप्रॉपेत्रोवस्क के क्षेत्रीय प्रमुख अलेक्ज़ेंडर गैंज़ा ने कहा कि रात भर हुए हमलों में नष्ट हुए एक घर के मलबे में चार शव मिले। उन्होंने कहा कि मलबे में और भी लोग दबे हो सकते हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने शनिवार को कहा कि रूसी हमले के बाद निप्रो के अस्पतालों में 11 लोग भर्ती हैं। वहीं, रूस के बेलगोरोद सीमावर्ती क्षेत्र में ड्रोन हमले में एक महिला की मौत हो गई।

माली में राजधानी और कई शहरों में गोलीबारी

बामाको, एजेंसी

- आतंकी समूहों ने कुछ स्थानों और बैरकों को बनाया निशाना

माली की राजधानी बामाको और अन्य शहरों में शनिवार सुबह बंदूकधारियों ने कई स्थानों पर हमले किये। अधिकारियों और स्थानीय निवासियों ने यह जानकारी दी। माली की सेना ने एक बयान में कहा कि अज्ञात सशस्त्र आतंकवादी समूहों ने राजधानी में कुछ स्थानों और बैरकों को निशाना बनाया।

सैनिक फिलहाल हमलावरों से निपटने में लगे हुए हैं। माली की राजधानी बामाको में स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास शनिवार सुबह गोलीबारी की आवाज सुनी गई।बामाको में मौजूद एक पत्रकार ने सिटी सेंटर से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित मोदिबो कीता अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से लगातार गोलीबारी की आवाज सुनी, और साथ ही हवाई अड्डे के आसपास एक हेलीकॉप्टर को गश्त करते देखा। यह हवाई अड्डा माली वायुसेना द्वारा उपयोग किए जाने वाले एक एयर बेस के निकट स्थित है। हवाई अड्डे के पास रहने वाले एक निवासी ने इलाके में गोलियों की आवाज सुनाई देने की जानकारी दी। उसने बताया कि आसमान में तीन हेलीकॉप्टर भी गश्त करते दिखाई दे रहे हैं। माली के अन्य शहरों के निवासियों ने भी शनिवार सुबह गोलीबारी और विस्फोटों की सूचना दी, जिससे सशस्त्र समूहों द्वारा समन्वित हमले की आशंका जताई गई। किदाल के पूर्व महापौर ने बताया कि बंदूकधारी शहर में घुस गए और कुछ इलाकों पर कब्जा कर लिया, जिसके परिणामस्वरूप सेना के साथ उनकी मुठभेड़ हुई है।

किंग चार्ल्स तृतीय से ईरान-नाटो मुद्दे पर चर्चा करेंगे ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह ब्रिटेन के किंग चार्ल्स तृतीय के अमेरिका के दौरे पर उनके साथ नाटो और ईरान के खिलाफ अमेरिकी अभियान से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे। ट्रंप ने एक न्यूज एजेंसी को फ़ोन पर बताया, मैं हर चीज़ के बारे में बात करूँगा। वे मेरे दोस्त हैं, और वे बहुत अच्छे इंसान हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन का डिजिटल सेवा कर भी चर्चा के विषयों में शामिल होगा। गौरतलब है कि बकिंघम पैलेस ने 31 मार्च को घोषणा की थी कि किंग चार्ल्स तृतीय और रानी कैमिला अप्रैल में अमेरिका की राजकीय यात्रा पर जाएँगे। ट्रंप ने बताया कि ब्रिटेन का शाही जोड़ा 27 से 30 अप्रैल के बीच अमेरिकी दौरे पर रहेगा। सोमवार से शुरू हो रही किंग चार्ल्स की चार-दिवसीय राजकीय यात्रा, ब्रिटेन से अमेरिका की आज़ादी की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर होगी।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष: आज आप तेजी से निर्णय लेने की कोशिश करेंगे, लेकिन हर स्थिति में जल्दबाजी सही नहीं होगी। थोड़ा रुककर सोचना बेहतर रहेगा।	तुला: आज मित्रों और संपर्कों से लाभ मिलने के संकेत हैं। किसी के साथ मिलकर किया गया काम सफल हो सकता है।
वृष: आज घर और निजी जीवन से जुड़ी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। काम और परिवार के बीच संतुलन बनाना जरूरी रहेगा।	वृश्चिक: आज काम को लेकर जिम्मेदारी बढ़ सकती है। आपको खुद को साबित करने का मौका मिलेगा। धैर्य और मेहनत से सफलता मिल सकती है।
मिथुन: आज बातचीत और संपर्क आपके लिए अवसर लेकर आएंगे। किसी से हुई चर्चा आगे चलकर लाभ दे सकती है। अपनी बात स्पष्ट तरीके से रखें।	धनु: आज आपका नजरिया सकारात्मक रहेगा। कुछ नया सीखने या समझने का मौका मिल सकता है। दिन आपके लिए प्रगति का संकेत दे रहा है।
कर्क: आज धन और खर्च को लेकर सजग रहना होगा। अनावश्यक खर्च से बचें और जरूरी कामों को प्राथमिकता दें।	मकर: आज थोड़ा संभलकर चलने की जरूरत है। किसी बात को लेकर मन अस्थिर हो सकता है। जल्दबाज़ी में निर्णय लेने से बचें।
सिंह: आज आत्मविश्वास मजबूत रहेगा और आप अपने फैसलों पर टिके रहेंगे। कोई नया काम शुरू करने का मन बन सकता है।	कुंभ: आज संबंधों और सहयोग पर ध्यान देना जरूरी रहेगा। किसी के साथ मिलकर काम करने से बेहतर परिणाम मिल सकते हैं।
कन्या: आज थोड़ा शांत रहकर काम करना बेहतर रहेगा। हर बात में प्रतिक्रिया देने से बचें। अपने काम पर ध्यान देंगे तो बेहतर परिणाम मिलेंगे।	मीन: आज काम का दबाव बढ़ सकता है और आपको लगातार सक्रिय रहना पड़ेगा। सही प्राथमिकता तय करेंगे तो दिन आपके पक्ष में रहेगा।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

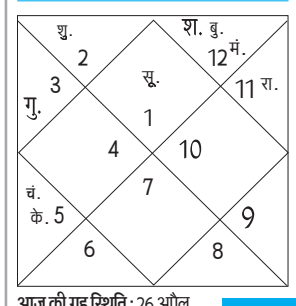

आज की ग्रह स्थिति : 26 अप्रैल, रविवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष- शुक्ल पक्ष, दशमी 18 .06 तक तत्पश्चात एकादशी।

दिशाशूल-पश्चिम, **ऋतु**- ग्रीष्म।
चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुम्भ, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-मघा 08 .27 तक तत्पश्चात पूर्वाफाल्गुनी।

सुडोकू - 130 का हल

1	9	3	8	5	6	7	4	2
6	5	8	4	7	2	9	1	3
2	4	7	9	1	3	5	6	3
9	1	4	3	8	5	2	7	6
8	2	6	7	4	1	3	9	5
7	3	5	2	6	9	1	8	4
5	6	9	1	3	8	4	2	7
3	7	1	6	2	4	8	5	9
4	8	2	5	9	7	6	3	1

सुडोकू -131

	6							2
9		1				8		
		2			1			
		5			6		3	
	7				8		2	
	1					6		
1			6			9		
8						2		6
4					2		7	

बयान | पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल मनोज नरवणे ने विवाद में अपना नाम घसीटने पर जताई आपत्ति

अप्रकाशित पुस्तक के लिए मेरा हवाला देना उचित नहीं था

नई दिल्ली, एजेंसी

वायुसेना ने किया सबसे पहले जयहिंद का इस्तेमाल

जनरल नरवणे ने कहा कि 'जय हिंद' का इस्तेमाल सबसे पहले भारतीय वायु सेना ने किया और बाद में थलसेना एवं नौसेना ने भी इसे अपनाया। उन्होंने कहा कि सलामी देने की मानक प्रथा मूल रूप से मौन रहना थी और विभिन्न रेजिमेंट ने 'सत श्री अकाल' या 'राम राम' जैसे अभिवादन के अपने-अपने तरीकों को जोड़ा। नरवणे ने कहा कि शुरुआत में 'जय हिंद' कहना वायु सेना ने शुरू किया था और अब हम तीनों सेनाओं में इसका पालन करते हैं। सलामी के साथ हम जय हिंद कहते हैं और व्याख्यानों में भी जय हिंद कहकर अभिवादन करते हैं।

पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल मनोज नरवणे ने अपने अप्रकाशित संस्मरण 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' को लेकर इस साल की शुरुआत में हुए विवाद के संदर्भ में कहा है कि अनावश्यक रूप से उनका हवाला देना और पुस्तक के लिए उन्हें सुर्खियों में लाना उचित नहीं था।

जनरल नरवणे ने कहा कि वह उस विवाद से आगे बढ़ चुके हैं और तब से दो पुस्तकें लिख चुके हैं तथा तीसरी पुस्तक जल्द आने वाली है। उन्होंने हाल में अपनी पुस्तक 'द क्यूरियस एंड द क्लासीफाइडः अनअर्थिंग मिलिट्री मिथ्स एंड मिस्ट्रीज' का विमोचन किया था। नरवणे ने कहा कि रक्षा मंत्रालय ने प्रकाशक से कहा था कि जब तक पुस्तक का निरीक्षण न हो जाए, इसे रोककर रखा जाए। जहां तक मेरा सवाल है, मामला वहीं खत्म हो गया था और मैं आगे बढ़ चुका हूं... इसलिए वह अध्याय बंद हो चुका है। मुझे लगता है कि अनावश्यक रूप से मेरा हवाला देना और अप्रकाशित पुस्तक को एवं परोक्ष रूप से मुझे भी सुर्खियों में घसीटना उचित नहीं था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को इस साल फरवरी में लोकसभा में इस संस्मरण के अंशों का उल्लेख करने से रोक दिया गया था, क्योंकि यह अभी प्रकाशित नहीं हुआ है। रूपा पब्लिकेशंस द्वारा प्रकाशित नरवणे की हालिया पुस्तक 'द क्यूरियस एंड द क्लासीफाइडः अनअर्थिंग मिलिट्री मिथ्स एंड मिस्ट्रीज' में भारतीय थलसेना, नौसेना और वायु सेना से जुड़े किस्सों, कहानियों और रोचक पहलुओं का जिक्र किया गया है। नरवणे ने अपनी पुस्तक में बताया है कि सैन्य अभिवादन 'जय हिंद' को अपनाए जाने की शुरुआत कैसे हुई।

विकेट को देखते हुए, अगर आप अपने बॉलर्स को सपोर्ट नहीं करते हैं और इतने सारे मौके गंवाते रहते हैं, तो मुझे लगता है कि हम हारने के लायक थे। यही मेन पॉइंट है। यह एक अच्छी पिच और छोटा ग्राउंड था, इसलिए छक्के तो लगने ही थे।
–अक्षर पटेल, दिल्ली के कप्तान

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

लखनऊ, रविवार ,26 अप्रैल 2026

रनों की बारिश में पंजाब ने रचा इतिहास

आईपीएल-2026 : दिल्ली कैपिटल्स के 265 रनों के विशाल लक्ष्य को आसानी से किया हासिल

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 265 रनों का लक्ष्य हासिल कर इतिहास रच दिया है। पंजाब की टीम अब सिर्फ आईपीएल में ही नहीं बल्कि टी20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे बड़ा टारगेट हासिल करने वाली टीम बन गई है। पंजाब की जीत के हीरो सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह और कप्तान श्रेयस अय्यर रहे। प्रभसिमरन सिंह ने 26 गेंदों पर 76 रनों की धमाकेदार पारी खेल पंजाब को धमाकेदार शुरुआत दिलाई। इसके बाद अय्यर ने 36 गेंदों पर नाबाद 71 रन बनाए। करुण नायर ने अय्यर के दो कैच छोड़े जो मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुए।

प्रभसिमरन ने पहले विकेट के लिए प्रियांश आर्य के साथ 42 गेंदों में 128 रन की साझेदारी कर पंजाब को तेज शुरुआत दिलाई। तीन गेंदों के अंदर करुण नायर से मिले दो आसान जीवनदान का फायदा उठाते हुए अय्यर ने चौथे विकेट के लिए नेहाल वढेरा (25) के साथ 31 गेंदों में 51 और पांचवें विकेट के लिए शशांक सिंह (नाबाद 19) के साथ 26 गेंदों में 64 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी।

'प्लेयर ऑफ द मैच' प्रभसिमरन ने 26 गेंदों की पारी में नौ चौके और पांच छक्के लगाए, जबकि अय्यर ने 36 गेंदों की पारी में तीन चौके और सात छक्के जड़े। राहुल ने नीतीश राणा के साथ दूसरे विकेट के लिए 96 गेंदों में 220 रन की साझेदारी कर जिससे कैपिटल्स ने आईपीएल इतिहास का अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया। आईपीएल में अपने छठे शतक के दौरान राहुल ने 67 गेंदों की पारी में 16 चौके और नौ छक्के लगाए, जबकि राणा ने 44 गेंदों की पारी में 11 चौके और चार छक्कों की मदद से 91 रन बनाए। दोनों की 220 रन की साझेदारी आईपीएल की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है।

सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड विराट कोहली और एबी डिविलियर्स के नाम है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की इस जोड़ी ने गुजरात लायंस के खिलाफ 2016 में दूसरे विकेट के लिए 229 रन की साझेदारी की थी। राहुल का यह स्कोर किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा आईपीएल में सबसे बड़ा, जबकि ओवरऑल तीसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। उन्होंने 226 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रियांश आर्य ने पहले ही ओवर में अजमतुल्लाह उमरजई की गेंद पर छक्का जड़कर तेवर दिखाए, वहीं प्रभसिमरन ने ओवर का अंत छक्के से किया। इस जोड़ी ने मुकेश कुमार के दूसरे ओवर से 21 और अक्षर पटेल के तीसरे ओवर से 20 रन बटोरे। तीसरे ओवर के दौरान दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी के सिर और कंधे में गंभीर चोट लगने के बाद उन्हें एंबुलेंस की मदद से मैदान से बाहर ले जाया गया। प्रभसिमरन ने चौथे ओवर में तीन छक्के लगाए, जबकि आर्य ने भी इस ओवर में एक छक्का लगाकर कुल 27 रन बटोरे। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

दिल्ली कैपिटल्स

264/2 (20 ओवर)

पथुम निसंका का प्रभसिमरन बो अर्शदीप	11
लोकेश राहुल नाबाद	152
नीतीश राणा का अय्यर बो बार्टलेट	91
डेविड मिलर नाबाद	03

अतिरिक्त :07, विकेट पतन : 1-28, 2-248,
गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-49-1, बार्टलेट 4-0-69-1, यानसेन 4-0-44-0, वैशाख 3-0-48-0, चहल 4-0-42-0, स्टोइनिस 1-0-11-0

152 रन केएल राहुल का आईपीएल में सर्वाधिक रनों का व्यक्तिगत रिकॉर्ड है, उन्होंने ऋषभ पंत के 128 रन का रिकॉर्ड तोड़ा

पंजाब किंग्स

265/4 (18.5 ओवर)

प्रियांश आर्य का रिजवी बो अक्षर	43
प्रभसिमरन सिंह पगबाधा कुलदीप	76
कूपर कोनोली बो कुलदीप	17
श्रेयस अय्यर नाबाद	71
नेहाल वढेरा का नायर बो निगम	25
शशांक सिंह नाबाद	19

अतिरिक्त :14, विकेट पतन : 1-126, 2-132, 3-145, 4-201
गेंदबाजी : औकिब नबी 2-0-41-0, मुकेश 3-0-55-0, अक्षर 4-0-44-1, नटराजन 3.5-0-54-0, कुलदीप 4-0-46-2, निगम 2-0-24-1

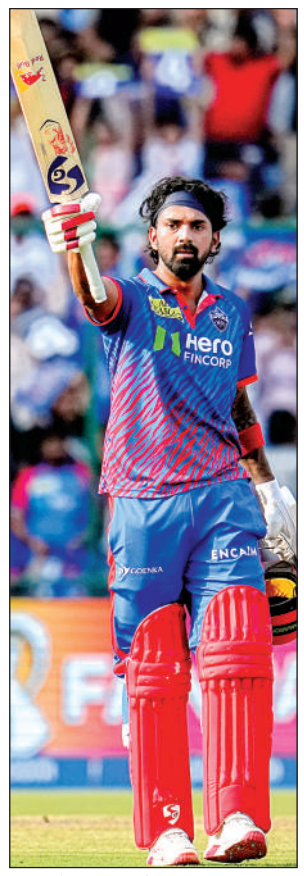

शतक के बाद दर्शकों का अभिवादन स्वीकार करते केएल राहुल। एजेंसी

जीत दर्ज करने के बाद पैवेलिए लौटते पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर। एजेंसी

IPL 2026

आज के मुकाबले

गुजरात टाइटंस
बनाम
चेन्नई सुपर किंग्स
समय - दोपहर 3:30 बजे

लखनऊ सुपर जायंट्स
बनाम
कोलकाता नाइट राइडर्स
समय - शाम 7:30 बजे

ऑरेंज कैप

- अभिषेक शर्मा हैदराबाद -380 रन
- वैभव सूर्यवंशी राजस्थान-357 रन
- केएल राहुल दिल्ली-357

पर्पल कैप

- अंशुल कंबोज चेन्नई -14 विकेट
- इशान मलिंगा हैदराबाद-14 विकेट
- जोफ्रा आर्चर राजस्थान-13 विकेट

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	7	6	0	1	13	1.333
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	7	5	2	0	10	1.101
3.	सनराइज़र्स हैदराबाद	8	5	3	0	10	0.815
4.	राजस्थान रॉयल्स	8	5	3	0	10	0.602
5.	चेन्नई सुपर किंग्स	7	3	4	0	6	0.118
6.	दिल्ली कैपिटल्स	7	3	4	0	6	-0.184
7.	गुजरात टाइटंस	7	3	4	0	6	-0.790
8.	मुंबई इंडियंस	7	2	5	0	4	-0.736
9.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	7	2	5	0	4	-1.277
10.	कोलकाता नाइट राइडर्स	7	1	5	1	3	-0.879

लुंगी एंगिडी चोटिल, हालत स्थिर

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एंगिडी को दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच शनिवार को यहां आईपीएल मैच के दौरान गंभीर चोट लगने के बाद एंबुलेंस से स्थानीय अस्पताल ले जाया गया लेकिन अब उनकी हालत स्थिर है और उन्हें जल्द ही छुट्टी मिल जाएगी। जीत के लिए 265 रन का पीछा कर रही पंजाब किंग्स की पारी के तीसरे ओवर में कप्तान अक्षर पटेल की गेंद पर प्रियांश आर्या के शॉट पर मिड-ऑफ पर खड़े एंगिडी कैच लेने के लिए पीछे की ओर भागे, लेकिन गेंद का सही अनुमान नहीं लगा सके और संतुलन बिगड़ने के कारण गिर पड़े। इस दौरान उनका कंधा और सिर जोर से जमीन से टकराया। मैदान पर गिरते ही एंगिडी ने तुरंत अपना सिर पकड़ लिया और कुछ समय तक जमीन पर ही स्थिर रहे। जिसके बाद टीम के फिजियो और डॉक्टर तुरंत मौके पर पहुंचे।

आईपीएल का सर्वाधिक स्कोर

	स्कोर	टीम	प्रतिद्वंदी	तारीख
1.	287/3	सनराइजर्स हैदराबाद	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	15 अप्रैल 2024
2.	286/6	सनराइजर्स हैदराबाद	राजस्थान रॉयल्स	23 मार्च, 2025
3.	278/3	सनराइजर्स हैदराबाद	कोलकाता नाइट राइडर्स	25 मई, 2025
4.	277/3	सनराइजर्स हैदराबाद	मुंबई इंडियंस	27 मार्च 2024
5.	272/7	कोलकाता नाइट राइडर्स	दिल्ली कैपिटल्स	3 अप्रैल 2024
6.	266/7	सनराइजर्स हैदराबाद	दिल्ली कैपिटल्स	20 अप्रैल 2024
7.	265/4	पंजाब किंग्स	दिल्ली कैपिटल्स	25 अप्रैल 2026
8.	264/2	दिल्ली कैपिटल्स	पंजाब किंग्स	25 अप्रैल 2026

हाईलाइट

कर्नाटक की कप्तानी करने से बल्लेबाजी में मिली मदद : पडिक्कल

बेंगलुरु। शानदार फॉर्म में चल रहे देवदत्त पडिक्कल ने कहा कि कर्नाटक क्रिकेट टीम की कप्तानी करने और कुछ रणनीतिक बदलाव के कारण उन्हें एक संपूर्ण टी20 बल्लेबाज बनने में मदद मिली। पडिक्कल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की तरफ से अर्धशतक जमाकर उसकी गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने मैच के बाद पत्रकारों से कहा निश्चित तौर पर मुझे लगता है कि कप्तान बनने से मुझे खेल के प्रति एक अलग दृष्टिकोण मिला है।

ओलंपिक पदक विजेता हॉकी खिलाड़ी गुरबख्श सिंह का निधन

चंडीगढ़। ओलंपिक हॉकी पदक विजेता गुरबख्श सिंह ग्रेवाल का यहां जीरकपुर में शुक्रवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। गुरबख्श 1968 के मैक्सिको सिटी ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे। उन्होंने अपने भाई बलबीर सिंह ग्रेवाल के साथ एक ही ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। इस तरह से वे उन कुछ भाईयों की जोड़ी में शामिल हैं जो एक साथ ओलंपिक में खेले। गुरबख्श ने अपने खेल करियर के अलावा पश्चिमी रेलवे में खेल अधिकारी के रूप में काम किया, जहां उन्होंने राजस्थान की कई प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें रेलवे हॉकी टीम में शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कोलकाता और लखनऊ के बीच मैच में कप्तानों की होगी परीक्षा

लखनऊ, एजेंसी

- दोनों कप्तान ऋषभ पंत और अजिंक्य रहाणे नहीं कर पाए अपेक्षित प्रदर्शन

कहा जाता है कि कप्तान उतना ही अच्छा होता है जितनी अच्छी उसकी टीम होती है तथा ऋषभ पंत और अजिंक्य रहाणे के लिए यह कड़वी सच्चाई साबित हो रही हैं जिनकी टीम लखनऊ सुपर जाएंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स रविवार को यहां आईपीएल के मैच में आमने-सामने होंगी।

आईपीएल 2025 के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भी केकेआर ने रहाणे को कप्तान बनाए रखकर साहसिक फैसला किया लेकिन उनकी अगुवाई में टीम इस सत्र में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। केकेआर को अपनी पहली जीत दर्ज करने में सात मैच लगे। यह जीत भी उसे सामूहिक प्रयास से नहीं बल्कि रिंकू सिंह के व्यक्तिगत प्रदर्शन की बदौलत मिली।

रहाणे ने अब तक कुछ मैच में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन वह अपेक्षित तेजी से रन नहीं बना पाए हैं जो कि इस प्रारूप में जरूरी है। उनकी उम्र लगभग 38 वर्ष है और ऐसे में उन्हें लंबी अवधि तक टी20 टीम का कप्तान बनाए रखना इस प्रारूप की मांगों के अनुरूप नहीं लगता है। कमजोर तेज गेंदबाजी आक्रमण और स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती के नहीं चल पाने से भी रहाणे की मुश्किलें बढ़ी। यही नहीं टीम अभी तक सही संयोजन भी तैयार नहीं कर पाई है।

रचिन रविंद्र को अभी तक एक भी मैच में खेलने का मौका नहीं मिला है जबकि उनके देश न्यूजीलैंड के फिन एलन और टिम सीफर्ट के बीच बिना किसी स्पष्टता के अदला-बदली का खेल चल रहा है। रहाणे के कप्तान के रूप में कुछ फैसले भी टीम के लिए सही नहीं रहे। पिछले कुछ मैच में वह स्वयं भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए जिससे उन पर दबाव बढ़ गया है। केकेआर भले ही इकाना स्टेडियम में कुछ हद तक लय में उतरें, लेकिन उसके अभी केवल तीन अंक हैं और उसे अपने शेष सात मैचों में से कम से कम छह में जीत हासिल करनी होगी जो उसके प्रदर्शन को देखकर असंभव लगता है। एलएसजी का अभियान भी अब तक अच्छा नहीं रहा है।

ऋषभ पंत की अगुवाई वाली इस टीम ने केवल दो मैच जीते हैं और उस पर जल्दी बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। लगातार चार हार और कप्तान के कई फैसलों ने स्थिति को और भी बदतर बना दिया है। पंत स्वयं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर का रहे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ नाबाद 67 रन की पारी के बाद से उन्होंने पांच पारियों में केवल 72 रन बनाए हैं, जिसमें राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ तीन गेंदों पर शून्य पर आउट होना भी शामिल है।

सीएसके व गुजरात अपनी स्थिति मजबूत करने उतरेंगे

चेन्नई। पिछले कुछ मैचों शानदार प्रदर्शन करने वाली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम रविवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ यहां होने वाले आईपीएल के मैच में अपनी लय बरकरार रखने की कोशिश करेगी। दूसरी तरफ लगातार दो हार का सामना करने वाली गुजरात टाइटंस की टीम अच्छा प्रदर्शन करके अपने अभियान को पटरी पर लाने के लिए बेताब होगी।

सीएसके ने इस सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं की थी लेकिन इसके बाद उसने शानदार वापसी करके अपने पिछले चार मैचों में से तीन में जीत हासिल की है। इसमें मुंबई इंडियंस पर 103 रन की जीत भी शामिल है, जिसमें संजू सैमसन ने सत्र का अपना दूसरा शतक लगाया था। रुतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली सीएसके के अभी छह अंक हैं और वह प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए आगे किसी भी तरह की गलतियों से बचने के लिए प्रतिबद्ध होगी। सीएसके अच्छी स्थिति में नजर आ रही है।

सूर्यवंशी का आतिशी शतक बेकार राजस्थान को हैदराबाद ने हराया

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते ईशान किशन। एजेंसी

जयपुर, एजेंसी

युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के 12 छक्कों की मदद से बने 103 रन की आतिशी पारी बेकार गई क्योंकि राजस्थान रॉयल्स को कई कैच टपकाने के कारण सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों शनिवार को आईपीएल मुकाबले में नौ गेंद शेष रहते पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

राजस्थान ने छह विकेट पर 228 रन का मजबूत स्कोर बनाया लेकिन उसके गेंदबाज हैदराबाद को नहीं रोक सके। हैदराबाद ने 18.3 ओवर में पांच विकेट पर 229 रन बनाकर आठ मैचों में अपनी पांचवीं जीत हासिल की और तालिका में राजस्थान को अपदस्थ कर तीसरे स्थान पर पहुंच गया। दूसरी तरफ राजस्थान को आठ मैचों में तीसरी हार झेलनी पड़ी और वह चौथे स्थान पर खिसक गया। हैदराबाद की तरफ से ईशान किशन ने 31 गेंदों में 74 रन, अभिषेक शर्मा ने 29 गेंदों में 57 रन, हेनरिक क्लासेन ने 29 और नीतीश कुमार रेड्डी ने 36 रन बनाये। राजस्थान की हार का मुख्य कारण उसकी बेहद खराब फील्डिंग रही। उसके खिलाड़ियों ने कई कैच टपकाये। ध्रुव जुरेल ने पहली गेंद पर कैच छोड़ा लेकिन यह महंगा साबित नहीं हुआ। बाकी खिलाड़ियों ने ज़रूर कैच छोड़ा क्योंकि हेटमायर, जडेजा और बृजेश के कैच छोड़ने से उन्हें नुकसान हुआ। अभिषेक का कैच 4 और 30 रन पर हेटमायर और जडेजा ने छोड़ा। अभिषेक जैसे खिलाड़ियों को मौके नहीं दे सकते और आरआर को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा।

इससे पहले 15 वर्षीय सूर्यवंशी ने प्रफुल हिंगे के पारी के पहले ओवर में चार छक्के उड़ाने सहित 37 गेंदों पर 103 रन की विस्फोटक पारी में पांच चौके और 12 छक्के उड़ाए। शतक पूरा करने के बाद सूर्यवंशी 14 वें ओवर में पांचवीं गेंद पर आउट हुए। ध्रुव जुरेल ने 51 और डोनोवन फरेरा ने 33 रनों का योगदान दिया। जुरेल ने 35 गेंदों पर आठ चौके और एक छक्का लगाया जबकि फरेरा ने 16 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के उड़ाए। वैभव सूर्यवंशी बदला लेने के मूड में आए। पिछली बार जब ये दोनों टीमें मिली थीं, तो वे बिना खाता खोले आउट हो गए थे, उन्होंने पहली ही गेंद से ताबड़तोड़ शुरुआत की- पहले ओवर में प्रफुल्ल हिंगे को चार छक्के मारे। इसने राजस्थान रॉयल्स के लिए टोन सेट कर दिया, और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। 32 रन पर अनिकेत वर्मा ने सूर्यवंशी का कैच छोड़ा, जिसके बाद उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ी - उन्होंने 15 गेंदों में फिफ्टी बनाई और फिर उसे 36 गेंदों में शानदार सेंचुरी में बदल दिया।

राजस्थान रॉयल्स

228/6 (20 ओवर)

यशस्वी जायसवाल का क्लासेन बो मलिंगा	10
वैभव सूर्यवंशी पगबाधा बो हुसैन	103
ध्रुव जुरेल का अनिकेत वर्मा बो नीतिश रेड्डी	51
रियान पराग बो कमिंस	07
डोनोवन फरेरा का क्लासेन बो मलिंगा	33
हेटमायर का नीतिश रेड्डी बो हिंगे	11
रविंद्र जडेजा नाबाद	04
जोफ्रा आर्चर नाबाद	02

अतिरिक्त : 07, विकेट पतन : 1-40, 2-152, 3-170, 4-191, 5-214, 6-225
गेंदबाजी : हिंगे 4-0-49-1, कमिंस 4-0-27-1, मलिंगा 4-0-38-2, हुसैन 4-0-62-1, शिवांग 2-0-31-0, नीतिश रेड्डी 2-0-20-1

सनराइजर्स हैदराबाद

229/5 (18.3 ओवर)

ट्रेविस हेड का जुरेल बो आर्चर	06
अभिषेक शर्मा का आर्चर बो फरेरा	57
ईशान किशन का फरेरा बो आर्चर	74
हेनरिक क्लासेन का बिश्नोई बो ब्रिजेश	29
नीतिश कुमार रेड्डी पगबाधा बो ब्रिजेश	36
सलील अरोड़ा नाबाद	08
अनिकेत वर्मा नाबाद	01

अतिरिक्त : 18, विकेट पतन : 1-7, 2-139, 3-166, 4-219, 5-220, गेंदबाजी : आर्चर 4-0-34-2, बर्गर 3.3-0-50-0, देशपांडे 3-0-43-0, ब्रिजेश 4-0-44-2, पराग 1-0-12-0, फरेरा 1-0-14-1, रवि बिश्नोई 1-0-16-0, रविंद्र जडेजा 1-0-11-0

झटका

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस पूरी नहीं कर पाएंगे खिताबी हैट्रिक

मौजूदा चैंपियन अल्काराज चोट के कारण फ्रेंच ओपन से हटे

मैड्रिड, एजेंसी

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताबी हैट्रिक पूरी नहीं कर पाएंगे क्योंकि वह दाहिनी कलाई में चोट के कारण वर्ष की इस दूसरी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता से हट गए हैं। अल्काराज़ ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया कि वह रोम में होने वाले इटालियन ओपन में भी भाग नहीं लेंगे, जहां उन्होंने पिछले साल जीत हासिल की थी। स्पेन का यह खिलाड़ी इस महीने बार्सिलोना ओपन में अपने पहले दौर के मैच में जीत हासिल करने के दौरान चोटिल हो गए था और अगले दिन टूर्नामेंट से हट गए था।

उन्होंने इस सप्ताह के मैड्रिड ओपन से नाम वापस ले लिया था। उन्होंने जब सोमवार को मैड्रिड में लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स समारोह में हिस्सा लिया तो उनकी कलाई में पट्टी बंधी हुई थी। उन्हें इस समारोह में विश्व का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। अल्काराज़ ने कहा कि चिकित्सा परीक्षणों के बाद उन्होंने फ्रेंच ओपन से हटने का फैसला किया।

उन्होंने कहा आज किए गए परीक्षणों के परिणामों के बाद हमने फैसला किया है कि सबसे समझदारी भरा कदम सतर्क रहना तथा रोम (इटालियन ओपन) और रोलां गैरां (फ्रेंच ओपन) में भाग नहीं लेना है। यह मेरे लिए मुश्किल समय है लेकिन मुझे विश्वास है कि मैं और मजबूत होकर वापसी करूंगा। अल्काराज़ ने इस साल के शुरू में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर सत्र की शानदार शुरुआत की थी। इसके साथ ही वह चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बन गए थे। उसके बाद से उन्होंने केवल एक ही खिताब जीता है।

उन्होंने फरवरी में दोहा में जीत हासिल की थी। इस महीने की शुरुआत में उन्हें मोंटे कार्लो के फाइनल में यानिक सिनर से हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत से सिनर फिर से विश्व के नंबर एक खिलाड़ी बन गए थे।

सिनर को उम्मीद है कि अल्काराज जल्द ही वापसी करेंगे

यानिक सिनर को उम्मीद है कि अल्काराज़ जल्द ही वापसी करेंगे। उन्होंने मैड्रिड ओपन में पहले दौर की जीत के बाद कहा टेनिस को कार्लोस की जरूरत है। उनके होने से टेनिस का खेल और भी बेहतर हो जाता है। मुझे उम्मीद है कि वह जल्द वापसी करेंगे। मुझे लगता है कि उनका अगला लक्ष्य विंबलडन (जून में) है, और मैं यही उम्मीद करता हूं। इसलिए मुझे उम्मीद है कि वह विंबलडन में वापसी करेंगे। इटालियन ओपन पांच मई से और फ्रेंच ओपन 18 मई से शुरू होगा।